के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

समाज जागरण

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्ष: 4 अंक: 110 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) गुरुवार 29 जनवरी 2026 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

सीएम देवेंद्र फडणवीस ने अजित पवार के निधन पर सार्वजनिक छुट्टी और तीन दिन के शोक की घोषणा की

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने बुधवार सुबह एक विमान दुर्घटना में उपमुख्यमंत्री अजित पवार के निधन के बाद राज्य में छुट्टी और तीन दिन के शोक की घोषणा की। मुंबई में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए, सीएम फडणवीस ने कहा कि पवार के अंतिम संस्कार का फैसला उनके परिवार से सलाह लेने के बाद किया जाएगा।

पूरे महाराष्ट्र में दुख की लहर

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि "आज हमने राज्य में छुट्टी घोषित की है और तीन दिन के राजकीय शोक की भी घोषणा की गई है। यह पूरे महाराष्ट्र राज्य के लिए पूरी तरह से अपूरणीय क्षति है।"अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए, फडणवीस ने कहा कि पूरे महाराष्ट्र में "दुख की लहर" है। उन्होंने पवार को एक मेहनती नेता के रूप में याद किया और राज्य के लिए उनके योगदान को याद किया।

यह महाराष्ट्र के लिए एक कठिन दिन

इस दुखद घटना को व्यक्तिगत क्षति बताते हुए देवेंद्र फडणवीस ने कहा, "अजित दादा एक मेहनती नेता थे और किसी भी परिस्थिति में नहीं डगमगाते थे। यह महाराष्ट्र के लिए एक कठिन दिन है। ऐसी नेतृत्व क्षमता विकसित होने में समय लगता है। महाराष्ट्र के विकास में उनका बड़ा योगदान था। उनका निधन चौंकाने वाला है, और मेरे लिए यह एक व्यक्तिगत क्षति है; एक दोस्त मुझे छोड़कर चला गया है। यह परिवार के लिए बहुत बड़ी क्षति है।"

25 करोड़ की आबादी हमारा परिवार,

बिना भेदभाव विकास सरकार का संकल्प— मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

समाज जागरण

सिद्धार्थनगर। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि उत्तर प्रदेश की 25 करोड़ जनता सरकार का परिवार है और इसी भावना के साथ प्रदेश में बिना किसी भेदभाव के विकास का अभियान आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश अब उपद्रव से उत्सव की ओर बढ़ चुका है।

मुख्यमंत्री बुधवार को पांच दिवसीय सिद्धार्थनगर महोत्सव के शुभारंभ अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने 1,052 करोड़ रुपये की लागत से 229 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया।

बीमार मानसिकता से विकास बाधित हुआ था

सीएम योगी ने कहा कि पूर्व में बीमार मानसिकता के कारण यह क्षेत्र पिछड़ा रहा, लेकिन सरकार ने दृढ़ संकल्प के साथ उस सोच को समाप्त किया। आज प्रदेश सुशासन, सुरक्षा और विकास की नई पहचान बना रहा है।

संस्कारों से बनेगा विकसित भारत

मुख्यमंत्री ने बेसिक शिक्षा परिषद के शिक्षक-शिक्षिकाओं द्वारा प्रस्तुत सरस्वती वंदना की सराहना करते हुए कहा कि जब ऐसे संस्कार बच्चों में जाएंगे, तभी वे विकसित भारत के सशक्त वाहक बनेंगे।

गरीब, किसान और युवा विकास के केंद्र में

उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं गरीबों, किसानों, महिलाओं और युवाओं को केंद्र में रखकर बनाई गई हैं। हर गरीब को राशन, आवास, शौचालय और आयुष्मान कार्ड का लाभ दिया जा रहा है।

इंसेफेलाइटिस से मुक्ति, मेडिकल सुविधाओं का विस्तार

सीएम योगी ने कहा कि सिद्धार्थनगर में अब मेडिकल कॉलेज, नर्सिंग कॉलेज और महिला छात्रावास बन चुके हैं। कभी जिस क्षेत्र में इंसेफेलाइटिस से बच्चों की मौत होती थी, वह बीमारी अब पूरी तरह समाप्त हो चुकी है।

कनेक्टिविटी और निवेश को नई गति

उन्होंने बताया कि सिद्धार्थनगर को फोरलेन सड़क, रेल लाइन और गोरखपुरझशामली इकोनॉमिक कॉरिडोर से जोड़ा जा रहा है, जिससे निवेश और रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

(इनपुट : आईएएनएस)

महिला उद्यमियों की सफलता बनी प्रेरणा

कार्यक्रम के दौरान सरकारी योजनाओं से लाभान्वित दो महिला उद्यमियों ने अपने संघर्ष और सफलता की कहानी साझा की। मुख्यमंत्री ने इसे महिला सशक्तिकरण की दिशा में बड़ा कदम बताया।

बिना भेदभाव हर जनपद तक पहुंचा विकास

सीएम योगी ने कहा कि जनप्रतिनिधियों के प्रस्तावों से विकास योजनाएं धरातल पर उतर रही हैं। सरकार बिना किसी भेदभाव के संसाधन उपलब्ध करा रही है। उन्होंने नेता प्रतिपक्ष माता प्रसाद पांडेय एवं सपा विधायक सैयदा खातून का कार्यक्रम में शामिल होने पर आभार जताया।

समग्र और सतत विकास ही रामराज्य की अवधारणा

मुख्यमंत्री ने कहा कि विकास में जाति, मत, मजहब, क्षेत्र या भाषा के आधार पर भेदभाव नहीं होना चाहिए। समग्र और सतत विकास की सोच ही रामराज्य की अवधारणा को साकार करती है।

बंगाल में बदलाव की उलटी गिनती शुरू— नितिन नबीन

दुगार्पुर। भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नबीन ने पश्चिम बंगाल की ममता बनर्जी सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि राज्य में घुसपैठ, भ्रष्टाचार और जंगलराज चरम पर है। उन्होंने दावा किया कि तृणमूल कांग्रेस सरकार के दिन अब गिने-चुने हैं और बंगाल की जनता बदलाव के मूड में है।
नितिन नबीन बुधवार को पश्चिम बर्धमान जिले के औद्योगिक नगर दुगार्पुर में आयोजित एक विशाल जनसभा को संबोधित कर रहे थे।

कानून-व्यवस्था पर उठाए सवाल

भाजपा अध्यक्ष ने राज्य की कानून-व्यवस्था और प्रशासनिक कार्यप्रणाली पर सवाल उठाते हुए कहा कि बंगाल में अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आने पर जंगलराज का अंत कर दोषियों को सजा दिलाई जाएगी।

डीएम-एसडीओ से सीधी अपील

नितिन नबीन ने जिला प्रशासन के अधिकारियों, विशेषकर डीएम और एसडीओ से अपील करते हुए कहा कि वे सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस नेताओं के दबाव में काम न करें।
उन्होंने कहा,
"टीएमसी सरकार के दिन अब गिने-चुने हैं। अधिकारियों को सत्ताधारी नेताओं की कठपुतली नहीं, बल्कि जनता के सेवक के रूप में काम करना चाहिए।"

ममता बनर्जी को चेतावनी

भाजपा अध्यक्ष ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को चेतावनी देते हुए कहा कि वह दिन दूर नहीं जब बंगाल की जनता भाजपा को राज्य की जिम्मेदारी सौंपेगी और राज्य को विकास की नई दिशा मिलेगी।

घुसपैठ और एसआईआर का मुद्दा

नितिन नबीन ने विशेष गहन संशोधन (एसआईआर) को लेकर मुख्यमंत्री की आपत्तियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि चुनाव आयोग मतदाता सूची से अवैध घुसपैठियों को हटाने का कार्य कर रहा है।
उन्होंने कहा, "बांग्लादेश से आए अवैध घुसपैठियों को इस देश में रहने का कोई अधिकार नहीं है।"

भ्रष्टाचार और घोटालों पर हमला

तृणमूल कांग्रेस के नेताओं पर बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार के आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सत्ता में आने पर सभी घोटालों की जांच कर दोषियों को जेल भेजेगी।

महिला सुरक्षा पर सरकार को घेरा

दुगार्पुर के एक निजी मेडिकल कॉलेज में दलित छात्रा से दुष्कर्म मामले का जिक्र करते हुए नितिन नबीन ने मुख्यमंत्री के उस बयान की आलोचना की, जिसमें महिलाओं को रात आठ बजे के बाद घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई थी।
उन्होंने कहा कि बंगाल की महिलाएं आधुनिक और आत्मनिर्भर हैं, उन्हें घर में कैद करने की सोच स्वीकार्य नहीं है।

कार्यकताओं से तैयार रहने की अपील

भाजपा अध्यक्ष ने कार्यकताओं से अंतिम चरण की लड़ाई के लिए तैयार रहने की अपील करते हुए कहा कि पूरा भाजपा परिवार बंगाल के साथ खड़ा है।

राष्ट्रपति मुर्मु का संबोधन: 'विकसित भारत' का प्रेरक मार्गदर्शन

संसद के संयुक्त अधिवेशन में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु का अभिभाषण देश के लिए एक प्रेरक संदेश है। उनका संबोधन अंत्योदय, नारी शक्ति, युवा ऊर्जा और अन्नदाताओं के सशक्तिकरण का प्रभावी प्रतिबिंब प्रस्तुत करता है। राष्ट्रपति ने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में योजनाओं के सफल क्रियान्वयन, सुशासन और पूर्ण पारदर्शिता के माध्यम से स्थापित जनकल्याण केंद्रित कार्यसंस्कृति की सराहना की।

'शोक के समय राजनीति न करें'

महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के विमान हादसे में निधन के बाद देश की राजनीति में हलचल तेज हो गई है। विपक्ष लगातार मामले की निष्पक्ष जांच की मांग कर रहा है, वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के बयान को लेकर राजनीतिक बयानबाजी और तीखी हो गई है।

ममता के बयान पर कंगना रनौत की कड़ी प्रतिक्रिया

ममता बनर्जी के बयान पर भाजपा सांसद कंगना रनौत ने कड़ा पलटवार किया है। उन्होंने कहा कि इस दुखद घड़ी में इस तरह की बयानबाजी बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है।

'शोक के समय संयम जरूरी'

कंगना रनौत ने कहा, "हम सभी लोग शोक में हैं क्योंकि इतना बड़ा हादसा सुबह-सुबह हो गया। संसद में हर कोई इस घटना के बारे में बात कर रहा है, क्योंकि हममें से कई लोग चार्टर्ड विमान और हेलीकॉप्टर से यात्रा करते हैं। यह घटना किसी के लिए भी डरावनी हो सकती है। ऐसे समय पर इस तरह की बातें नहीं करनी चाहिए। थोड़ा तो संयम बनाए रखना चाहिए।"

कंगना ने अजित पवार के निधन पर जताया दुख

इससे पहले कंगना रनौत ने उप मुख्यमंत्री अजित पवार के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए कहा था कि यह घटना बेहद पीड़ादायक और दिल दहला देने वाली है।

बाजार समाचार शेयर बाजार

उतार–चढ़ाव भरे कारोबार में भी हरे निशान पर बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स 487 अंक चढ़ा, निफ्टी में 167 अंकों की बढ़त

मुंबई। भारतीय शेयर बाजार बुधवार को दिनभर के भारी उतार-चढ़ाव के बावजूद मजबूती के साथ बंद हुआ। दिसंबर तिमाही के नतीजों और भारतझ यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौते को लेकर बनी सकारात्मक उम्मीदों से निवेशकों की धारणा को सहारा मिला।

बीएसई सेंसेक्स 487 अंक (0.60%) की बढ़त के साथ 82,345 पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान सेंसेक्स ने 82,504 का उच्चतम और 81,815 का न्यूनतम स्तर छुआ। वहीं, निफ्टी 50 भी 167 अंक (0.66%) चढ़कर 25,343 पर बंद हुआ। इंट्रा-डे में निफ्टी ने 25,372 का उच्च स्तर छुआ, जबकि निचला स्तर 25,188 रहा।

सोने ने रचा इतिहास! पहली बार ₹1.60 लाख के पार, चांदी भी रिकॉर्ड हाई पर

समाज जागरण

सोने और चांदी की कीमतों में रिकॉर्डतोड़ तेजी देखने को मिल रही है. बुधवार को सोने ने इतिहास रचते हुए पहली बार हाजिर बाजार में 1.60 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम का आंकड़ा पार कर लिया. वहीं चांदी भी उछलकर 3.58 लाख रुपये प्रति किलो से ऊपर पहुंच गई है.
इंडिया बुलियन ज्वेलर्स के मुताबिक, 24 कैरेट सोने की कीमत एक ही दिन में 5,734 रुपये बढ़कर 1,64,635 रुपये प्रति 10 ग्राम के ऑल-टाइम हाई पर पहुंच गई. इससे पहले इसका भाव 1,58,901 रुपये था. 22 कैरेट सोना भी महंगा होकर 1,50,806 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया, जो पहले 1,45,553 रुपये था. वहीं 18 कैरेट सोने का दाम बढ़कर 1,23,476 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गया है.

चांदी 13,703 रुपये उछलकर 3,58,267 रुपये प्रति किलो पर पहुंची

चांदी की बात करें तो इसकी कीमत में भी जबरदस्त उछाल आया है. चांदी 13,703 रुपये चढ़कर 3,58,267 रुपये प्रति किलो हो गई, जबकि पहले इसका भाव 3,44,564 रुपये था.

अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भी सोने और चांदी की कीमतों में मजबूती

हाजिर बाजार के साथ-साथ MCX पर भी तेजी का माहौल रहा. सोने का 5 फरवरी 2026 का कॉन्ट्रैक्ट करीब 3.80% बढ़कर 1,63,697 रुपये पर पहुंच गया.

यूजीसी के नए नियमों में संशोधन की मांग को लेकर केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मिला प्रतिनिधिमंडल

इक्विटी प्रमोशन विनियम-2026 संविधान की मूल भावना के विपरीतः कलराज मिश्र

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडा। विश्व ब्राह्मण कल्याण परिषद के एक उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान से भेंट कर विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नवीन इक्विटी प्रमोशन विनियम-2026 पर गंभीर आपत्ति दर्ज कराई और इनमें तत्काल संशोधन की मांग की। प्रतिनिधिमंडल की अगुवाई गौतम बुद्ध नगर के सांसद डॉ. महेश शर्मा ने की।
इस संबंध में परिषद के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व राज्यपाल पंडित कलराज मिश्र ने आयोजित प्रेस वार्ता में कहा कि यूजीसी के नए नियम संविधान की मूल भावना के विपरीत हैं और इससे शिक्षण संस्थानों में समानता तथा सामाजिक समरसता कमजोर होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा का उद्देश्य समाज को जोड़ना है, न कि अविश्वास और विभाजन की भावना पैदा करना।
पंडित कलराज मिश्र ने बताया कि परिषद के कार्यकारी अध्यक्ष डॉ. सतीश शर्मा एवं वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेश तिवारी ने केंद्रीय शिक्षा मंत्री से मुलाकात कर मांग की कि नए विनियमों में संशोधन कर सभी वर्गों को शिकायत का समान अधिकार दिया जाए। साथ ही झूठी और दुर्भावनापूर्ण शिकायत करने वालों के खिलाफ भी सख्त कार्रवाई का प्रावधान किया जाए।

उन्होंने कहा कि वर्ष 2012 में बनाए गए यूजीसी के नियम अधिक संतुलित और निष्पक्ष थे, जिनमें किसी वर्ग को पूर्वाग्रह के आधार पर दोषी नहीं माना जाता था। साथ ही उन्होंने सुप्रीम कोर्ट के वर्ष 2019 के निर्णय का हवाला देते हुए कहा कि न्याय प्रक्रिया निष्पक्षता और प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों पर आधारित होनी चाहिए।

परिषद की प्रमुख मांगें

इक्विटी प्रमोशन विनियम-2026 को तत्काल प्रभाव से वापस लिया जाए
जाति-आधारित एकतरफा दंडात्मक प्रावधान समाप्त हों
सभी वर्गों को शिकायत का समान अधिकार मिले
शिकायत निवारण प्रणाली निष्पक्ष, पारदर्शी और सर्वसमावेशी हो
झूठी शिकायतों पर दंड का स्पष्ट प्रावधान हो
शिकायत निवारण समितियों में सभी वर्गों का प्रतिनिधित्व सुनिश्चित किया जाए वक्तव्य के अंत में पंडित कलराज मिश्र ने कहा कि "न्याय की आड़ में किसी भी वर्ग का दमन स्वीकार्य नहीं है। सरकार को इन विनियमों की शीघ्र समीक्षा कर आवश्यक संशोधन करना चाहिए।"

केंद्रीय मंत्री ने दिया सकारात्मक आश्वासन

वरिष्ठ राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वीरेश तिवारी ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल की बातों को केंद्रीय शिक्षा मंत्री ने गंभीरता से सुना और इस विषय में सकारात्मक आश्वासन दिया।
पंडित कलराज मिश्र ने कहा कि परिषद का उद्देश्य किसी वर्ग विशेष के हित तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे समाज में सामाजिक समरसता को मजबूत करना है। उन्होंने स्पष्ट किया कि संविधान के अनुच्छेद 14, 15 और 21 सभी नागरिकों को समानता, सम्मान और गरिमा का अधिकार देते हैं, जबकि वर्तमान विनियम इन अधिकारों पर प्रतिकूल प्रभाव डालते हैं।

"मायावती ने यूजीसी के नए नियमों पर जताई आपत्ति, जातिवादी विरोध को बताया अनुचित"

समाज जागरण

बहुजन समाज पार्टी की अध्यक्ष मायावती ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के नए नियमों पर अपनी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि उच्च शिक्षा संस्थानों में जातिवादी भेदभाव को रोकने के लिए सरकारी कॉलेज और निजी विश्वविद्यालयों में 'इक्विटी कमेटी' (समता समिति) बनाने के प्रावधानों का विरोध केवल सामान्य वर्ग के जातिवादी मानसिकता वाले लोग कर रहे हैं, जो इसे अपने खिलाफ षडयंत्र मानते हैं, और यह बिल्कुल अनुचित है। मायावती ने यह भी कहा कि यदि इस प्रकार के नियमों को लागू करने से पहले सभी पक्षों को विश्वास में लिया जाता, तो सामाजिक तनाव पैदा नहीं होता। उन्होंने दलित और पिछड़े वर्गों को चेताया कि वे किसी भी भड़काऊ बयान के बहकावे में न आएं, क्योंकि इसके पीछे कुछ स्वार्थी और बिकाऊ नेता राजनीतिक फायदा उठाने की कोशिश करते हैं।

महाराष्ट्र विमान हादसे में दिल्ली के पायलटों की मृत्यु, परिवार में शोक

समाज जागरण

महाराष्ट्र में हुए दुखद विमान हादसे में दिल्ली के पायलट कैप्टन सुमित कपूर और फर्स्ट ऑफिसर शांभवी पाठक की मृत्यु हो गई। यह घटना न केवल उनके परिवार के लिए बल्कि पूरे देश के लिए अत्यंत पीड़ादायक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें और शोक संतप्त परिवारों को इस कठिन समय में संबल दें।

अपने व्यवसाय को दें नई पहचान – समाज जागरण न्यूज पोर्टल के साथ

अब आपकी खबर और विज्ञापन सीधे लाखों पाठकों तक!

समाज जागरण – एक भरोसेमंद, निष्पक्ष और तेजी से उभरता हिंदी न्यूज पोर्टल, जो दिल्ली-एनसीआर, उत्तर प्रदेश, बिहार, मध्य प्रदेश सहित पूरे हिंदी भाषी राज्यों में अपनी सशक्त डिजिटल पहुँच रखता है।

क्यों विज्ञापन दें समाज जागरण पर?

जमीनी और विश्वसनीय पाठक वर्ग
मोबाइल व वेब दोनों प्लेटफॉर्म पर मजबूत उपस्थिति
लोकल से लेकर स्टेट और नेशनल कवरेज
राजनीतिक, सामाजिक, व्यापारिक और संस्थागत प्रचार के लिए उपयुक्त
किफायती दरों में प्रभावी प्रचार

यूजीसी के नये नियमों के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में दस्तक

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग यानी यूजीसी के नए नियमों के खिलाफ बढ़ते विरोध का मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंच गया है। शीर्ष अदालत में एक याचिका दाखिल की गई है, जिसमें इन नियमों को पूरी तरह गलत ठहराते हुए इन्हें रद्द करने की मांग की गई है। याचिकाकर्ताओं का कहना है कि ये नियम सवर्ण छात्रों के साथ खुलेआम भेदभाव कर रहे हैं। उन्होंने सवाल उठाया है कि सामान्य वर्ग के छात्रों को पीड़ित की परिभाषा में क्यों शामिल नहीं किया गया। अगर उनके साथ कोई भेदभाव या दुर्व्यवस्था होती है, तो वे अपनी शिकायत कहां दर्ज कराएंगे। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने 13 जनवरी को उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने वाले ये विनियम 2026 जारी किए थे, जो सभी विश्वविद्यालयों और उच्च शिक्षण संस्थानों पर लागू होंगे। याचिका में विस्तार से बताया गया है कि इन विनियमों के तहत केवल अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और अन्य पिछड़ा वर्ग के छात्रों को ही पीड़ित माना गया है। सामान्य वर्ग के छात्रों को इस श्रेणी से बाहर रखा गया, जिससे उनके अधिकारों का हनन हो रहा है। याचिकाकर्ता वकील ने कहा कि संविधान के समानता के सिद्धांत का उल्लंघन हो रहा है। सभी छात्रों को बराबरी का हक है, चाहे वे किसी भी वर्ग के हों। अगर सामान्य वर्ग का कोई छात्र उत्पीड़न का शिकार होता है, तो उसके पास कोई आधिकारिक मंच नहीं बचता। यह भेदभावपूर्ण व्यवस्था उच्च शिक्षा को कमजोर करेगी।विरोध की लहर तेज हो रही है। छात्र संगठनों ने सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन शुरू कर दिए हैं। दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में छात्रों ने धरना दिया और विनियमों को वापस लेने की मांग की। बनारस हिंदू विश्वविद्यालय के छात्रों ने भी केंद्रीय विश्वविद्यालय में कुलपति को ज्ञापन सौंपा। उनका कहना है कि ये नियम मेरिट को नजरअंदाज कर रहे हैं। सवर्ण छात्र लंबे समय से मेहनत करके प्रवेश पा रहे हैं, लेकिन अब उनके साथ अन्याय हो रहा है। एक छात्र नेता ने कहा कि हमारा संघर्ष तब तक जारी रहेगा जब तक ये विनियम पूरी तरह समाप्त न हो जाएं।

राजनीतिक दलों ने भी इस मुद्दे को हाथोंहाथ लिया है। विपक्षी दल इसे आरक्षण विरोधी बताकर सरकार पर हमलावर हो गए हैं। उनका तर्क है कि ये विनियम सामाजिक न्याय के नाम पर एक वर्ग को दूसरे के ऊपर थोप रहे हैं। सत्ताधारी दल ने हालांकि सफाई दी है कि उद्देश्य समानता बढ़ाना है, लेकिन विपक्ष इसे बहाना बता रहा है। संसद में भी इस पर बहस छिड़ गई है। सांसदों ने कहा कि उच्च शिक्षा में एकता जरूरी है, न कि विभाजन। कई पूर्व कुलपतियों ने भी खुलेआम विरोध जताया है। उनका मानना है कि ये नियम संस्थानों के कामकाज को बाधित करेंगे।विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने इन विनियमों को उच्च शिक्षा में समस्याओं से निपटने के लिए बनाया था। इसमें उत्पीड़न की शिकायतों के निपटारे की प्रक्रिया बताई गई है। लेकिन सामान्य वर्ग को बाहर रखना विवाद का केंद्र बन गया। आयोग का कहना है कि यह अल्पसंख्यक वर्गों की रक्षा के लिए है, लेकिन आलोचक इसे उल्टा भेदभाव बता रहे हैं। कई विश्वविद्यालयों ने पहले ही इनका पालन शुरू कर दिया है, जिससे स्थानीय स्तर पर टकराव बढ़ रहे हैं। छात्रों के बीच तनाव फैल रहा है और कक्षाओं का बहिष्कार होने लगा है।सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका पर सुनवाई जल्द हो सकती है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि ये विनियम संविधान के अनुच्छेद 14 का उल्लंघन करते हैं, जो सभी को समान अधिकार देता है। अदालत अगर हस्तक्षेप करती है, तो पूरे देश में असर पड़ेगा। विशेषज्ञों का कहना है कि यह मामला उच्च शिक्षा नीति पर सवाल खड़ा कर रहा है। आरक्षण के मुद्दे पहले भी अदालत पहुंचे हैं, लेकिन इस बार पीड़ित परिभाषा का सवाल नया है। अगर कोर्ट नियमों को रद्द करता है, तो आयोग को नया ढांचा बनाना पड़ेगा।

विरोध प्रदर्शनों में छात्रों के अलावा अभिभावक भी शामिल हो रहे हैं। वे चिंतित हैं कि उनके बच्चों का भविष्य खतरे में है। एक अभिभावक ने कहा कि मेरी बेटी सामान्य वर्ग से है और उसकी मेहनत बेकार हो जाएगी। कई शहरों में संगठनों ने आंदोलन तेज कर दिए हैं। सोशल मीडिया पर भी अभियान चल रहा है, जहां हजारों लोग अपनी राय दे रहे हैं। लोग साझा कर रहे हैं कि समानता का मतलब सभी को बराबरी देना है, न कि किसी एक को तरजीह।शिक्षा विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि ये विनियम उच्च शिक्षा की गुणवत्ता गिराएंगे। विश्वविद्यालयों में पहले से ही सीटों की कमी है, और अब भेदभाव से माहौल खराब हो रहा है। वे सुझाव दे रहे हैं कि सभी वर्गों के लिए एक समान प्रक्रिया होनी चाहिए। आयोग को जल्द सुधार करना चाहिए, वरना कानूनी लड़ाई लंबी चलेगी। सरकार पर दबाव बढ़ रहा है कि वह हस्तक्षेप करे। शिक्षा मंत्री से भी मांग हो रही है कि स्पष्टीकरण दें।यह विवाद उच्च शिक्षा के भविष्य को प्रभावित कर सकता है। लाखों छात्र दांव पर हैं। अगर सुप्रीम कोर्ट फैसला पक्ष में आया, तो सामान्य वर्ग को राहत मिलेगी। अन्यथा विरोध और तेज होगा। राजनीतिक स्तर पर भी यह चुनावी मुद्दा बन सकता है। उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों में, जहां सवर्ण वोट बैंक मजबूत है, वहां असर दिखेगा। कुल मिलाकर उच्च शिक्षा में समानता का सवाल अब न्यायिक जांच के दौर में है। छात्र समुदाय आशा कर रहा है कि न्याय मिलेगा और भेदभाव समाप्त होगा।

संजय सक्सेना,लखनऊ वरिष्ठ पत्रकार
9454105568, 8299050585

यूजीसी की नई गाइडलाइन: सवर्ण छात्रों को संदेह के कटघरे में खड़ा करती व्यवस्था

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा हाल ही में जारी की गई नई गाइडलाइन ने उच्च शिक्षा संस्थानों में समानता और सुरक्षा के नाम पर एक ऐसी व्यवस्था को जन्म दिया है, जिसने सवर्ण वर्ग के छात्रों को असहज, आशंकित और असुरक्षित बना दिया है। विशेष रूप से वह प्रावधान, जिसमें ओबीसी, अनुसूचित जाति/जनजाति एवं दिव्यांग वर्ग के छात्रों के साथ भेदभाव, मारपीट या जाति आधारित व्यवहार के मामलों में सवर्ण छात्र को सीधे दोषी की श्रेणी में खड़ा कर दिया जाता है, गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

आरोप ही अपराध बनता जा रहा है

यूजीसी की नई गाइडलाइन के अनुसार यदि किसी सवर्ण छात्र पर यह आरोप लगता है कि उसने किसी ओबीसी, अनुसूचित जाति या दिव्यांग छात्र के साथ भेदभाव किया है, तो संस्थान स्तर पर कठोर कार्रवाई का प्रावधान है। समस्या यह नहीं कि भेदभाव के विरुद्ध सख़्ती की जा रही है, समस्या यह है कि यहाँ जांच से पहले ही मानसिक रूप से दोषी मान लेने की प्रवृत्ति दिखाई देती है। यह न्याय के उस मूल सिद्धांत के विपरीत है, जिसमें दोष सिद्ध होने तक व्यक्ति निर्दोष माना जाता है।

क्या सवर्ण होना ही संदिग्ध होना है?

आज का सवर्ण छात्र यह महसूस कर रहा है कि वह किसी भी शैक्षणिक परिसर में कदम रखते ही संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है। एक छोटी-सी बहस, सामान्य विवाद या व्यक्तिगत टकराव भी यदि जाति के चश्मे से देखा गया, तो उसका परिणाम सवर्ण छात्र के लिए निलंबन, एफआईआर या शैक्षणिक भविष्य पर संकट के रूप में सामने आ सकता है। यह स्थिति न केवल अन्यायपूर्ण है, बल्कि भय का वातावरण भी बनाती है।

समान कानून, असमान व्यवहार

यूजीसी की गाइडलाइन में यह स्पष्ट असंतुलन दिखाई देता है कि एक वर्ग को संरक्षण देने के नाम पर दूसरे वर्ग को कठोर निगरानी और दंड के दायरे में डाल दिया गया है। यदि वास्तव में उद्देश्य न्याय है, तो नियम सभी के लिए समान होने चाहिए। केवल सामाजिक पहचान के आधार पर किसी छात्र को संभावित अपराधी मान लेना शिक्षा व्यवस्था की निष्पक्षता पर गंभीर आघात है।

शिक्षा का वातावरण या दमन का मंच?

शैक्षणिक संस्थान संवाद, विचार और सह-अस्तित्व के केंद्र होते हैं, न कि डर और संदेह के। नई गाइडलाइन के बाद सवर्ण छात्रों में यह डर गहराता जा रहा है कि कहीं कोई असत्य या अतिरंजित आरोप उनके पूरे भविष्य को नष्ट न कर दे। यह स्थिति शिक्षा के मूल उद्देश्य–ज्ञान, समरसता और राष्ट्र निर्माण–को कमजोर करती है।

विरोध इसलिए जरूरी है

सवर्ण वर्ग का विरोध किसी भी वंचित या आरक्षित वर्ग के अधिकारों के खिलाफ नहीं है। यह विरोध एकतरफा और असंतुलित नीति के खिलाफ है, जहाँ दंड की तलवार केवल एक वर्ग के सिर पर लटकती दिखाई देती है। यदि भेदभाव होता है, तो उस पर कठोर कार्रवाई होनी ही चाहिए, लेकिन निष्पक्ष जांच और समान न्याय के साथ।

यूजीसी की नई गाइडलाइन में तत्काल पुनर्विचार की आवश्यकता है। शिक्षा व्यवस्था को सामाजिक न्याय का माध्यम बनाते हुए भी न्यायपूर्ण बनाए रखना अनिवार्य है। किसी भी वर्ग–चाहे वह सवर्ण हो या वंचित–को बिना निष्पक्ष प्रक्रिया के दोषी ठहराना लोकतांत्रिक और संवैधानिक मूल्यों के विपरीत है। सवर्ण छात्रों की आशंकाएं वास्तविक हैं, और उन्हें अनदेखा करना भविष्य के लिए घातक सिद्ध हो सकता है।

– डॉ. पंकज भारद्वाज

भारत बन गया दुनिया का डॉक्टर

यह कहना बिल्कुल अतिशयोक्ति नहीं होगी कि भारत आज 'दुनिया के डॉक्टर' के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर चुका है। अपनी उन्नत स्वास्थ्य सेवाओं, किफायती दवाओं और वैश्विक संकटों में अपनी अग्रणी भूमिका के कारण भारत ने मानवता की सेवा में एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है।वैसे भी प्राचीन काल से ही भारत 'आयुर्वेद' और 'सुश्रुत' की विरासत के माध्यम से चिकित्सा जगत का मार्गदर्शक रहा है। लेकिन आधुनिक युग में, भारत ने तकनीकी प्रगति और दुनिया के स्वास्थ्य मानचित्र पर अपनी एक अनिवार्य जगह बना ली है।

बीते कुछ दशकों में वैश्विक परिदृश्य पर भारत की छवि न केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था के रूप में सुदृढ़ हुई है, बल्कि स्वास्थ्य सेवा के क्षेत्र में भी देश ने 'दुनिया के डॉक्टर' का गौरवपूर्ण सम्मान प्राप्त किया है। यह बदलाव रातों-रात नहीं आया, बल्कि इसके पीछे भारत की विशाल दवा निर्माण क्षमता, अनुभवी डॉक्टरों की फौज और प्राचीन चिकित्सा पद्धतियों का आधुनिक विज्ञान के साथ सटीक तालमेल है।

आज जब हम वैश्विक स्तर पर जेनेरिक दवाओं की बात करते हैं, तो भारत का नाम सबसे ऊपर आता है क्योंकि दुनिया भर में टीकों की कुल मांग का लगभग साठ प्रतिशत हिस्सा भारत ही पूरा करता है। किफायती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं के मामले में भारत ने विकसित देशों के एकाधिकार को चुनौती दी है, जिससे अफ्रीका और लैटिन अमेरिका जैसे गरीब देशों के आम नागरिकों तक जीवन रक्षक दवाएं पहुँचना संभव हो पाया है। विशेष रूप से एचआईवी, कैंसर और मधुमेह जैसी बीमारियों की सस्ती दवाएं उपलब्ध कराकर भारत ने मानवताके प्रति अपनी अटूट प्रतिबद्धता को सिद्ध किया है।

कोरोना महामारी के उस भयावह काल ने भारत की इस 'डॉक्टर' वाली भूमिका को पूरी दुनिया के सामने अत्यंत स्पष्टता से रखा। जब वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य प्रणालियाँ चरमरा रही थीं और विकसित राष्ट्र अपने संसाधनों को सुरक्षित करने में लगे थे, तब भारत ने 'वैक्सीन मैत्री' की पहल के साथ सौ से अधिक देशों को करोड़ों टीके और आवश्यक दवाएं पहुँचाकर एक सच्चे अभिभावक की भूमिका निभाई।हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन जैसी दवाओं की वैश्विक मांग को पूरा करने से लेकर खुद का स्वदेशी टीका विकसित करने तक, भारत ने यह दिखा दिया कि उसकी वैज्ञानिक प्रगति केवल मुनाफे के लिए नहीं बल्कि 'लोक कल्याण' के लिए समर्पित है। आज भारत का चिकित्सा पर्यटन भी एक नए शिखर पर है। दुनिया के कोने-कोने से मरीज हार्ट सर्जरी, नी-रिप्लेसमेंट और ऑन्कोलॉजी जैसे जटिल इलाजों के लिए भारत का रुख कर रहे हैं, क्योंकि यहाँ पश्चिमी देशों की तुलना में केवल दसवें हिस्से की लागत पर विश्वस्तरीय उपचार मिलता है। भारत के पास न केवल जेसीआई प्रमाणित अस्पताल हैं, बल्कि ऐसे विशेषज्ञ डॉक्टर भी हैं जिनकी काबिलियत का लोहा पूरी दुनिया मानती है।

डिजिटल क्रांति ने भारत की इस ताकत को और अधिक धार दी है। कोविन जैसा विशाल डिजिटल प्लेटफॉर्म हो या फिर ई-संजीवनी के माध्यम से घर-घर पहुँचने वाली टेलीमेडिसिन सेवा, भारत ने दिखाया है कि कैसे तकनीक का उपयोग करके स्वास्थ्य सेवाओं का लोकतंत्रीकरण किया जा सकता है। इसके साथ ही, भारत ने योग और आयुर्वेद के माध्यम से 'प्रिवेंटिव हेल्थकेयर' यानी बीमारी से पहले बचाव का जो मंत्र दुनिया को दिया है, उसने पश्चिमी जगत की जीवनशैली को भी प्रभावित किया है। आज दुनिया केवल बीमारी के इलाज के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए भारत की ओर देख रही है। आयुष मंत्रालय के माध्यम से पारंपरिक ज्ञान को वैज्ञानिक आधार प्रदान करने की दिशा में जो काम हुआ है, उसने भारत को एक संपूर्ण स्वास्थ्य केंद्र बना दिया है। भारतका 'दुनिया का डॉक्टर' बनना महज एक नारा नहीं है, बल्कि यह देश के नवाचार, साहस और 'वसुधैव कुटुंबकम' की उस प्राचीन भावना का प्रमाण है जो पूरे विश्व को एक परिवार मानकर उसके स्वस्थ रहने की मंगलकामना करती है।

आज भारत दुनिया में जेनेरिक दवाओं का सबसे बड़ा प्रदाता है। दुनिया भर में टीकों की कुल मांग का लगभग 60% भारत द्वारा पूरा किया जाता है। अफ्रीकी और लैटिन अमेरिकी देशों में एचआईवी/एड्स जैसी गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए भारत ने बेहद कम कीमत पर दवाएं उपलब्ध कराकर लाखों लोगों की जान बचाई है। विकसित देशों की तुलना में भारत में निर्मित दवाएं 30% से 50% तक सस्ती होती हैं, जो वैश्विक स्वास्थ्य असमानता को कम करने में मदद करती हैं। पांच वर्ष पूर्व कोविड-19 महामारी के दौरान भारत की भूमिका ने पूरी दुनिया को 'वसुधैव कुटुंबकम' का अर्थ समझाया।जब दुनिया के बड़े देश दवाओं के संरक्षण में लगे थे, तब भारत ने 'वैक्सीन मैत्री' पहल के तहत सौ से अधिक देशों को करोड़ों टीके भेजे। हाइड्रॉक्सीक्लोरोक्वीन और पेरासिटामोल जैसी आवश्यक दवाओं की आपूर्ति सुनिश्चित करके भारत ने एक जिम्मेदार वैश्विक शक्ति के रूप में कार्य किया।

इन प्रमुख देशों को होती है दवाओं की आपूर्ति

भारत के फार्मा उद्योगों की दवाएं अमेरिका, इंग्लैंड, रूस, यूक्रेन, जर्मनी, फ्रांस, स्पेन, इटली आदि देशों में निर्यात की जाती हैं। कुछ अफ्रीकी, दक्षिण-पूर्व एशियाई और मध्य-पूर्व के देशों में भी दवाओं की आपूर्ति की जाती है।

भारत के प्रमुख फार्मा उद्योग

सन फार्मास्युटिकल इंडस्ट्रीज लिमिटेड, डा. रेड्डीज लैबोरेट्रीज लिमिटेड, सिप्ला लिमिटेड, जायडस लाइफ साइंसेज, लूपिन लिमिटेड, इटास फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, बायोकान लिमिटेड, एबाट हेल्थकेयर प्राइवेट लिमिटेड, ग्लेनमार्क फार्मा लिमिटेड, अल्केम लैबोरेट्रीज लिमिटेड, एलेम्बिक फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड, अरिस्टो फार्मास्युटिकल्स प्राइवेट लिमिटेड, टोरेंट फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड व मैक्लियोड्स फार्मास्युटिकल्स लिमिटेड जैसे उद्योग यहां दवा उत्पादन कर रहे हैं।

कच्चे माल का भी भारत बड़ा वैश्विक केंद्र बन रहा

केंद्र और राज्य सरकारें दवा उद्योग को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में खूब प्रयास कर रही हैं। यही वजह है कि कच्चे माल के क्षेत्र में आत्मनिर्भरता की दिशा में भी ठोस प्रयास हो रहे हैं। चीन पर निर्भरता घटाने के लिए बल्क ड्रग पार्क की स्थापना और नीति समर्थन यह संकेत दे रहे हैं कि आने वाले वर्षों में भारत न केवल दवाओं का, बल्कि उनके कच्चे माल का भी बड़ा वैश्विक केंद्र बनेगा। आज भले ही हिमाचल प्रदेश में दवा उत्पादन का मात्र दो प्रतिशत कच्चा माल उपलब्ध हो, लेकिन अगले पांच वर्षों में देश में 60 प्रतिशत से अधिक कच्चा माल स्वदेशी होने की उम्मीद भारत के स्वास्थ्य भविष्य को और सुदृढ़ बनाती है।

भारत की उपलब्धि इसलिए भी गौरवपूर्ण है, क्योंकि यहां बनी दवाएं विकासशील ही नहीं, बल्कि विकसित देशों के स्वास्थ्य तंत्र का भी भरोसा हैं। सस्ती, प्रभावी और अंतरराष्ट्रीय मानकों पर खरी उतरने वाली भारतीय दवाओं ने यह सिद्ध किया है कि भारत केवल उपभोक्ता नहीं, बल्कि वैश्विक स्वास्थ्य का संरक्षक है। जीएसटी लागू होने के बाद कर छूट समाप्त होने से कुछ वर्षों में बुनियादी ढांचे, बिजली, परिवहन, औद्योगिक शेड, तकनीकी स्टाफ और लेबर की उपलब्धता में उल्लेखनीय सुधार हुआ है। इनसे दवा उत्पादन आसान हुआ है और हिमाचल प्रदेश के साथ भारत तेजी से आत्मनिर्भरता की ओर बढ़ रहा है।

आज भारत विश्व स्तर पर चिकित्सा पर्यटन के लिए सबसे पसंदीदा स्थलों में से एक है। इसके पीछे मुख्य कारण निम्नलिखित हैं:उच्च गुणवत्ता वाले अस्पताल: भारत में जेसीआई और एनएबीएच प्रमाणित अस्पतालों की भरमार है। लागत में भारी अंतर: अमेरिका या यूरोप में होने वाले ऑपरेशनों (जैसे हार्ट बाईपास या नी रिप्लेसमेंट) की तुलना में भारत में इनका खर्च लगभग 1/10वां हिस्सा होता है।विशेषज्ञता: भारतीय डॉक्टरों की कुशलता को पूरी दुनिया में मान्यता प्राप्त है। भारत ने स्वास्थ्य सेवाओं में तकनीक का उपयोग कर एक नया बेंचमार्क स्थापित किया है। को- विन प्लेटफॉर्म: भारत के डिजिटल टीकाकरण अभियान ने दुनिया को दिखाया कि बड़े पैमाने पर स्वास्थ्य डेटा का प्रबंधन कैसे किया जाता है।टेलीमेडिसिन: 'ई-संजीवनी' जैसे पोर्टल्स के माध्यम से दूर-दराज के इलाकों तक विशेषज्ञ सलाह पहुँचाने के मॉडल को अब दुनिया अपना रही है।भारत केवल एलोपैथी तक सीमित नहीं है। भारत ने आयुष मंत्रालय के माध्यम से योग और आयुर्वेद को वैश्विक मंच पर पुनर्जीवित किया है। आज दुनिया 'प्रिवेंटिव हेल्थकेयर' के लिए भारत की ओर देख रही है।

भारत का 'दुनिया का डॉक्टर' बनना केवल आर्थिक लाभ का विषय नहीं है, बल्कि यह सेवा और करुणा की भावना से प्रेरित है। अपनी वैज्ञानिक क्षमता और नैतिक जिम्मेदारी के बल पर भारत ने सिद्ध किया है कि वह न केवल अपने 140 करोड़ नागरिकों की रक्षा करने में सक्षम है, बल्कि पूरी मानवता के स्वास्थ्य की सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है।

"सर्वे सन्तु निरामयाः" (सभी रोगमुक्त रहें) - यही भारत का वैश्विक संदेश है।।

- सुरेश सिंह बैस "शाश्वत"

यु जी सी 2026 : संवैधानिक दृष्टि, शिक्षा की आत्मा और राष्ट्र की एकता पर प्रश्न -श्रीजी रमण योगी महाराज (साइंटिस्ट बाबा)

भारत का संविधान केवल शासन की संरचना नहीं है, बल्कि वह राष्ट्र की आत्मा, संतुलन और सामाजिक विवेक का दस्तावेज है। शिक्षा से जुड़े किसी भी कानून को परखते समय यह आवश्यक है कि उसे संवैधानिक मूल्यों–समानता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुत्व–की कसौटी पर रखा जाए। प्रस्तावित यु जी सी 2026 इसी कसौटी पर गंभीर प्रश्न खड़े करता है।

1. अनुच्छेद 14 : समानता का सिद्धांत और चयनात्मक न्याय

अनुच्छेद 14 सभी नागरिकों को कानून के समक्ष समानता और कानून का समान संरक्षण प्रदान करता है।यु सी जी 2026 की संरचना यह आभास देती है कि कुछ वर्गों को पूर्वधारणा के आधार पर संरक्षित और कुछ को स्वतः संदिग्ध मान लिया गया है। यह दृष्टिकोण समानता नहीं,बल्कि चयनात्मक न्याय को जन्म देता है।

संविधान समान अवसर की बात करता है,न किएक वर्ग को स्थायी पीड़ित और दूसरे को स्थायी अपराधी घोषित करने की।

2. अनुच्छेद 15 और 16 -: सकारात्मक भेदभाव बनाम नकारात्मक बहिष्कार

संविधान सामाजिक पिछड़ेपन को ध्यान में रखते हुए सकारात्मक भेदभाव की अनुमति देता है,
परंतु इसका उद्देश्य संतुलन स्थापित करना है, न कि किसी अन्य वर्ग को नीतिगत रूप से हाशिए पर धकेलना।
यदि किसी कानून का प्रभाव यह हो कि विशेषकर सवर्ण समाज को संस्थागत रूप से तिरस्कृत किया जाए,
तो यह सामाजिक न्याय नहीं बल्कि नया भेदभाव बन जाता है–जो संविधान की भावना के विरुद्ध है।

3. अनुच्छेद 19(1)(a) : अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और विश्वविद्यालयों की भूमिका

कॉलेज और विश्वविद्यालय किसी भी राष्ट्र की बौद्धिक प्रयोगशालाएँ होते हैं। अनुच्छेद 19(1)(a) द्वारा प्रदत्त फ्रीडम ऑफ स्पीच एण्ड एक्सप्रेस न

यहीं सबसे पहले साँस लेती है।

यु जी सी 2026 के माध्यम से यदि संस्थानों पर प्रशासनिक नियंत्रण, वैचारिक निगरानी या
डर का वातावरण निर्मित होता है,
तो यह केवल शिक्षा पर नहीं,
बल्कि लोकतंत्र की जड़ों पर प्रहार है।

4. अनुच्छेद 21 : शिक्षा, गरिमा और बौद्धिक स्वतंत्रता -

न्यायपालिका ने अनुच्छेद 21 की व्याख्या करते हुए
शिक्षा को गरिमामय जीवन का अभिन्न अंग माना है।
शिक्षा केवल डिग्री नहीं,
बल्कि सोचने, प्रश्न करने और असहमति जताने की क्षमता है।
यदि शिक्षा कोजातिगत चश्मे से देखा जाएगा,तो वह नागरिक नहीं,
केवल वर्ग-विशेष के प्रतिनिधि तैयार करेगी -जो राष्ट्र के लिए घातक है।

5.राष्ट्र निर्माण बनाम रंगों की राजनीति -चुनावी लाभ के लिए कभी ग्रीन, कभी ब्लू जैसे प्रतीकों का प्रयोग
संवैधानिक राष्ट्रवाद को कमजोर करता है।वन नेशन का सिद्धांत
रंगों और वर्गों में बाँटकर नहीं,
बल्कि साझा उत्तरदायित्व से साकार होता है।राष्ट्र पुरानी गलतियों को सुधारता है,उन्हें बार-बार उकेरकर नई पीढ़ी को स्थायी विभाजन का बोझ नहीं सौंपता।

6. सबसे बड़ा भ्रम : लाभ का मुगालता -
कुछ वर्ग यह मान बैठे हैं कि यु जी सी 2026 से उन्हें लाभ होगा।यह एक खतरनाक भ्रम है।
इतिहास साक्षी है–जब शिक्षा संस्थानों की स्वायत्तता और संतुलन टूटता है,तो अंततः सभी वर्ग नुकसान उठाते हैं।आज जो इसे अवसर समझ रहे हैं,कल वही इसकी कीमत चुकाएँगे।

निष्कर्ष : यह शिक्षा का नहीं, राष्ट्र की दिशा का प्रश्न है
राष्ट्र निर्माण में कोई वर्ग छोटा या बड़ा नहीं होता।संविधान सभी को
समान भागीदार मानता है।
यदि कोई कानून किसी एक समाज को तिरस्कृत करता है,या वर्गीय विभाजन को संस्थागत करता है ,तो वह राष्ट्र को जोड़ने का नहीं,तोड़ने का माध्यम बन जाता है।
यु जी सी 2026 को केवल नीति नहीं,संवैधानिक विवेक के स्तर पर पुनः विचार की आवश्यकता है।
यह समय चुप रहने का नहीं,
संविधान के पक्ष में खड़े होने का है।

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

ग्रेटर नोएडा में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तेजी से कार्रवाई, भेड़ों की मौत के मामले में दोषी इकाई पर शिकंजा

समाज जागरण

गौतमबुद्धनगर, 24 जनवरी 2026: ग्रेटर नोएडा में प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की सक्रियता और तत्पर कार्रवाई के परिणामस्वरूप 25 भेड़ों की मौत के मामले में तुरंत जांच और सुधारात्मक कदम उठाए गए हैं। क्षेत्रीय प्रबंधक विकास मिश्रा ने जानकारी दी कि दोषी इकाई का निरीक्षण दिनांक 20 जनवरी 2026 को किया गया। निरीक्षण के दौरान, अवैध रूप से डी.जी. सेट और गाड़ियों के स्क्रैप फिल्टर्स से मेटल रिकवरी का कार्य करते हुए एसिड का प्रयोग करने वाली इकाई पाई गई। स्थानीय ग्रामीणों के मुताबिक, भेड़ें इकाई परिसर के समीप पानी पीकर बीमार हुई थीं।

निरीक्षण के समय गढ्ढे को मिट्टी से भर दिया गया था ताकि आगे की कोई अनहोनी न हो। उत्प्रवाह का नमूना क्षेत्रीय प्रयोगशाला, नोएडा में भेजा गया और उसका विश्लेषण जारी है। कमियों के दृष्टिगत अवैध इकाई का विद्युत विच्छेदन भी कर दिया गया है। साथ ही, इकाई के संचालक नीरज गोयल ने शपथ पत्र के माध्यम से जानकारी दी कि वे दिनांक 25 जनवरी 2026 तक परिसर खाली कर देंगे। इस प्रकार, ग्रेटर नोएडा प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की तत्पर कार्रवाई से न केवल पर्यावरण संरक्षण सुनिश्चित हुआ बल्कि पशुधन की सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई।

थाना सूरजपुर पुलिस द्वारा घरो से चोरी करने वाला 01 अभियुक्त गिरफ्तार।

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडाः थाना सूरजपुर पुलिस द्वारा मलकपुर गोलचक्कर के पास से अभियुक्त सचिन पुत्र साहब सिंह को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त सचिन उपरोक्त के द्वारा दिनांक 19.01.2026 को मलकपुर में तीन घरो से क्रमशः 01 लैपटाप , 01 मोबाईल फोन व दूसरे घर से 01 टैबलेट व अन्य दो घरो से 02 मोबाईल फोन सैमंसग कम्पनी के चोरी किये गये थे, जिसके सम्बन्ध में शिकायतकर्ता की तहरीर के आधार पर धारा 305 बीएनएस मैं मुकदमा पंजीकृत किया गया है

गिरफ्तार अभियुक्त सचिन पुत्र साहब सिंह नि0 ग्राम मसौता थाना सिकन्दराबाद जनपद बुलन्दशहर का रहने वाला है और अभियुक्त की उम्र 34 वर्ष बताई जा रही है अभियुक्त बहुत ही शातिर किस्म का अपराधी है पहले भी इसके ऊपर विभिन्न थाना क्षेत्र में मुकदमा पंजीकृत है पुलिस का अभियुक्त गिरफ्तार कर उपयुक्त धारों में मुकदमा पंजीकृत कर लिया है और अभी उसके पास से लैपटॉप अवैध चाकू मोबाइल फोन टैबलेट इत्यादि अपने कब्जे में ले लिए हैं

आत्महत्या के दुष्प्रेरण में वांछित दो अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडा। थाना नॉलेज पार्क पुलिस ने आत्महत्या के दुष्प्रेरण के मामले में वांछित चल रहे दो अभियुक्तों को गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस ने लोकल इंटेलिजेंस एवं गोपनीय सूचना के आधार पर अभियुक्त सुधांशु उर्फ शेखर और रोहित भाटी को आईआईएमटी तिराहा, नॉलेज पार्क क्षेत्र से गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, दिनांक 23/24 जनवरी 2026 की रात्रि को नॉलेज पार्क-3 स्थित एक हॉस्टल में बीटेक द्वितीय वर्ष के छात्र उदित सोनी (निवासी भोगनीपुर, जनपद झांसी) द्वारा आत्महत्या किए जाने के मामले में आत्महत्या के दुष्प्रेरण का अभियोग पंजीकृत किया गया था। उक्त प्रकरण में हॉस्टल वार्डन समेत

कुल चार अभियुक्त वांछित चल रहे थे। इससे पूर्व पुलिस ने दिनांक 25 जनवरी 2026 को मामले में शामिल अन्य दो अभियुक्तों सत्यनारायण पाण्डेय एवं धर्म सिंह सिकरवार को गिरफ्तार किया था। शेष वांछित अभियुक्तों की तलाश के दौरान पुलिस ने दोनों को गिरफ्तार किया। गिरफ्तार अभियुक्त सुधांशु उर्फ शेखर (उम्र लगभग 35 वर्ष) मूल रूप से जनपद बक्सर, बिहार का निवासी है तथा वर्तमान में जैड बॉयज हॉस्टल, नॉलेज पार्क-3 में रह रहा था। वहीं रोहित भाटी (उम्र लगभग 35 वर्ष) थाना दादरी क्षेत्र, गौतमबुद्धनगर का निवासी है और वह भी उसी हॉस्टल में रह रहा था। पुलिस ने दोनों अभियुक्तों के विरुद्ध धारा 191(2), 115(2), 108 बीएनएस के तहत मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है। आगे की विवेचना जारी है।

अवैध गांजा बिक्री करने वाला अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडा। थाना दादरी पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की बिक्री के खिलाफ कार्रवाई करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने कस्बा दादरी क्षेत्र से प्रशान्त पुत्र विनोद को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से 01 किलो 100 ग्राम अवैध गांजा बरामद किया है। पुलिस के अनुसार, बरामदगी के आधार पर अभियुक्त के विरुद्ध धारा 8/20 एनडीपीएस एक्ट के तहत थाना दादरी में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक विधिक कार्रवाई शुरू कर दी गई है।

गिरफ्तार अभियुक्त प्रशान्त (उम्र लगभग 23 वर्ष) मोहल्ला ब्रह्मपुरी, थाना दादरी, जनपद गौतमबुद्धनगर का निवासी है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार अभियुक्त का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट एवं आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस ने बरामद गांजा अपने कब्जे में लेकर आगे की जांच एवं कार्रवाई प्रारंभ कर दी है।

दुकान से तांबे का तार चोरी करने वाले दो अभियुक्त गिरफ्तार

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडा। थाना दनकौर पुलिस ने चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए दुकान से तांबे का तार चोरी करने वाले दो अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने संदीप उर्फ चौनी पुत्र कुवरपाल एवं अजय उर्फ ज्ञानेन्द्र उर्फ भोलू पुत्र रमेश सिंह को बिजली घर तिराहे के पास से गिरफ्तार किया।

पुलिस के अनुसार, दिनांक 11/12 जनवरी 2026 की रात्रि में अभियुक्तों ने एक दुकान की खिड़की तोड़कर तांबे का तार चोरी किया था। गिरफ्तार अभियुक्तों के कब्जे से 07 किलो 600 ग्राम चोरी किया गया तांबे का तार, घटना में प्रयुक्त मोटरसाइकिल, एक अवैध चाकू तथा 8,300 रुपये नकद (चोरी का

माल बेचकर प्राप्त) बरामद किए गए हैं।

गिरफ्तार अभियुक्त संदीप उर्फ चौनी (उम्र लगभग 26 वर्ष) ग्राम दादूपुर, थाना दनकौर, गौतमबुद्धनगर का निवासी है, जो वर्तमान में अकबरपुर, थाना कोतवाली देहात, बुलंदशहर में रह रहा था। वहीं दूसरा अभियुक्त अजय उर्फ ज्ञानेन्द्र उर्फ भोलू (उम्र लगभग 22 वर्ष) मोहल्ला प्रेमपुरी, कस्बा व थाना दनकौर, गौतमबुद्धनगर का निवासी है। पुलिस के अनुसार दोनों अभियुक्त शातिर किस्म के अपराधी हैं और इनके विरुद्ध पूर्व में भी कई आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने दोनों के खिलाफ कड़ी धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आगे की विधिक कार्रवाई शुरू कर दी है।

केंद्रीय सशस्त्र बलों में चयनित युवाओं की सफलता पर गर्व

सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल सहित अन्य सुरक्षा बलों में चयन, मेहनत और अनुशासन का परिणाम

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडा। कर्मचारी चयन आयोग की सामान्य ड्यूटी परीक्षा सहित सीमा सुरक्षा बल, केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, भारत-तिब्बत सीमा पुलिस, असम राइफल्स एवं सशस्त्र सीमा बल जैसी प्रतिष्ठित केंद्रीय सशस्त्र सुरक्षा सेवाओं में चयनित हुए युवाओं की सफलता पूरे देश और प्रदेश के लिए गर्व का विषय है। इन होनहार युवाओं ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और दृढ़ संकल्प के बल पर यह उपलब्धि हासिल की है।

इस अवसर पर जेवर विधायक श्री धीरेंद्र सिंह ने चयनित अभ्यर्थियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि ह्लरोजगार विथ अंकित जैसे प्रशिक्षण

मंच आज युवाओं के सपनों को साकार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और मार्गदर्शन के माध्यम से युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने का कार्य सराहनीय है।"

उन्होंने कहा कि "रोजगार विथ अंकित और उनकी पूरी टीम के प्रयास न केवल युवाओं का आत्मविश्वास बढ़ाते हैं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा एवं सेवा के लिए एक सशक्त, अनुशासित और सक्षम पीढ़ी के निर्माण में भी महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।" विधायक धीरेंद्र सिंह ने सभी चयनित युवाओं के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए कहा कि ह्लऐसे युवा ही देश की वास्तविक शक्ति हैं और आने वाले समय में राष्ट्र सेवा में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।"

(GlobalLogic) ने शुरू किया 'डिजी-विद्याशाला कार्यक्रम

1,400 से अधिक छात्रों की बुनियादी शिक्षा को मिलेगी डिजिटल मजबूती.

समाज जागरण

संदीप गर्ग / ग्रेटर नॉएडा : 28 जनवरी 2026: डिजिटल उत्पाद इंजीनियरिंग क्षेत्र की अग्रणी कंपनी और हिताची समूह की इकाई ग्लोबललॉजिक ने स्कूली शिक्षा को सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए 'डिजी विद्या शाला-कार्यक्रम की शुरूआत की है। जिसके अंतर्गत आज कंपनी ने उत्तर प्रदेश के ग्रेटर नॉएडा स्थित अपर प्राइमरी स्कूल, तुगलपुर में एक डिजिटल विद्या शाला का उद्घाटन किया गया। इस पहल का उद्देश्य कक्षा 4 से 8 तक के छात्रों की पठन-लेखन और गणितीय समझ (Foundational Literacy & Numeracy) को मजबूत करना है, ताकि बच्चे प्रारंभिक शिक्षा की मजबूत नींव के साथ आगे बढ़ सकें। कार्यक्रम के शुभारंभ अवसर ग्लोबललॉजिक (GlobalLogic) के वरिष्ठ अधिकारी, शिक्षा क्षेत्र से जुड़े प्रतिनिधि एवं अन्य गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

छह स्कूलों में लागू, 1,440 से अधिक छात्र लाभान्वित 'डिजी विद्या-शाला'कार्यक्रम को चरणबद्ध तरीके से छह सरकारी स्कूलों में लागू किया गया है, जिसमें नोएडा के तीन और हैदराबाद के तीन स्कूल शामिल हैं। जो क्रमशः गौतम बुद्ध नगर से 730 एवं हैदराबाद 714 जो कुल 1,440 से अधिक छात्र इस डिजिटल शिक्षा पहल से प्रत्यक्ष रूप से लाभान्वित हो रहे हैं।

तकनीक आधारित व्यक्तिगत सीखने पर आधारित यह कार्यक्रम प्रथम इन्फोटेक फाउंडेशन और एजुकेशनल इनिशिएटिव्स के सहयोग से संचालित किया जा रहा है। इसमें Mindspark नामक पर्सनलाइज्ड एडैप्टिव लर्निंग प्लेटफॉर्म का उपयोग किया जा रहा है, जो प्रत्येक छात्र की सीखने की क्षमता के अनुसार अध्ययन सामग्री उपलब्ध कराता है। इसके माध्यम से हिंदी, अंग्रेजी और गणित विषयों में

बच्चों को व्यक्तिगत सुधारात्मक सहायता मिलती है, जिससे सीखने की गति तेज होती है और आत्मविश्वास बढ़ता है।

इस अवसर पर जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी ने अपने सन्देश में कहा राहुल पंवार ने कहा "ग्लोबललॉजिक के उरफ अंतर्गत संचालित यह कार्यक्रम बीते एक वर्ष से हमारे सरकारी स्कूलों में प्रभावी रूप से चल रहा है। कंप्यूटर आधारित सीखने से छात्रों की बुनियादी समझ बेहतर हुई है और परीक्षा की तैयारी में भी उन्हें लाभ मिला है।"ग्लोबललॉजिक की उरफ प्रमुख मोनिका वालिया ने बताया कि कंपनी का लक्ष्य हर बच्चे को समान सीखने का अवसर देना है। हमारी यह शिक्षा आधारित उरफ पहलें देशभर में अब तक 11,000 से अधिक छात्रों को लाभ पहुँचा चुकी हैं। डिजी विद्या शाला इस दिशा में हमारा प्रमुख कार्यक्रम है।"

तकनीक को समावेशी शिक्षा का माध्यम बनाने की पहल के सूत्रधार ग्लोबललॉजिक के ग्रुप वाइस प्रेसिडेंट एवं APAC प्रमुख पियूष झा ने कहा डिजिटल और व्यक्तिगत सीखने को कक्षा तक पहुँचाकर हम शिक्षा में वास्तविक बदलाव लाने का प्रयास कर रहे हैं। 'डिजी विद्या शाला' केवल तकनीक नहीं, बल्कि बच्चों के आत्मविश्वास और भविष्य की तैयारी का माध्यम है।"

एजुकेशनल इनिशिएटिव्स के सह-संस्थापक श्रीधर राजगोपालन और प्रथम इन्फोटेक फाउंडेशन के उएड प्रेम यादव ने इस साझेदारी को सीखने की खाई को पाटने वाली प्रभावी पहल बताया, जो छात्रों को उनकी गति से सीखने में मदद करती है। 'डिजी विद्या शाला' कार्यक्रम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (NEP 2020) के अनुरूप बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक ज्ञान को सुदृढ़ करता है और डिजिटल माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को नई दिशा देता है।

आईएमएस-डीआईए में पर्यावरण संकल्प यात्रा का आयोजन वृक्षारोपण कर कार्यक्रम का शुभारंभ.

समाज जागरण

संदीप गर्ग / नोएडा : आईएमएस-डीआईए में पर्यावरण जागरूकता कार्यक्रम पर्यावरण संकल्प यात्रा का भव्य आयोजन किया गया। इस अवसर पर पर्यावरणविदों, सामाजिक संगठनों, युवाओं एवं नागरिकों की सक्रिय सहभागिता देखने को मिली। कार्यक्रम के दौरान युवाओं ने सतत एवं जिम्मेदार जीवनशैली को अपनाने का सामूहिक संकल्प लिया। कार्यक्रम की शुरूआत करते हुए प्रसिद्ध पर्यावरणविद्, सामाजिक नवप्रवर्तक, ट्री मैन एवं गिफ्ट ए ट्री नेटवर्क के चेयरपर्सन डॉ. दीपक रमेश गौड़ ने पर्यावरण संकल्प यात्रा की परिकल्पना, उद्देश्य और दीर्घकालिक दृष्टि को साझा किया। उन्होंने कहा कि आज पर्यावरण संरक्षण केवल एक अभियान नहीं, बल्कि जन-भागीदारी से जुड़ी एक सामूहिक चेतना है। समुदाय आधारित प्रयासों

और दीर्घकालिक पारिस्थितिक जिम्मेदारी पर बल देते हुए उन्होंने इसे भविष्य की पीढ़ियों के प्रति हमारा नैतिक दायित्व बताया। कार्यक्रम के दौरान डॉ. गौड़ ने सहस्त्रधारा ज्ञान फाउंडेशन का प्रतिनिधि दीपक वर्मा को प्रतीकात्मक बैटन देकर पर्यावरण संकल्प यात्रा को नोएडा से देहरादून तक आगे ले जाने की जिम्मेदारी सौंपी।

सहस्त्रधारा ज्ञान फाउंडेशन के प्रतिनिधि दीपक वर्मा ने औपचारिक रूप से पर्यावरण संकल्प यात्रा की विस्तृत कार्ययोजना प्रस्तुत की। उन्होंने बताया कि यह यात्रा नोएडा से प्रारंभ होकर गाजियाबाद, मेरठ, सहारनपुर, रुड़की एवं हरिद्वार होते हुए देहरादून में संपन्न होगी। उन्होंने यात्रा के प्रस्तावित कार्यक्रम, प्रमुख पड़ावों, समय-सारणी एवं ठहराव की व्यवस्थाओं की जानकारी देते हुए प्रत्येक चरण में जनभागीदारी, पर्यावरण जागरूकता और सतत जीवनशैली के प्रति साझा जिम्मेदारी पर विशेष जोर दिया।

आईएमएस-डीआईए के वाइस प्रेसिडेंट चिराग गुप्ता ने वृक्षारोपण करते हुए कहा कि शैक्षणिक संस्थानों की भूमिका केवल शिक्षा तक सीमित नहीं है, बल्कि समाज और पर्यावरण के प्रति जिम्मेदार नागरिक तैयार करना भी हमारी प्राथमिक जिम्मेदारी है। पर्यावरण संकल्प यात्रा जैसे प्रयास युवाओं को नेतृत्व, संवेदनशीलता और सतत विकास की दिशा में प्रेरित करते हैं। आईएमएस-डीआईए ऐसे जनहितकारी अभियानों के साथ निरंतर खड़ा रहेगा।

वहीं आईएमएस- डीआईए के डीन डीन प्रो. डॉ. एम.के.वी. नायर ने बताया कि आज के कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण के प्रति सामूहिक सोच को मजबूती प्रदान की और जन-आधारित सहभागिता के माध्यम से प्रकृति संरक्षण के संकल्प को नई दिशा दी।

सेक्टर-39 पुलिस ने अवैध तमंचे के साथ युवक को किया गिरफ्तार

संदीप गर्ग / नोएडा। थाना सेक्टर-39 पुलिस ने अवैध शस्त्र के साथ एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने अभियुक्त अंकुर पुत्र मंगू को थाना क्षेत्र से पकड़ा, जिसके कब्जे से एक अवैध तमंचा .315 बोर तथा एक जिंदा कारतूस बरामद किया गया।

गिरफ्तार अभियुक्त ग्राम हरोला, सेक्टर-05 थाना फेज-1 गौतमबुद्ध नगर का निवासी है। उसकी उम्र 26 वर्ष बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार अभियुक्त का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है और उसके खिलाफ पहले से कई मुकदमे दर्ज हैं।

पुलिस ने अभियुक्त के खिलाफ आर्म्स एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी है।

दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स को 6-3 से हराकर सेमीफाइनल की उम्मीदें बरकरार रखीं

समाज जागरण

नोएडा, 27 जनवरी 2026: दिल्ली दंगल वॉरियर्स ने नोएडा इंडोर स्टेडियम में खेले गए प्रो रेसलिंग लीग (पीडब्ल्यूएल) 2026 के मैच 13 में टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स को 6-3 से हराकर सेमीफाइनल की दौड़ में खुद को बनाए रखा। तुरान बायरामोव, अंजली, अनास्तासिया अल्पयेवा, कार्ला गोदिनेज गोंजालेज, कप्तान सुजीत कलकल और रोनक की जीत की बदौलत दिल्ली ने मुकाबले के दो अंक हासिल किए। इस जीत के साथ दिल्ली के चार मैचों में चार अंक हो गए और वह अंक तालिका में पांचवें स्थान पर पहुंच गई। वहीं टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स के लिए ज्योति सिहाग, मुकुल दहिया और अंतिम बाउट में फॉरफिट से मिली जीत नाकाफी रही और टीम बिना किसी टीम जीत के अपने पीडब्ल्यूएल 2026 अभियान का समापन कर बैठी।

दिल्ली की अनास्तासिया अल्पयेवा को प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया, जबकि टाइगर्स ऑफ मुंबई डैंगल्स की ज्योति सिहाग को मुकाबले में दमदार वापसी के लिए फाइटर ऑफ द मैच अवॉर्ड से नवाजा गया।

दिल्ली ने 74 किग्रा पुरुष वर्ग के मुकाबले से ही मैच पर अपनी पकड़ बना ली, जहां तुरान बायरामोव ने दीपक के खिलाफ कड़े और रणनीतिक मुकाबले में जीत दर्ज की। पहले पीरियड के अंत में एक एक्टिविटी पॉइंट गंवाने के बाद बायरामोव ने दूसरे पीरियड में बेहतर मैट कंट्रोल दिखाया, एक पुश-आउट और एक्टिविटी पॉइंट हासिल किया और पावर मिनट में निर्णायक पुश-आउट के साथ मुकाबला अपने नाम किया। इसके बाद 62 किग्रा महिला वर्ग में अंजली ने आक्रामक प्रदर्शन करते हुए ओल्हा पादोशिक को 19-10 से हराया, जिसमें पावर मिनट के दौरान लगाए गए दो चार अंकों के थ्रो खास रहे।

76 किग्रा महिला वर्ग में अनास्तासिया अल्पयेवा ने ज्योति बेरवाल के खिलाफ तेज और

प्रभावशाली जीत दर्ज कर दिल्ली की बढ़त को और मजबूत किया। बेरवाल के शुरूआती एक्टिविटी पॉइंट के बाद अल्पयेवा ने टेकडाउन और एक्सपोजर हासिल किया और फिर फॉल के जरिए मुकाबला समाप्त कर दिल्ली को 3-0 की बढ़त दिलाई।

इसके बाद 57 किग्रा महिला वर्ग में कार्ला गोदिनेज गोंजालेज ने पुष्पा पर पूरे मुकाबले नियंत्रण बनाए रखा और पावर मिनट में चार अंकों का टेकडाउन लगाते हुए 9झ1 से जीत दर्ज की।

65 किग्रा पुरुष वर्ग में दिल्ली के कप्तान सुजीत कलकल ने अली रहीमजादे के खिलाफ 9-2 से आत्मविश्वास भरी जीत हासिल कर दिल्ली को 5-0 की बढ़त दिलाई। कलकल ने शुरूआती दौर से ही लगातार टेकडाउन और मैट कंट्रोल के दम पर मुकाबले को अपने पक्ष में रखा।

टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स की ओर से वापसी 53 किग्रा महिला वर्ग में ज्योति सिहाग ने दिलाई, जिन्होंने सारिका के खिलाफ दूसरे पीरियड में आक्रामक खेल दिखाते हुए और पावर मिनट में निर्णायक टेकडाउन लगाकर 12-9 से जीत हासिल की। इसके बाद 86 किग्रा पुरुष वर्ग में मुकुल दहिया ने वफाईपुर हादी बख्तियार को 8-5 से हराकर स्कोरलाइन को 5-2 कर दिया।

125 किग्रा हेवीवेट पुरुष वर्ग में दिल्ली के रोनक ने राजत रुहाल के खिलाफ कम स्कोर वाले रणनीतिक मुकाबले में 3-2 से जीत दर्ज कर दिल्ली के लिए मुकाबला सील कर दिया। अंतिम बाउट टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स के नाम फॉरफिट से गया, जिससे मैच का समापन हुआ।

इस जीत के साथ दिल्ली दंगल वॉरियर्स एक मैच शेष रहते हुए सेमीफाइनल की दौड़ में मजबूती से बनी हुई है, जबकि टाइगर्स ऑफ मुंबई दंगल्स बिना खाता खोले पीडब्ल्यूएल 2026 से बाहर हो गई।

पीडब्ल्यूएल 2026 के मैचडे 12 पर कल यूपी डोमिनेटर्स का सामना हरियाणा थंडर्स से होगा। मुकाबले का लाइव प्रसारण रात 8:00 बजे से सोनी स्पोर्ट्स टेन 4 और टेन 5 पर होगा, जबकि लाइव स्ट्रीमिंग सोनी लिव पर उपलब्ध रहेगी।

हैबतपुर के डूब क्षेत्र में ग्रेनो प्राधिकरण ने बुल्डोजर चलाया, 6,000 वर्ग मीटर अतिक्रमण मुक्त

ग्रेटर नोएडाः हैबतपुर के डूब क्षेत्र में अवैध निर्माण को रोकने के लिए ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण ने बुधवार को बुल्डोजर चलाकर लगभग 6,000 वर्ग मीटर अतिक्रमित जमीन को मुक्त कराया। प्राधिकरण की परियोजना एवं भूलेख टीम ने यह कार्रवाई की, क्योंकि कालोनाइजर प्लॉटिंग कर अवैध कॉलोनी बसाने की फिराक में थे। एसीईओ सुमित यादव ने बताया कि हिंडन डूब क्षेत्र में अतिक्रमण रोकने के लिए एनजीटी के आदेशों के अनुसार लगातार कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि

अधिसूचित एरिया में अनुमति या नक्शा पास किए बिना निर्माण करने वालों के खिलाफ कार्रवाई जारी रहेगी। कार्यवाही के दौरान वर्क सर्किल-3 की टीम, प्राधिकरण पुलिस के सहयोग से करीब दो घंटे में अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिया। महाप्रबंधक परियोजना एके सिंह ने बताया कि प्राधिकरण ने पहले भी कई बार अवैध निर्माण को रोकने का प्रयास किया, लेकिन निर्माणकर्ता लगातार नियमों की अवहेलना कर रहे थे।

एसीईओ ने आम नागरिकों से अपील की कि ग्रेटर नोएडा में जमीन खरीदने से पहले भूलेख विभाग से पूरी जानकारी जरूर लें, ताकि अवैध कॉलोनियों में अपनी मेहनत की कमाई फंसे।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंगेल में सभी स्वास्थ्य सेवाएँ जल्द पूर्ण रूप से उपलब्ध

भंगेलः सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंगेल में उठी व्यवस्थाओं से जुड़ी सवालों पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नरेंद्र कुमार ने स्थिति स्पष्ट की। उन्होंने बताया कि केंद्र में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए लगातार कदम उठाए जा रहे हैं और शेष कमियों को भी शीघ्र दूर कर लिया जाएगा।

डॉ. कुमार ने बताया कि नेत्र परीक्षण सेवाओं में अस्थायी बाधा ऑप्टोमेट्रिस्ट एन. के. त्यागी के 31 जुलाई 2025 को सेवानिवृत्त होने के कारण आई थी। उनके स्थान पर नई नियुक्ति के लिए शासन को सूचना भेज दी गई है, और नियुक्ति होते ही सेवाएँ पुनः सुचारु हो जाएँगी।

साथ ही, 12 दिसंबर को एक्स-रे सेवा सुबह 11:30 बजे शुरू हुई क्योंकि तकनीशियन पल्स पोलियो अभियान में तैनात थे। एंटी रेबीज वैक्सीन की सीमित उपलब्धता के चलते मरीजों को जिला अस्पताल रेफर किया गया।

डॉ. कुमार ने बताया कि स्वास्थ्य केंद्र में बिजली के बिखरे तार ठीक कर दिए गए हैं, दो आरओ वाटर प्यूरीफायर में से एक कार्यशील है और दूसरे को जल्द ठीक किया जाएगा। सुरक्षा व्यवस्था में अग्निशामक यंत्र पूरी तरह सुरक्षित है और इसकी वैधता 14 जुलाई 2026 तक है। केंद्र की सफाई व्यवस्था को और बेहतर बनाने के लिए जल्द ही सफाई कर्मी की तैनाती की जाएगी। मुख्य चिकित्सा अधिकारी ने भरोसा दिलाया कि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भंगेल में मरीजों को बेहतर, सुरक्षित और सुचारु स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना विभाग की सर्वोच्च प्राथमिकता है और सभी आवश्यक सुधार समयबद्ध तरीके से पूरे किए जाएंगे।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कासना में स्वास्थ्य सेवाएँ अब पूरी क्षमता के साथ उपलब्ध

ग्रेटर नोएडाः प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कासना पर सभी संबंधित कर्मचारी अब पूर्ण रूप से तैनात हैं और स्वास्थ्य सेवाएँ नियमित रूप से संचालित हो रही हैं। संयुक्त निदेशक ॠक्टर, ग्रेटर नोएडा के अनुसार, माइक्रोबायोलॉजी विभाग में नवस्थापित कल्चर एवं डी.एस.टी. लैब को क्रियाशील करने के लिए प्रयोगशाला तकनीशियन को अस्थायी रूप से तैनात किया गया था। यह तैनाती केवल जनहित में अल्पकालीन और प्रशासनिक आवश्यकता के अनुसार की गई थी। आम नागरिकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए, प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र कासना में नए छळ की व्यवस्था शीघ्र की जा रही है, जिससे जाँच के लिए आने वाले मरीजों को और बेहतर व त्वरित सेवाएँ मिलेंगी।

महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा डीएम जसजीत कौर को राष्ट्रीय पुरस्कार मिलने पर एम आर पाशा ने किया सम्मानित

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर। राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर महामहिम राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू द्वारा राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित होने पर जिलाधिकारी कार्यालय पर राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. आर. पाशा एवं वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद वसीम ने जिलाधिकारी महोदया जसजीत कौर को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

कार्यक्रम के दौरान राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने जिलाधिकारी जसजीत कौर द्वारा मतदाता जागरूकता, लोकतांत्रिक प्रक्रिया को सुदृढ़ करने एवं समावेशी मतदान व्यवस्था के लिए किए गए उत्कृष्ट कार्यों की सराहना की। उन्होंने कहा कि दिव्यांगजनों सहित समाज के प्रत्येक वर्ग को मतदान से जोड़ने में जिलाधिकारी की भूमिका सराहनीय रही है।

जिलाधिकारी महोदया जसजीत कौर ने सम्मान के लिए राष्ट्रीय विकलांग एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष एम. आर. पाशा एवं वाइस प्रेसिडेंट मोहम्मद वसीम का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि लोकतंत्र को मजबूत करने के लिए हर नागरिक की भागीदारी आवश्यक है और प्रशासन सदैव निष्पक्ष व पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया के लिए प्रतिबद्ध रहेगा।

जनप्रतिनिधियों का डिजिटल एवं फाइनेंशियल लिटरेसी विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर कोतवाली। राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के अंतर्गत उपनिदेशक पंचायत मुरादाबाद मंडल मुरादाबाद के मार्गदर्शन एवं निर्देशन में विकासखंड सभागार कोतवाली के ग्राम प्रधान,वार्ड मेंबर एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों का डिजिटल एवं फाइनेंशियल लिटरेसी विषय पर आयोजित दो दिवसीय प्रशिक्षण का समापन किया गया। इस दौरान प्रशिक्षण के दौरान निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को प्रशिक्षक कुलवीर सिंह ने निर्वाचित जनप्रतिनिधियो से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म क्या है? उसका उपयोग कैसे करना है पंचायती राज विभाग के सोशल मीडिया प्लेटफार्म का इस्तेमाल विषय पर चर्चा की। प्रशिक्षक मौहम्मद वसीम द्वारा ऑनलाइन सुरक्षा उसका महत्व,ऑनलाइन होने वाली धोखाधड़ी एवं उनसे बचने की रणनीतियां तथा जीपीडीपी और बजट योजनाओं की जानकारी दी गई। प्रशिक्षक जितेंद्र कुमार,प्रियल ने ई-ग्राम स्वराज, पीएमएस, एसबीएम रेट्रोफिटिंग विषयों पर जानकारी दी प्रशिक्षण में प्रशिक्षक कुलवीर सिंह, जितेंद्र कुमार, मौहम्मद वसीम, प्रियल, प्रीति एवं निर्वाचित प्रतिनिधियों मौजूद रहे।

मकान का ताला तोड़कर सोने चांदी के आभूषण चोरी

समाज जागरण मुस्कान खान

जनपद बिजनौर किरतपुर थाना क्षेत्र के ग्राम भोजपुर में अज्ञात चोरों ने सूने मकान का ताला तोड़कर अलमारी में रखे सोने चांदी के आभूषण सहित लाखों रुपए चोरी कर लिए।पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना क्षेत्र के गांव भोजपुर निवासी रवि पुत्र स्वर्गीय सुखराम सिंह ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि वह अपने परिवार सहित गांव नंगली थाना मंडावर गए थे शाम के समय जब वह घर लौटे तो मुख्य दरवाजे का ताला टूटा हुआ मिला अंदर जाकर देखा तो कमरे में रखी अलमारी का लॉक भी टूटा था। और उसमें नगदी व सोने चांदी के कीमती आभूषण गायब मिले पीड़ित ने अपनी शिकायत मे चोरी होने की बात वही घर में रखी नगदी भी गायब बताई गई।

पुलिस ने प्रथम सूचना के आधार पर मामला दर्ज कर लिया है। थाना पुलिस द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण कर साक्ष्य एकत्र किए जा रहे हैं तथा अज्ञात चोरो की तलाश की जा रही है।

डिप्टी सीएमओ का स्योहारा सीएचसी पर औचक निरीक्षण, 10 मिनट में पहुंची एंबुलेंस, व्यवस्थाएं मिलीं दुरुस्त

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर स्योहारा। उप मुख्य चिकित्सा अधिकारी बिजनौर डॉ. के.के. राहुल ने बुधवार 28 जनवरी 2026 को दोपहर 3 बजे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) स्योहारा व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र सहसपुर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान अस्पताल की व्यवस्थाओं को परखते हुए उन्होंने वार्डों में भर्ती मरीजों से सीधे संवाद कर स्वास्थ्य सुविधाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के समय अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही अपनी ड्यूटी पर तैनात मिले। डिप्टी सीएमओ ने इमरजेंसी, दवा स्टोर, कोल्ड चैन, ओटी सहित विभिन्न विभागों का गहन निरीक्षण किया, जहां सभी व्यवस्थाएं संतोषजनक पाई गईं। कोल्ड चैन की स्थिति भी सही पाई गई तथा समस्त स्टाफ उपस्थित मिला।

निरीक्षण के दौरान एंबुलेंस सेवा की भी जांच की गई, जिसमें केवल 10 मिनट में एंबुलेंस मौके पर पहुंच गई, जिसे लेकर अधिकारियों ने संतोष व्यक्त किया। सहसपुर क्षेत्र में चल रहे टीका उत्सव के तहत हकीमपुर में चिन्हित तीन अवरोधित परिवारों के बच्चों का टीकाकरण भी कराया गया।

डॉ. के.के. राहुल ने अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही को निर्देश दिए कि अस्पताल परिसर में साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए। ड्रेस कोड का पालन न करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करते हुए वेतन रोकने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही सभी कर्मचारियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति अनिवार्य करते हुए उसका प्रतिदिन जिला स्तर पर प्रिंट आउट भेजने को कहा गया।

उन्होंने स्पष्ट किया कि अस्पताल में आने वाले प्रत्येक मरीज को समय पर समुचित स्वास्थ्य सुविधाएं मिलनी चाहिए। इमरजेंसी मरीजों का तत्काल उपचार, ओपीडी में निःशुल्क दवाएं और आवश्यक जांचें सुनिश्चित की जाएं। बाहर से दवाएं लिखने की प्रवृत्ति पर पूरी तरह रोक लगाने के निर्देश दिए गए।

ठंड के मौसम में फैलने वाले रोगों से निपटने की तैयारियों का भी जायजा लिया गया। सीएचसी स्योहारा में ठंड वेव के लिए चार बेड आरक्षित पाए गए, जिनके लिए आवश्यक दवाएं व लॉजिस्टिक भी उपलब्ध मिले। सभी कर्मचारियों के प्रशिक्षण पर भी जोर दिया गया।

डिप्टी सीएमओ ने निर्देश दिए कि गांव स्तर पर नियमित रूप से हेल्थ कैंप लगाए जाएं, सभी हेल्थ एंड वेलनेस सेंटर नियमित रूप से खोले जाएं, जहां सीएचओ प्रतिदिन पहुंचकर जांच, दवा वितरण और टेली-मेडिसिन के माध्यम से डॉक्टर से परामर्श उपलब्ध कराएं। साथ ही एनसीडी स्क्रीनिंग, आभा आईडी व आयुष्मान गोल्डन कार्ड बनाने पर विशेष जोर देने के निर्देश दिए।

उन्होंने साफ चेतावनी दी कि बिना अवकाश के कोई भी कर्मचारी अनुपस्थित न रहे, क्योंकि शासन स्तर से सभी अवकाश निरस्त किए गए हैं। निरीक्षण आगे भी नियमित रूप से जारी रहेंगे।

इस दौरान अधीक्षक डॉ. बी.के. स्नेही ने सीएचसी की रंगाई-पुताई, विद्युत वायरिंग, डॉक्टरों, स्टाफ नर्स, वार्ड बॉय, सफाईकर्मी व अन्य कर्मचारियों की तैनाती की मांग रखी, जिस पर डिप्टी सीएमओ ने विचार का आश्वासन दिया।

निरीक्षण के समय डॉ. के.के. राहुल, डॉ. बी.के. स्नेही, वीर सिंह, राजेश कुमार (हेल्थ सुपरवाइजर), देवेंद्र सिंह, सुनील कुमार, प्रतिभा, दुशाला, सरिता, डॉ. राकेश कुमार, फार्मासिस्ट योगेश कुमार, जितेंद्र रावत, हरीश कुमार, प्रदीप रावत, सुमित कुमार, वार्ड बॉय शुभम राजन, प्रदीप जोनी, बिट्टू सहित अन्य स्टाफ मौजूद रहा।

महिला की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों का 151 में किया चालान

समाज जागरण ब्यूरो शमीम सिद्दीकी

जनपद बिजनौर स्योहारा थाना स्योहारा क्षेत्र में एक युवती द्वारा लगाए गए आरोपों के मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों के विरुद्ध शांति भंग की आशंका के चलते धारा 151 के अंतर्गत चालान कर दिया है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, मोहल्ला तकी सराय निवासी महिला ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया था कि हिमांशु पुत्र जगदीश वर्मा ने तीन साल तक सम्बन्ध बनाते हुए चुप चाप शादी भी कर ली थी लेकिन जब उसने ससुराल जाने की बात रखी तो हिमांशु और उसके परिवार वालों ने उसके साथ मारपीट करते कार सहित अतिरिक्त दहेज की मांग करते हुए घर से निकाल दिया था जिस मामले में आरोपियों पर दहेज आदि के मुकदमे भी चल रहे हैं युवती ने आरोप लगाया कि इसी बीच गत 18 जनवरी की शाम हिमांशु वर्मा और आकाश वर्मा पुत्र चंद्रपाल ने पीड़िता को रस्ते में रोकते हुए उससे मुकदमे वापस करने की धमकी देते हुए उसके साथ मारपीट और छेड़ छाड़ की थी जिसकी तहरीर पीड़िता ने पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए स्योहारा पुलिस ने आरोपियों को हिरासत में लेकर पूछताछ की।

पुलिस ने मौके की स्थिति एवं उपलब्ध तथ्यों के आधार पर शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से हिमांशु और आकाश का 151 सीआरपीसी में चालान कर आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की। पुलिस का कहना है कि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों के खिलाफ सख्त कदम उठाए जाएंगे।

एम्स ऋषिकेश मे तत्व गणतंत्र दिवस समारोह हर्षोल्लास के साथ मनाया गया

समाज जागरण शमीम सिद्दीकी

जनपद देहरादून ऋषिकेश एम्स ऋषिकेश में 77वां गणतंत्र दिवस समारोह धूमधाम से मनाया गया। गणतंत्र पर्व पर संस्थान की कार्यकारी निदेशक एवं सीईओ प्रोफेसर (डॉ.) मीनू सिंह ने ध्वजारोहण कर देश की आन, बान और शान तिरंगे को सलामी दी। इस दौरान प्रोफे. मीनू सिंह ने देश के शहीदों

को याद कर उन्हें नमन किया और अपने सम्बोधन में संस्थान की उपलब्धियां गिनाते हुए भविष्य की योजनाओं पर प्रकाश डाला। संस्थान परिसर क्षेत्र में एम्स की पाईप बैंड टोली द्वारा निकाली गई शानदार परेड समारोह का विशेष आकर्षण रही।

उन्होंने बताया कि संस्थान ने पिछले वर्ष एन.आई.आर.एफ. की रैंकिंग में देशभर में 13वां स्थान प्राप्त किया है, जो संस्थान के बुनियादी ढांचे और शिक्षण व्यवस्था के मानकों में लगातार हो रहे सुधार को दर्शाता है। ड्रोन-आधारित चिकित्सा सेवाओं का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि संस्थान द्वारा संचालित इस तकनीक आधारित मेडिकल सेवा से राज्य के दूरस्थ क्षेत्रों तक दवाएं पहुँचाने का समय काफी कम हो गया है। कहा कि हमने आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के तहत रोगी पंजीकरण को सुव्यवस्थित किया है, जिससे न केवल अस्पताल 'पेपरलेस' हुआ है अपितु रोगियों को ओपीडी की लंबी लाइनों से छुटकारा मिल रहा है। प्रोफे मीनू सिंह ने सुरक्षा कर्मियों द्वारा दी जा रही सेवाओं की सराहना की। कहा कि उपनल के माध्यम से सेवा दे रहे सुरक्षाकर्मी रात दिन इस संस्थान के विशाल परिसर की सुरक्षा सुनिश्चित करते हैं। निदेशक ने हाइपरबेरिक ऑक्सीजन यूनिट की शुरूआत और रोबोटिक सर्जरी विंग का भी जिक्र किया। उन्होंने इसे आम आदमी तक स्वास्थ्य सुविधाओं की वैश्विक तकनीक पहुँचाने की उपलब्धि से जोड़ा। शीघ्र शुरू होने जा रही संस्थान की स्वास्थ्य सेवाओं के अलावा उन्होंने भारत सरकार द्वारा संचालित विभिन्न स्वास्थ्य कार्यक्रमों व योजनाओं के बाबत विस्तृत जानकारी के साथ ही उनका महत्व भी बताया।

इस अवसर पर संस्थान परिसर में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन हुआ। साथ ही कार्यकारी निदेशक द्वारा उत्कृष्ट कार्य करने वाले कर्मियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। समारोह में डीन एकेडमिक प्रोफेसर (डॉ.) सौरभ वार्ष्णेय, मेडिकल सुपरिटेंडेंट प्रो बी सत्या श्री, उप निदेशक (प्रशासन) ले. कर्नल गोपाल मेहरा, अधीक्षण अभियंता ले. कर्नल राजेश जुयाल, डिप्टी चीफ सिक्योरिटी ऑफिसर कमांडेंट अनिल चन्द्र सिंह सहित विभिन्न विभागाध्यक्ष, फैकल्टी सदस्य, चिकित्सक, मेडिकल स्टूडेंट्स, संस्थान के अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे।

हिंदू सम्मेलन के भव्य आयोजन में समाज एकता का दिया गया संदेश

समाज जागरण

बहजोई।धनारी गांव में बूढ़े बाबा आश्रम पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने हिंदू समाज की एकता, जागरूकता एवं सामाजिक समरसता को मजबूत करने के उद्देश्य से हिंदू सम्मेलन का आयोजन किया सम्मेलन में दूर-दराज से आए संत-महात्माओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं एवं क्षेत्र के गणमान्य नागरिकों की गरिमामयी उपस्थितिरही।

सम्मेलन में पधारे रामेश्वरगिरी महाराज एवं अश्वनी महाराज का आयोजकों द्वारा फूल-मालाओं से भव्य स्वागत किया कार्यक्रम की अध्यक्षता मास्टर सर्वेश शर्मा ने की, जबकि सम्मेलन का सफल एवं सुव्यवस्थित संचालन धीरेंद्र राघव द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने हिंदू समाज की एकजुटता, आपसी भाईचारे और संगठन की मजबूती पर विस्तार से प्रकाश डाला।

मुख्य वक्ता के रूप में मंच से प्रांत ग्राम विकास प्रमुख राजकुमार ने अपने ओजस्वी संबोधन में कहा कि हिंदू समाज को जाति-पात और भेदभाव से ऊपर उठकर एकजुट होकर रहना होगा। इसलिए, समाज की मजबूती के लिए एकजुटता ही सबसे बड़ा हथियार है

वही इस कार्यक्रम के अध्यक्ष मा0सर्वेश शर्मा ने अपने विचार रखते हुए कहा की बच्चों की शिक्षा पर हम सभी को ध्यान देना चाहिए और स्वास्थ्य के प्रति हम सभी को जागरूक होना चाहिए प्रतिदिन योग प्राणायाम योगासन करना चाहिए जिससे हम स्वस्थ रहे और हमें समाज के लिए विश्वार्थ भाव से तन मन धन से समर्पित रहना चाहिए

वक्ताओं के विचारों से प्रभावित होकर सम्मेलन में उपस्थित लोगों ने समाज में एकता, सद्भाव और भाईचारे को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम शांतिपूर्ण एवं अनुशासित वातावरण में संपन्न हुआ। सम्मेलन के समापन के पश्चात प्रसाद वितरण भी किया गया।

इस अवसर पर रामेश्वरगिरी महाराज, अश्वनी महाराज, ऋषभ (तहसील प्रचारक), प्रमोद शर्मा (धनारी मंडल पालक), भारतीय जनता पार्टी के मंडल अध्यक्ष भुवनेश राघव, साथ ही हरि ओम प्रकाश राघव, कुंवर पाल सिंह, वेदराम, मुकेश कुमार, हीरेंद्र सिंह, ताराचंद, वीरेंद्र, राजेंद्र सिंह सहित अनेक कार्यकर्ता एवं क्षेत्रवासी मौजूद रहे।

लालजी सिंह बिसहार मे धूमधाम से मनाया गया वार्षिकोत्सव

समाज जागरण

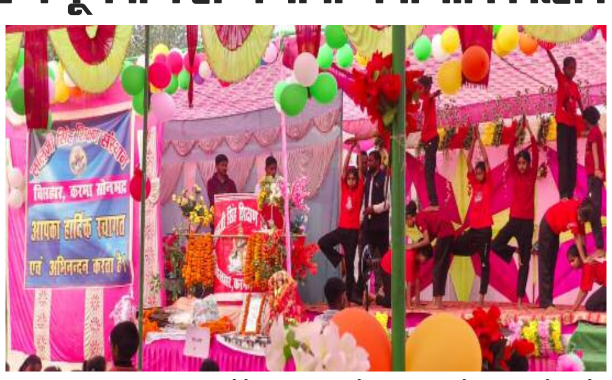

राजगढ़ मीरजापुर /मीरजापुर सोनभद्र बॉर्डर पर स्थित करमा विकास खंड क्षेत्र के बिसहार में बुधवार को वार्षिकोत्सव धूमधाम से मनाया गया। बच्चों ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। मुख्य अतिथि शैलेश सिंह पटेल व विशिष्ट अतिथि अविनाश पटेल, नीरज श्रीवास्तव तथा आनंद प्रकाश पटेल रहे। विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत सदस्य नीरज श्रीवास्तव ने कहा कि आज 10 वर्ष हो गए विद्यालय पर आने का सौभाग्य प्राप्त हुआ जाते-जाते उन्होंने कहा कि विद्यालय में बोरिंग और पानी की टंकी दी जाएगी और जो भी विद्यालय प्रबंध समिति द्वारा उन्हें दायित्व दिया जाएगा उन्हें पूरा किया जाएगा उन्होंने कहा कि शिक्षा शेरनी का दूध है जो पियेगा वही दहाड़ेगा। शिक्षा सबसे पहले महत्वपूर्ण है इसलिए सभी को शिक्षा ग्रहण करनी चाहिए।उन्होंने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। छात्राओं ने सरस्वती वंदना और स्वागत गीत की प्रस्तुति दी। स्कूल के छात्राओं ने देश भक्ति गीत गाकर सबका मनमोह लिया। इसके बाद बच्चों कविता, गीत, व्यायाम और विभिन्न गीतों पर नृत्य की प्रस्तुति देकर अपनी प्रतिभा दिखाई। प्रधानाचार्य दिनेश कुमार ने वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की। विभिन्न खेल, प्रतियोगिता, कक्षा में स्थान पाने वाले, अनुशासन में रहने वाले, शत प्रतिशत स्कूल में उपस्थित होने वाले विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि ने पुरस्कार देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम में हरदीप मौर्य,ओपी भारती, अशोक यादव, सत्येंद्र पटेल, संदीप कुमार, पंकज कुमार, नेहा, गायत्री सिंह के अलावा विद्यालय के छात्र-छात्राओं समेत अभिभावक मौजूद रहे।

आर्कटिक और अंटार्कटिक क्षेत्रों में रूस और भारत का सहयोग

समाज जागरण

सेंट पीटर्सबर्ग में आर्कटिक और अंटार्कटिक अनुसंधान संस्थान के रूसी और भारतीय प्रतिनिधियों की भारतीय विदेश मंत्री अक्विनो विमल के साथ एक कार्य बैठक हुई, जिसमें दोनों पक्षों ने आर्कटिक और ध्रुवीय क्षेत्रों में रूसी-भारतीय वैज्ञानिक सहयोग के विकास पर चर्चा की। एएआरआई ने कहा कि "यह बैठक आर्कटिक और अंटार्कटिक अनुसंधान संस्थान और भारत सरकार के पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय के राष्ट्रीय ध्रुवीय और महासागरीय अनुसंधान केंद्र के बीच 2024 में रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच मॉस्को में हुई बैठक के दौरान हस्ताक्षरित सहयोग ज्ञापन की निरंतरता है।"

प्रतिनिधियों को संस्थान की गतिविधियों के बारे में अद्यतन जानकारी दी गई और जलवायु परिवर्तन और पर्यावरण प्रयोगशाला और हिम अनुसंधान बेसिन की परियोजनाओं और अनूठी क्षमताओं को दिखाया गया।

सिरौरा काजी व दिल्ली सुकेला में भागवत कथा का ब्लॉक प्रमुख ने फीता काटकर उद्घाटन

गुन्नौर तहसील क्षेत्र गांव सिरौरा काजी व दिल्ली सुकेला में श्री मद भागवत कथा का गुन्नौर ब्लॉक प्रमुख आशीष कुमार उर्फ हनी यादव ने फीता काटकर कथा का शुभारंभ कराया।वही आयोजकों ने ब्लॉक प्रमुख का माला पहनाकर मिठाई खिलाकर शुभारंभ किया जहां पूरा कथा पंडाल जयकारों से गूंज उठा। वही ब्लॉक प्रमुख ने कहा कि हमेशा गावों में विकास कराया है। हमेशा जनता के हर समय दुख सुख में खड़ा मिला हूँ आगे भी मिलता रहूंगा। इस मौके पर दोनों गावों के ग्रामीण मौजूद रहे।

रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग में हिंदी पखवाड़ा-2025 के विजेताओं को किया गया सम्मानित

समाज जागरण

नई दिल्ली। रसायन एवं पेट्रोरसायन विभाग में हिंदी पखवाड़ा-2025 के अंतर्गत आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर विभाग के उप-महानिदेशक एवं प्रभारी (राजभाषा) तथा आर्थिक सलाहकार एवं प्रभारी (प्रशासन) ने प्रशस्ति-पत्र प्राप्त करने वाले सभी विजेताओं को हार्दिक बधाई दी।

कार्यालय नगरपालिका परिषद नजीबाबाद (बिजनौर)

पत्रांक 113/ न०पा०प०/नजी0-2026 | दिनांक 28 जनवरी, 2026

अल्पकालिक निविदा सूचना
दरे प्राप्त करने हेतु

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगरपालिका परिषद नजीबाबाद की सीमान्तर्गत यूनिपोल, केन्टीलीवर, विज्ञापन पट्ट लगाने के इच्छुक ठेकेदारो / फर्म आदि से प्रति वर्ग फुट की दरों की सीलबन्द निविदाएं वित्तीय वर्ष 2025-26 व 2026-27 (2 वर्ष) हेतु दिनांक 10.02.2026 तक आमन्त्रित की जाती है। निविदा प्रपत्र दिनांक 10.02.2026 तक पालिका कार्यालय से नकद / निर्धारित मूल्य जमा कर क्रय की जा सकती है। इच्छुक ठेकेदार/फर्म अपनी सीलबन्द निविदाए नगरपालिका कार्यालय में दिनांक 10.02.2026 को समय 3-00 बजे तक निविदा पेटी में डाल सकते है। प्राप्त निविदाए दिनांक 10.02.2026 को समय 04-00 बजे उपस्थित निविदादाताओ के समक्ष अध्यक्ष महोदय द्वारा खोली जायेगी। निविदा स्वीकृत / निरस्त / स्थागित करने का अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित है। निविदा स्वीकृत होने के उपरान्त ठेकेदार / फर्म को नियत शुल्क के स्टाम्प पर अनुबंध करना होगा। नियम व शर्तें पालिका कार्यालय में देखी जा सकती है।

क्र०	विवरण	निविदं मूल्य	धरोहर राशि	प्रीमियम राशि
01	02	03	04	05
01	यूनिपोल, केन्टीलीवर, विज्ञापन पट्ट आदि की प्रति वर्ग फुट की दर प्रति वर्ष	100+जी०एस०टी०	1,00,000/-	2,79,888/-प्रतिवर्ष

(प्रिन्स कुमार)
अधिशासी अधिकारी
नगरपालिका परिषद नजीबाबाद

(इन्जीनियर मुअज्जम)
अध्यक्ष
नगरपालिका परिषद नजीबाबाद

भोजपुर पहाड़ी गांव में आयोजित हुआ जैविक खेती किसान प्रशिक्षण

समाज जागरण रंजीत तिवारी

मीरजापुर।। नमामि गंगे परियोजना से जुड़े बायोशर्ट इंटरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड द्वारा आज विकासखंड पहाड़ी के भोजपुर पहाड़ी गांव में जैविक खेती किसान प्रशिक्षण का आयोजन किया गया, जिसमें क्षेत्र के सैकड़ों किसानों ने जैविक खेती की जानकारी ली। गगन यादव ने किसानों को जीवामृत बीजामृत और नीमास्त्र के बारे में जानकारी देते हुए किसानों को बताया कि वह जैविक खाद को अपना कर अपने उपज को बढ़ा सकते हैं। किसान भाइयों को अपने साथ-साथ आसपास के किसानों को भी जैविक खेती के लिए प्रेरित करना चाहिए। हरिदेव प्रजापति ने किसानों को फसल की बुवाई के पहले बीज को अच्छी तरह से शोधित करके ही बोने के अपील की साथ ही केंद्र और राज्य सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाए जा रहे तमाम योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी। साथ ही डीकम्पोजर के उपयोग और उसके लाभ के बारे मे भी बताये। आज आयोजित हुए जैविक किसान प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्षेत्र के किसानों ने जैविक खाद बनाने और जैविक खेती करने का भी संकल्प लिया।

युवा संघर्ष समिति की बैठक में आगामी चुनाव पर मंथन किया गया। द्विवार्षिक रिपोर्ट व आय व्यय विवरण प्रस्तुत किया गया!

समाज जागरण – ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद! जैन दिगंबर युवा संघर्ष समिति की एक बैठक संजय जैन पी आर ओ की अध्यक्षता में विजय जैन एडवोकेट के कार्यालय पर हुई जिसमें समिति के द्विवार्षिक चुनाव पर मंथन किया गया।

अध्यक्ष संजय जैन व महामंत्री कुलदीप मित्तल एडवोकेट ने दोनों सालों की विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए आयोजित किए गए कार्यक्रमों की जानकारी दी, सभी ने सराहनीय कार्य बताते हुए प्रेरणादायक कार्यक्रम बताए। बैठक में कोषाध्यक्ष विजय जैन ने 2024 व 2025 का विस्तृत आय व्यय का विवरण प्रस्तुत किया जिसमें खर्च के बाद भी अच्छी बचत होने पर सदस्यों द्वारा संतोष व्यक्त करते हुए बधाई दी गई।

अध्यक्ष संजय जैन पी आर ओ ने बताया कि बैठक में आगामी द्विवार्षिक चुनाव के बारे में भी गहन विचार विमर्श करके वरिष्ठ, संघर्षशील और संस्था के प्रति समर्पित कर्मठ नामों पर विचार किया गया। मनोनयन की घोषणा अगली बैठक में की जाएगी।

बैठक से पूर्व वरिष्ठ समाजसेवी कुलदीप मित्तल एडवोकेट विजय जैन एडवोकेट ने भगवान महावीर स्वामी के चित्र का अनावरण किया एवं वरिष्ठ सदस्यों ने दीप प्रजवलन करके बैठक का शुभारंभ किया। मंगलाचरण संजय जैन द्वारा किया गया। इस अवसर पर मनीष जैन किड्स, मयंक जैन, अशोक जैन भदावर, मुकेश जैन रैमजा, सौरभ जैन किड्स, प्रदीप जैन वर्धमान आदि मौजूद रहे।

हाईवे पर ट्रक ने थ्री व्हीलर में मारी टक्कर युवक की मौत,तीन घायल

समाज जागरण झिंझाना।

मेरठ करनाल हाईवे गोल चक्कर के समीप बुधवार को एक दर्दनाक सडक हादसा हो गया। शामली की ओर से आ रहे एक थ्री व्हीलर में तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में टेंपो सवार झिंझाना निवासी युवक शोएब 27 वर्ष की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि टेंपो में सवार अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया। वहीं शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भिजवाया है। बुधवार की शाम को मेरठ करनाल हाईवे पर बाईपास गोल चक्कर के पास शामली से झिंझाना आ रहे सवारी से भरे थ्री व्हीलर में तेज रफ्तार ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी।हादसा इतना भीषण था कि थ्री व्हीलर बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और सवारियां सडक पर जा गिरीं। आसपास मौजूद लोगों ने तुरंत पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायलों थ्री व्हीलर चालक शाहनवाज पुत्र यामीन निवासी गांव गुज्जरपुर,वसीम पुत्र खलील निवासी झिंझाना, प्रीति चौहान गांव रजाकनगर को उपचार के लिए अस्पताल भिजवाया, जबकि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।मृतक की पहचान शोएब उम्र 25 वर्ष पुत्र नफीस निवासी झिंझाना के रूप में हुई है। परिजनों के अनुसार शोएब आठ भाई बहनों में दूसरे नंबर का था। वह लुधियाना में दुकान पर नौकरी कर परिवार का पालन पोषण करता था। परिजनों ने बताया कि शोएब 21 जनवरी को अपनी दो बहनों की शादी में शामिल होने के लिए झिंझाना आया था। हादसे की सूचना मिलते ही मृतक के घर में कोहराम मच गया। परिजनों का रो रोकर बुरा हाल है। मृतक के पिता मेहनत मजदूरी कर परिवार का पालन पोषण करते हैं। अचानक हुए इस हादसे से परिवार पर दुखों का पहाड टूट पडा है।

पुलिस ने ट्रक चालक की तलाश शुरू कर दी है और मामले की जांच की जा रही है।

हादसे के बाद कुछ देर के लिए हाईवे पर यातायात भी प्रभावित रहा, जिसे पुलिस ने सुचारु कराया। कोतवाली प्रभारी वीरेंद्र कसाना ने बताया घटना की सूचना मिली थी घायलों को उपचार हेतु अस्पताल भिजवाया गया है। जबकि मृतक के शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जायेगी।

एक माह से खराब पड़ी मुख्य पाइपलाइन को ठीक करने का कार्य जारी

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) शहर में पिछले करीब एक माह से खराब पड़ी मुख्य जलापूर्ति पाइपलाइन को ठीक करने का कार्य बुधवार को भी जारी रहा। इस मरम्मत कार्य के चलते नगर पालिका द्वारा बुधवार सुबह करीब 10 बजे शहर की जलापूर्ति बंद कर दी गई थी, लेकिन शाम 7 बजे तक भी जलापूर्ति पूरी तरह सुचारू नहीं हो सकी। परिणामस्वरूप पूरे दिन शहर के लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। दिनभर नलों में पानी नहीं आने से अधिकांश घरों में पानी का संकट खड़ा हो गया। हालात ऐसे रहे कि लोगों को मजबूरी में हैंडपंपों और अन्य वैकल्पिक स्त्रोतों से पानी भरते हुए देखा गया। खासकर महिलाओं, बुजुर्गों और बच्चों को पानी की व्यवस्था करने में काफी दिक्कतें झेलनी पड़ीं। कई मोहल्लों में लोग बाल्टियां और डिब्बे लेकर दूर-दूर तक पानी की तलाश में भटकते नजर आए। नगर पालिका के जलकर जेई हर्षित गर्ग ने बताया कि मेरठ-करनाल मार्ग पर आरके इंटर कॉलेज के बाहर नगर पालिका की मुख्य पाइपलाइन बार-बार क्षतिग्रस्त हो रही थी। इसी कारण पिछले कुछ समय से जलापूर्ति प्रभावित चल रही थी। उन्होंने बताया कि बुधवार सुबह 10 बजे से क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को बदलने का कार्य शुरू किया गया। यह पाइपलाइन शहर की मुख्य सप्लाई लाइन है, जिसके चलते मरम्मत के दौरान पूरे शहर की जलापूर्ति बंद करनी पड़ी। जलापूर्ति बाधित होने से शहर के मोहल्ला पंसारियान, कलंदरशाह, रामसागर, नौकुआ रोड, झिंझाना रोड, काका नगर, दिल्ली रोड, सलेक विहार, सीबी गुप्ता कॉलोनी, नया बाजार, आजाद चौक सहित कई इलाकों में लोगों को सबसे अधिक परेशानी उठानी पड़ी। इन क्षेत्रों में सुबह से लेकर शाम तक पानी की एक बूंद भी न मिलने से दैनिक कामकाज प्रभावित रहा। स्थानीय लोगों का कहना है कि पाइपलाइन की समस्या लंबे समय से बनी हुई है, लेकिन इसका स्थायी समाधान नहीं किया जा रहा। बार-बार जलापूर्ति बंद होने से आम जनता को परेशानी झेलनी पड़ती है। लोगों ने नगर पालिका से मांग की है कि पाइपलाइन की मरम्मत का काम जल्द से जल्द पूरा कर जलापूर्ति बहाल की जाए, साथ ही भविष्य में इस तरह की समस्या से बचने के लिए स्थायी व्यवस्था की जाए।

जिला संयुक्त चिकित्सालय में एक्सरे मशीन खराब, मरीज परेशान

समाज जागरण

शामली। (फुरकान जंग) जिला संयुक्त चिकित्सालय में बुधवार को लगातार दूसरे दिन एक्सरे मशीन खराब रहने से मरीजों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। एक्सरे सुविधा ठप होने के कारण दूर-दराज से आए मरीजों को जांच के लिए इधर-उधर भटकना पड़ा, वहीं कई मरीजों को मजबूरी में निजी जांच केंद्रों का सहारा लेना पड़ा।

अस्पताल में रोजाना बड़ी संख्या में हड्डी, दुर्घटना और अन्य गंभीर मामलों के मरीज एक्सरे जांच के लिए पहुंचते हैं। मशीन खराब होने से उनकी जांच नहीं हो सकी, जिससे उपचार में भी देरी हुई। मरीजों और उनके तीमारदारों ने अस्पताल प्रशासन के प्रति नाराजगी जाहिर की और शीघ्र मशीन ठीक कराने की मांग की। इस संबंध में जिला संयुक्त चिकित्सालय के सीएमएस डॉ. किशोर आहुजा ने बताया कि एक्सरे मशीन में तकनीकी खराबी आ गई है। मशीन को ठीक कराने के लिए संबंधित कंपनी को सूचना दे दी गई है। कंपनी के टेक्निशियन जल्द ही अस्पताल पहुंचकर मशीन की खराबी दूर करेंगे। सीएमएस ने उम्मीद जताई कि यदि सब कुछ ठीक रहा तो शुक्रवार से एक्सरे जांच की सुविधा पुनः शुरू हो सकेगी। उन्होंने मरीजों से असुविधा के लिए खेद जताते हुए कहा कि अस्पताल प्रशासन प्रयासरत है कि जांच सेवाएं जल्द से जल्द बहाल की जाएं। फिलहाल एक्सरे सुविधा बंद रहने से मरीजों को अतिरिक्त खर्च और समय दोनों की परेशानी झेलनी पड़ रही है।

रासायनिक उर्वरकों को दी गई सब्सिडी की जानकारी

समाज जागरण

शामली।=फुरकान जंग) कृषि में रासायनिक उर्वरकों के संतुलित उपयोग और मृदा स्वास्थ्य को बेहतर बनाने के उद्देश्य से जनपद शामली में कृषि विभाग एवं इफको सहकारी उर्वरक प्रदायकर्ता संस्था के संयुक्त तत्वावधान में एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि उप कृषि निदेशक प्रमोद कुमार ने उपस्थित कर्मचारियों को जैविक खेती के महत्व और रासायनिक उर्वरकों पर दी जा रही सब्सिडी की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि धान्य फसलों में जहां एक एकड़ के लिए दो से तीन बोरी उर्वरक पर्याप्त होती है, वहीं किसान चार से पांच बोरी यूरिया प्रति एकड़ का उपयोग कर रहे हैं। इससे मिट्टी की अम्लीयता बढ़ रही है और कार्बनिक तत्वों की कमी हो रही है, जिसका सीधा असर फसलों की गुणवत्ता और उत्पादन पर पड़ता है। जिला कृषि अधिकारी प्रदीप यादव ने पीएम प्रणाम योजना के बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए रासायनिक उर्वरकों के अत्यधिक प्रयोग से होने वाले दुष्प्रभावों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि उर्वरकों का असंतुलित उपयोग भूमि की उर्वरता को धीरे-धीरे नष्ट कर रहा है, जिसे समय रहते नियंत्रित करना आवश्यक है। इफको के उप क्षेत्र प्रबंधक विवेक सिंह ने नैनो उर्वरकों से संबंधित तकनीकी जानकारी साझा की। उन्होंने नैनो यूरिया, नैनो डीएपी, नैनो जिंक और नैनो कॉपर के लाभ बताये। इस अवसर पर इफको की ओर से एसएफए शिवम कुमार एवं कपिल कुमार ने भी प्रशिक्षण में सहभागिता की।

जलभराव और बदहाल सड़कों से त्रस्त लोगों ने एमएलसी एवं जिलाधिकारी से लगाई गुहार

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

कस्बे और देहात क्षेत्र में जलनिकासी की गंभीर समस्या और कच्ची सड़कों की बदहाली को लेकर कांधला के दर्जनभर लोगों ने समाजसेवी हाजी जावेद हसन के नेतृत्व में जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान एवं भाजपा एमएलसी विरेन्द्र सिंह को शिकायती पत्र सौंपा। पत्र के माध्यम से क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही जनसमस्याओं से अवगत कराते हुए शीघ्र समाधान की मांग की गई।शिकायती पत्र में बताया गया कि कस्बे के बाइपास सर्विस डग से लेकर श्याम बाग तक सड़क कच्ची है, जिसके चलते बरसात के मौसम में आवागमन बेहद कठिन हो जाता है। सड़क के समानांतर नाला निर्माण अत्यंत आवश्यक है, ताकि जल भराव की समस्या से निजात मिल सके। इसके अलावा कांधला देहात क्षेत्र में कब्रिस्तान और श्मशान घाट के आसपास नाला निर्माण न होने से गंदा पानी जमा रहता है, जिससे धार्मिक स्थलों की गरिमा प्रभावित हो रही है और आसपास रहने वाले लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। वहीं जन्नत कॉलोनी में पानी की निकासी के लिए नाले का अभाव है, जिससे कॉलोनी में जलभराव की स्थिति बनी रहती है। इसी प्रकार सलेमपुर रोड पर जलनिकासी न होने के कारण बस्ती के लोगों के साथ-साथ स्कूल जाने वाले छात्र-छात्राओं को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ता है, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खतरे भी बढ़ रहे हैं। क्षेत्रवासियों ने भाजपा एमएलसी विरेन्द्र सिंह एवं जिलाधिकारी अरविंद कुमार चौहान से मांग की है कि जनहित को ध्यान में रखते हुए संबंधित विभागों को निर्देशित कर नाला निर्माण एवं सड़क सुधार कार्य शीघ्र कराए जाएं, ताकि लोगों को राहत मिल सके।

चेकिंग के दौरान दो मादक पदार्थ तस्कर दबोचे, गांजा, अवैध तमंचा व कार बरामद

समाज जागरण
कांधला।(फुरकान जंग)

थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार के कुशल नेतृत्व में पुलिस को मादक पदार्थ तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हाथ लगी है। पुलिस ने चेकिंग अभियान के दौरान अंबेहटा नहर पटरी से दो शातिर मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चार किलो आठ सौ ग्राम गांजा, एक अवैध तमंचा, एक जिंदा कारतूस तथा एक कार बरामद की है। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में पकड़े गए तस्करों ने अपने नाम आदिल पुत्र याकूब निवासी मवी एवं नावेद पुत्र मुन्शाद निवासी पजीठ थाना कैराना बताए हैं। दोनों आरोपी लंबे समय से क्षेत्र में गांजा तस्करी में संलिप्त बताए जा रहे थे। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर दोनों को न्यायालय में पेश कर जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार के निर्देशन में क्षेत्र में लगातार सघन चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।

इसी अभियान के तहत पुलिस टीम ने अंबेहटा नहर पटरी पर संदिग्ध कार को रोककर तलाशी ली, जहां से भारी मात्रा में गांजा व अवैध हथियार बरामद हुए। पुलिस की इस त्वरित और सटीक कार्रवाई से क्षेत्र में मादक पदार्थ तस्करों में हड़कंप मच गया है। पुलिस मादक पदार्थ तस्करों के अपराधिक इतिहास खंगालने में जुटी हुई है और जानकारी कर रही है की आरोपी तस्कर गांजा कहां से लाए थे और कहां बेचने जा रहे थे। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने कहा कि क्षेत्र में किसी भी सूरत में नशे के कारोबार को पनपने नहीं दिया जाएगा।

अपराधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। पुलिस ने दोनों तस्करों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए बुधवार को जेल भेज दिया है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि चेकिंग के दौरान दो मादक पदार्थ तस्करों को गिरफ्तार किया गया था। दोनों तस्करों के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर जेल भेज दिया गया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक मौत , परिवार में मचा कोहराम

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।जानकारी के अनुसार, जनपद मुजफ्फरनगर के थाना बुढ़ाना क्षेत्र के गांव परासोली निवासी वकील (32) पुत्र महमूद, जनपद मेरठ के रोहटा स्थित ईंट भट्टे पर मजदूरी करता था। वह थाना क्षेत्र के गांव लोहरीपुर में अपनी ससुराल आया हुआ था। बुधवार को वह ससुराल से ईंट भट्टे पर लौट रहा था।जैसे ही बाइक सवार दिल्लीझसहारनपुर हाईवे पर भारसी गेट के समीप पहुंचा, पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वकील सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।हादसे की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल और मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में कोई तहरीर नहीं दी गई थी।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि मृतक के शव का पचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है तहरीर आने पर अभियोग दर्ज किया जाएगा।

अज्ञात वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक मौत, परिवार में मचा कोहराम

समाज जागरण कांधला।

थाना क्षेत्र में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। अज्ञात वाहन की टक्कर से गंभीर रूप से घायल युवक को अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।जानकारी के अनुसार, जनपद मुजफ्फरनगर के थाना बुढ़ाना क्षेत्र के गांव परासोली निवासी वकील (32) पुत्र महमूद, जनपद मेरठ के रोहटा स्थित ईंट भट्टे पर मजदूरी करता था। वह थाना क्षेत्र के गांव लोहरीपुर में अपनी ससुराल आया हुआ था। बुधवार को वह ससुराल से ईंट भट्टे पर लौट रहा था।जैसे ही बाइक सवार दिल्लीझसहारनपुर हाईवे पर भारसी गेट के समीप पहुंचा, पीछे से आए अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही वकील सड़क पर गिरकर गंभीर रूप से घायल हो गया। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल को नगर के सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।हादसे की सूचना मिलते ही परिजन भी अस्पताल और मौके पर पहुंच गए। युवक की मौत से परिवार में कोहराम मचा हुआ है। पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। समाचार लिखे जाने तक इस संबंध में कोई तहरीर नहीं दी गई थी।थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि मृतक के शव का पचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया अज्ञात वाहन की तलाश की जा रही है तहरीर आने पर अभियोग दर्ज किया जाएगा।

एसपी शामली ने निकाला फ्लैग मार्च, भारी पुलिस फोर्स के साथ दिया सुरक्षा का संदेश

समाज जागरण कांधला
(शामली)।(फुरकान जंग)

जनपद में कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने के उद्देश्य से बुधवार को एसपी शामली नरेंद्र प्रताप सिंह ने कांधला नगर में भारी पुलिस फोर्स के साथ फ्लैग मार्च निकाला। फ्लैग मार्च के दौरान नगर की प्रमुख सड़कों और बाजारों में पुलिस बल पैदल मार्च करता नजर आया, जिससे आमजन में सुरक्षा का एहसास बना।इस दौरान कांधला थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार भी पूरे दल-बल के साथ मौजूद रहे। थाना कांधला का समस्त पुलिस स्टाफ पैदल मार्च में शामिल रहा। एसपी ने व्यापारियों व स्थानीय नागरिकों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं और भरोसा दिलाया कि पुलिस हर हाल में जनता की सुरक्षा के लिए तत्पर है।एसपी नरेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि जनपद में अपराध और अपराधियों के लिए कोई जगह नहीं है। कानून तोड़ने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।गौरतलब है कि जब से थाना कांधला की कमान प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने संभाली है, तब से क्षेत्र में अपराधियों के खिलाफ लगातार कड़ी कार्रवाई की जा रही है। कई बदमाशों को पुलिस मुठभेड़ में लगडा किया जा चुका है। नशा तस्करों पर भी सख्त शिकंजा कसा गया है। पुलिस की सक्रियता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि एक लाख रुपये के इनामी बदमाश नफीस को भी मुठभेड़ में मार गिराया गया था, जिससे अपराधियों में खौफ और आमजन में भरोसा बढ़ा है।नगर वासियों और व्यापारियों ने फ्लैग मार्च की सराहना करते हुए पुलिस प्रशासन का आभार जताया और कहा कि इस तरह की कार्रवाई से क्षेत्र में शांति और सुरक्षा का माहौल बनता है।

स्वर्ण समाज के लोगों की बैठक का आयोजन

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) बुधवार को शहर के एमएसके रोड पर स्वर्ण समाज के लोगों की बैठक आयोजित की गई, जिसमें केन्द्र सरकार द्वारा लाये जा रहे यूसीजी बिल का विरोध किया गया। विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने गुरूवार को शामली कलक्ट्रेट में यूसीजी बिल के विरोध में प्रदर्शन कर ज्ञापन देने का निर्णय लिया गया। बुधवार को शहर के एमएसके रोड पर आयोजित बैठक में राजनैतिक दलों, किसान संगठनों व अन्य सामाजिक संगठनों के पदाधिकारियों ने प्रतिभाग किया। बैठक को संबोधित करते हुए ठाकुर पूरन सिंह व ओमप्रकाश शर्मा ने कहा कि प्रस्तावित नीति में जाति आधारित प्रावधानों से विद्यालयों और विश्व विद्यालयों में सामाजिक विभाजन बढ़ेगा। शैक्षणिक संस्थान ऐसे स्थान हैं, जहां विभिन्न समुदायों के छात्र समानता, सहयोग और आपसी समझ के साथ शिक्षा ग्रहण करते हैं, लेकिन जाति आधारित व्यवस्था से बच्चों को अलग-अलग समूहों में बांटने की आशंका है, जिससे मानसिक द्वेष, गुटबाजी और प्रतिस्पर्धात्मक कटुता बढ़ सकती है। उन्होने आशंका जताई कि इस नीति से सामान्य वर्ग के बच्चों के साथ संभावित अन्याय एवं मानसिक उत्पीड़न की स्थिति उत्पन्न हो सकती है। उन्होने निर्णय लिया गया कि यूसीजी के विरोध में स्वर्ण समाज के लोग शामली कलक्ट्रेट में प्रदर्शन कर ज्ञापन सौंपेगे। इस अवसर पर ठाकुर पूरन सिंह, ओमप्रकाश शर्मा, पंडित प्रेम कोठारी, वैभव गर्ग, बाबूखान, जनेश्वर प्रसाद शर्मा, ठाकुर लाखन सिंह, दीपाशूं वशिष्ठ, सचिन राजपूत, पंडित नरेंद्र शर्मा, मोहम्मद शान ,सतीश बधैव, सुभाष चन्द्र मौजूद रहे।

मौसम ने फिर बदली करवट, ठंड ओर सर्द हवाओं का करना पड़ा सामना

समाज जागरण

शामली।(फुरकान जंग) बुधवार को मौसम ने दिनभर करवट बदली, जिससे आमजन को ठंड और सर्द हवाओं का सामना करना पड़ा। सुबह के समय आसमान में काले बादल छाए रहे, वहीं सर्द हवाओं के कारण ठिठुरन बढ़ गई। अचानक बदले मौसम से लोग खासे परेशान नजर आए और ठंड से बचाव के लिए गर्म कपड़ों का सहारा लेते दिखाई दिए। सुबह के समय बादलों की मौजूदगी के कारण धूप नहीं निकल पाई, जिससे ठंड का असर अधिक महसूस किया गया। हालांकि कुछ देर बाद आसमान साफ हुआ और धूप निकलने से लोगों को थोड़ी राहत जरूर मिली। लोग धूप सेकते नजर आए, लेकिन यह राहत ज्यादा देर तक नहीं टिक सकी। दोपहर करीब दो बजे एक बार फिर मौसम ने करवट ली और आसमान में काले बादल छा गए। इसके साथ ही सर्द हवाओं का दौर शुरू हो गया, जिससे तापमान में गिरावट महसूस की गई। मौसम विभाग के अनुसार बुधवार को जिले का अधिकतम तापमान 17 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। तापमान में आई गिरावट और ठंडी हवाओं के चलते शाम के समय बाजारों और सड़कों पर भीड़ कम नजर आई। लोग जल्दी-जल्दी अपने घरों की ओर रुख करते दिखाई दिए। मौसम में लगातार हो रहे बदलाव को देखते हुए चिकित्सकों ने भी लोगों को सतर्क रहने की सलाह दी है। डॉक्टरों का कहना है कि इस तरह के मौसम में सर्दी, खांसी, जुकाम और बुखार जैसी बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। उन्होंने लोगों को गर्म कपड़े पहनने, ठंडी हवाओं से बचने और खानपान पर विशेष ध्यान देने की सलाह दी है। बुधवार को कभी धूप तो कभी बादलों की आंख-मिचौली और सर्द हवाओं ने मौसम को पूरी तरह बदल दिया, जिससे जनजीवन पर इसका साफ असर देखने को मिला।

सघन वाहन चेकिंग अभियान, यातायात नियमों के उल्लंघन पर सख्ती

-एसपी एनपी सिंह के निर्देश पर थाना प्रभारी सतीश कुमार के नेतृत्व में चला विशेष अभियान, सैकड़ों वाहनों के कटे चालान

समाज जागरण
कांधल।(फुरकान जंग)

पुलिस अधीक्षक एनपी सिंह के आदेश पर कस्बा कांधला में यातायात व्यवस्था को सुदृढ़ करने और सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से सघन वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कस्बे के प्रमुख मार्गों व चौराहों पर चेकिंग करते हुए नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की। अभियान के दौरान दुपहिया वाहन चालकों को हेलमेट पहनकर वाहन चलाने, मोबाइल फोन का प्रयोग न करने तथा ट्रिपल राइडिंग से बचने के लिए जागरूक किया गया। वहीं चार पहिया वाहन चालकों को सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग करने की हिदायत दी गई। पुलिस ने नियमों का पालन न करने वाले वाहन चालकों के सैकड़ों चालान काटे। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार ने बताया कि यातायात नियमों का पालन न करने से सड़क दुर्घटनाओं की आशंका बढ़ जाती है। आमजन की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए यह अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने वाहन चालकों से अपील की कि वह स्वयं की और दूसरों की सुरक्षा के लिए यातायात नियमों का पालन करें। पुलिस की इस कार्रवाई से कस्बे में नियम तोड़ने वाले वाहन चालकों में हड़कंप मचा रहा।

युवक के साथ मारपीट चार के खिलाफ मुकदमा दर्ज

समाज जागरण कांधला

थाना क्षेत्र के गांव डून्डूखेडा निवासी एक व्यक्ति ने गांव के ही कई लोगों पर रंजिश के चलते मारपीट करने का आरोप लगाया है। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है।

थाना क्षेत्र के गांव डून्डूखेडा निवासी तरसपाल पुत्र जगदीश ने थाने पर तहरीर देकर बताया कि पीड़ित पांच दिन पूर्व अपने घर पर बैठा हुआ था। आरोप है कि इसी बीच गांव का ही जोशी उर्फ प्रशांत पुत्र करेशन अपने परिवार के ही सोनू, प्रदीप व कैशर के पीड़ित के घर पहुंचे और गाली गलौज करते हुए पीड़ित के घर के बाहर निकले हुए पाइप व घर के दरवाजे तोड़ दिए। आरोप है कि उक्त लोगों ने पीड़ित के घर में लगें सीसीटीवी कैमरे भी तोड़ने का प्रयास किया था। विरोध करने पर सभी लोग जान से मारने की धमकी देते हुए चले गए थे। पीड़ित का आरोप है कि 26 जनवरी को पीड़ित का भाई गजेन्द्र सिंह अपनी ड्यूटी पर ध्वजारोहण के लिए जा रहा था। इसी बीच उक्त लोगों ने पीड़ित के भाई को तमंचे के बल पर रोक लिया और मारपीट की। शोर मचाने पर उक्त लोग जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गए। पीड़ित ने थाने पर तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की थी। पुलिस ने पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। थाना प्रभारी निरीक्षक सतीश कुमार का कहना है कि पीड़ित की तहरीर पर मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। शीघ्र ही आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया जाएगा।

नगर में पूर्वी यमुना नहर के पुल का निर्माण कार्य जल्द होगा पूरा

समाज जागरण

बड़ौत। वाहनों के लिए पूर्वी यमुना नहर पुल का निर्माण फरवरी तक पूरा हो जाएगा जिस पर आवागमन भी शुरू हो जाएगा। नगर के कोताना रोड पूर्वी यमुना नहर पर बनाए जा रहे पुल का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है। फरवरी माह में पुल से वाहनों का आवागमन शुरू होने की उम्मीद है। इससे लगभग 50 गांव जुड़े हुए है। इस पुल के निर्माण से इन गांवों के लोगो को आवागमन मे सुचारू रूप से अच्छी सुविधा मिलेगी। पूर्वी यमुना नहर पुल की चौड़ाई कम होने के कारण रोजाना जाम की समस्या रहती थी यहां आए दिन बड़े वाहनों के आने जाने मे भी भारी समस्या पैदा होती थी। जिससे लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ता था। करीब चार माह पूर्व पुल को तोड़कर चौड़ा पुल बनाने का काम शुरू किया गया था। निर्माण के चलते लोगों के आवागमन के लिए अस्थायी पुल बनाया गया है, मगर लोगों को अभी भी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। अधिकारियों का कहना है कि पुल का कार्य तेजी के साथ किया जा रहा है। जिसके दोनो तरफ नहर में पत्थर डालने का काम किया जा रहा है, जिससे पुल को मजबूती मिलेगी। पुल से वाहनों का आवा गमन शुरू होने से मार्ग से जुड़े जोनमाना, ढिकाना, बोहला, लुहारी, कोताना, खेड़ी प्रधान, आदिलाबाद, जागौश शबगा, सुल्तानपुर हटाना, राजपुर, खामपुर, खेड़ा इस्लामपुर, फैजपुर निनाना, सुल्तानपुर हटाना समेत लगभग 50 गांव के लोगो का इस पुल पर आवागमन होता है। पुल का निर्माण होने से लगभग 50 गांव के लोगो को आवागमन में सुविधा मिलेगी और जाम की भी समस्या कम होगी। इस पुल से हरियाणा तक के लोगो का आवागमन होता है क्योंकि यहां से 10 किलोमीटर की दूरी पर यमुना नदी से हरियाणा के लोगों का भी आवागमन होता है।

पति की छवि खराब करने का आरोप लगाया

ग्राम प्रधान पद की दावेदारी को लेकर झूठे आरोप और धमकी देने का मामला

समाज जागरण बागपत।

थाना चांदीनगर क्षेत्र के ग्राम गौना की एक महिला ने अपने पड़ोसियों पर पति की सामाजिक छवि खराब करने और धमकी देने का गंभीर आरोप लगाया है। महिला ने इस संबंध में जिलाधिकारी कार्यालय में एक शिकायती पत्र देकर निष्पक्ष जांच और कार्रवाई की मांग की है। पीड़िता के अनुसार उनके पति ग्राम गौना मे ग्राम प्रधान पद के दावेदार है। इसी कारण गांव के कुछ लोग उनसे रंजिश रखते है। महिला का आरोप है कि यह ग्रामीण लगातार उनके पति के खिलाफ झूठी शिकायते कर रहे है और उन्हें समाज में बदनाम करने की कोशिश कर रहे है। शिकायत में बताया कि 26 जनवरी 2026 को गांव में एक रैली निकाली गई थी। जिसमें पीड़िता के पति मौजूद नही थे। इसके बावजूद कुछ लोगों ने उन पर रैली के दौरान आपत्तिजनक नारे लगाने का झूठा आरोप लगाया। इस मामले में थाना चांदीनगर में एक मुकदमा भी दर्ज कराया गया हालांकि पीड़िता का कहना है कि यह पूरी तरह से एक साजिश के तहत किया गया है। महिला ने यह भी आरोप लगा है कि 27 जनवरी को कुछ लोग उनके घर पहुंचे और पति पर लगे आरोपों को लेकर दबाव बनाने लगे इतना ही नहीं उन्हें झूठे मुकदमे मे फसाने और जान से मारने की धमकी भी दी गई। पीड़िता ने यह भी बताया कि आरोपी पक्ष द्वारा उनसे पैसों की मांग की गई है।

पीड़िता ने पुलिस प्रशासन से पूरे मामले की निष्पक्ष जांच करने और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की है। ताकि उन्हें और उनके परिवार को न्याय मिल सके। जिलाधिकारी कार्यालय के अधिकारियो ने मामले का संज्ञान लेते हुए जांच की बात कही है।

लाला लाजपत राय को भारत रत्न से सम्मानित करें भारत सरकार:- अभिमन्यु गुप्ता

समाज जागरण

बागपत। सुप्रसिद्ध स्वतंत्रता सेनानी पंजाब केसरी लाला लाजपत राय के जन्मदिन के अवसर पर अखिल भारतीय अग्रवाल सम्मेलन के राष्ट्रीय

उपाध्यक्ष अभिमन्यु गुप्ता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लाला लाजपत राय को भारत रत्न सम्मान मरणोपरांत देने की मांग की। उन्होंने कहा की लाला लाजपत राय भारत की आजादी के अनुपम कर्मठ नेतृत्व प्रदान करते हुए अंग्रेजों की लाठियां से शहीद हो गए लाला लाजपत राय अमर रहेंगे।

हिंडन बचाओ पश्चिम आंचल बचाओ पद यात्रा बड़ौत पहुंची

समाज जागरण

बड़ौत। नगर के शहीद स्मारक पार्क पर पहुंची यात्रा का श्रद्धालुओ ने स्वागत किया।शाकुंभरी देवी शिवा लिक पहाड़ियो मे हिंडन नदी के उद्गम स्थल से दिल्ली तक नितिन स्वामी पश्चिमांचली अध्यक्ष पश्चिमा ंचल विकास परिष देखरेख में मिशन आर्टिकल 21 हिंडन बचाओ पश्चिम आंचल बचाओ पद यात्रा प्रारंभ होकर पीएनशर्मा पार्क पहुंची। पीएल शर्मा पार्क में शहीद स्मारक पर पुष्प पुष्पांजलि अर्पित करने के उपरांत बागपत के लिए प्रस्थान किया। उक्त पद यात्रा का मुख्य उद्देश्य हिंडन,

काली धमोला, कृष्णा नदी का पुनरुद्धार व पश्चिमी उत्तर प्रदेश में एम्स या पीजी की स्थापना तथा कैंसर हॉस्पिटल की मांग को लेकर की जा रही है। यह जागरूकता अभियान फैलती हुई पदयात्रा नगर के विभिन्न मार्गो से होती हुई बागपत के लिए प्रस्थान कर गई।

दोषी पति, सास व ससुर को 10 वर्ष का कठोर कारावास

- 35-35 हजार रुपये अर्थदंड, न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

- करीब साढ़े 6 वर्ष पूर्व हुए किरन सोनकर उर्फ रेनू हत्याकांड का मामला

विजय शंकर पांडेय/ समाज जागरण

सोनभद्र। करीब साढ़े 6 वर्ष पूर्व हुए किरन सोनकर उर्फ रेनू हत्याकांड के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश एफटीसी/ सीएडब्लू, सोनभद्र अर्चना रानी की अदालत ने बुधवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दोषी पति, सास व ससुर को 10-10 वर्ष का कठोर कारावास व 35-35 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष के मुताबिक मृतका किरन सोनकर उर्फ रेनू के पिता श्यामलाल सोनकर पुत्र स्वर्गीय राम किसुन सोनकर निवासी चकिया , थाना चकिया , जिला चंदौली ने 20 मई 2019 को रॉबर्ट्सगंज कोतवाली में दी तहरीर में अवगत कराया था कि उसने अपनी बेटी किरन सोनकर उर्फ रेनू की शादी 14 दिसंबर 2015 को धरम सोनकर पुत्र मिश्रीलाल निवासी चुर्क , थाना रॉबर्ट्सगंज, जिला सोनभद्र के साथ किया था। बेटी विदा होकर ससुराल गई तो उसका पति धरम सोनकर, सास लक्षन देवी, ससुर मिश्रीलाल व जेठ- जेठानी द्वारा चार चक्के की गाड़ी की मांग की जाने लगी और बेटी को आए दिन प्रताड़ित किया जाने लगा। जब बेटी ने इस बात की जानकारी दी तो सम्भ्रांत लोगों की मौजूदगी में सुलह समझौता भी कराया गया और बेटी अपने मायके आ गई। दो माह बाद पुनः बेटी ससुराल गई, लेकिन कोई बदलाव नहीं आया। इसकी जानकारी उसे बेटी ने करीब 4 माह पूर्व फोन करके दी थी कि उसे दहेज में चार चक्के की गाड़ी की मांग को लेकर प्रताड़ित किया जा रहा है। 20 मई 2019 को सुबह 8 बजे फोन पर सूचना मिली कि बेटी ज्यादे सीरियस है। जब ससुराल पहुंचा तो बेटी की मौत हो गई थी। देखने से शरीर पर कई चोट के निशान और जले का निशान भी पैर में था। जिससे पूर्ण विश्वास है कि दहेज के लिए बेटी की हत्या कर दी गई है। रिपोर्ट दर्ज कर आवश्यक कार्रवाई करें। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना किया। पर्याप्त सबूत मिलने पर विवेचक ने कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था। मामले की सुनवाई करते हुए अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, गवाहों के बयान व पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी पति धरम सोनकर, सास लक्षन देवी व ससुर मिश्रीलाल को 10-10 वर्ष की कठोर कैद व 35-35 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर 6-6 माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। अभियोजन पक्ष की ओर से सरकारी वकील सत्यप्रकाश त्रिपाठी ने बहस की।

बाल श्रमिक पुनर्वसन पारिवारिक व्यवसाय सहायता हेतु (शैक्षिक किट वितरण)कार्यक्रम सम्पन्न

समाज जागरण ओंकार नाथ चौधरी

जनपद बहराइच प्रथम संस्था विगत 17 वर्षो से जनपद बहराइच मे हर बच्चा स्कूल मे व पढ़ा लिखा और हर बच्चें के अधिकार सुरक्षित मुद्दे पर बाल स्नेही वातावरण बनाने व बाल श्रम के खिलाफ जन जागरू कता हेतु कार्य कर रही है, जनपद बहराइच से बड़े पैमाने पर बच्चे अन्य राज्यों जैसे महाराष्ट्र, दिल्ली, पंजाब व तेलंगाना आदि मे बाल श्रम मे पाए गये है, पिछले कई वर्षो से इनके रोकथाम व पुनर्वसन हेतु संस्था द्वारा अलग -अलग कई पहल व कार्यक्रम चलाये गये है, इसी कड़ी मे आगे बढ़ते हुए विगत वर्ष से बाल श्रमिकों के पुनर्वसन की पहल शुरू कि गयी जिसमे दिनांक 08.11 .2025 को बहराइच में सम्पन्न हुए कार्यक्रम में 50 बाल श्रमिकों के परिवार वालों को गुमटी व परचून के सामान का बितरण किया गया था, इसके पहले 1150 परिवारों को यह मदद की जा चुकी है कुल 1200 परिवारों को संस्था द्वारा व्यवसाय हेतु शैक्षिक मदद की गयी है साथ ही स्पॉन्सर्सिप कार्यक्रम के अंतर्गत बच्चों की शिक्षा हेतु मदद किया गया है आज दिनांक - 28.01.2026 को रोडवेज बस डिपो बहराइच व श्रम विभाग मे पारि वारिक व्यवसाय सहायता कार्यक्रम के अंतर्गत बाल श्रमिक बच्चों हेतु शैक्षिक किट वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया!

कार्यक्रम का संचालन संस्था के जिला समन्वयक अश्वनी सिंह ने किया उन्होंने कार्यक्रम मे आये हुए सभी अभिभावकों व बच्चों का स्वागत किया जिला समन्वयक ने सभी को अच्छे से ब्यवसाय करने का आवाहन किया श्रम प्रवर्तन अधिकारी श्री सूरज तिवारी ने कहा कि जनपद बहराइच से बाल श्रम हेतु अन्य राज्यों के लिए बच्चों का पलायन होता है बच्चों के बचपन को सुरक्षित करने व शिक्षा की मुख्य धारा से जोड़ने हेतु प्रथम संस्था सतत प्रयत्नशील है संस्था के इस पुनीत कार्य मे हम साथ मे है ,साथ ही श्रम बिभाग की योजनाओं से सभी को अवगत कराया साथ ही बहराइच के रोडवेज बस डिपो व रेलवे स्टेशन पर जन जागरूकता किया जा रहा है ! संस्था जिला प्रशासन के साथ मिलकर कार्य करते हुए ऐसे अन्य व इन सभी परिवारों को सरकारी योजनाओं से जोड़ने का प्रयास कर रही है तथा प्रथम संस्था की तरफ से भी भविष्य मे और मदद करने का प्रयास किया जायेगा

बहराइच रोडवेज की इंचार्ज ने संस्था को इस पुनीत कार्य हेतु धन्यवाद दिया व हर सम्भव मदद का आश्वासन दिया इस अवसर पर चाइल्ड लाइन बहराइच स्टॉफ, DCPU से आनंद चौधरी, Rosa संस्था के स्टॉफ, बहराइच रोडवेज बस स्टेशन अधीक्षक सबाना बनो, अर्चना जी, इन्क्वायरी ऑफिसर राजीव दीक्षित, रशीद अहमद, जफर रजा, व ,प्रथम संस्था के सभी सदस्य व तमाम अभिभावक,महिलाएं व बच्चे उपस्थित रहे!

सोनबरसा पोखरा में गणतंत्र दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं नशा मुक्ति नुक्कड़ नाटक का आयोजन

समाज जागरण ओंकार नाथ चौधरी

जनपद गोंडा सोनबरसा ग्राम पंचायत सोनबरसा पोखरा में पूर्वांचल ग्रामीण विकास संस्थान (P.G.V.S) द्वारा संचालित उत्थान फेलोशिप कार्यक्रम के अंतर्गत गणतंत्र दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन पी जी वी एस के फेलो साथी मंजीत कुमार, प्रदीप कुमार, प्रेम प्रकाश, नूरजहां, अलका जी एवं बंधुत्व मंच के सदस्यों के सहयोग से किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत सोनबरसा, सहसा परसा, पूरे सब सुख, पूरे सिधारी, राजापुर परसोरा, बनगाई बरवार, फिरोजपुर तरहर के बंधुत्व मंच के सदस्य, समुदाय, किशोरिया स्वयंश्र सहायता समूह तथा बाल क्लब के बच्चों ने बढ़-चढ़कर समुद्र सहभागिता की।

कार्यक्रम के दौरान बच्चों एवं समुदाय द्वारा सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ दी गईं तथा नशा मुक्ति पर आधारित नुक्कड़ नाटक प्रस्तुत कर समाज को जागरूक करने का संदेश दिया गया।

मुख्य वक्ता श्री संत छोटे बाबा ने बच्चों की शिक्षा, संविधान का हमारे जीवन में महत्व, समानता, बंधुत्व एवं न्याय जैसे संवैधानिक मूल्यों पर प्रकाश डालते हुए लोगों को जागरूक किया। इस अवसर पर बंधुत्व मंच केठ सदस्य रामप्यारे, सत्रोहन, मनीष, बाबूराम, राजाराम, भानु प्रताप सहित बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने कार्यक्रम में भाग लेकर आयोजन

को सफल बनाया। कार्यक्रम का उद्देश्य संविधान के मूल्यों को जन-जन तक पहुँचाना, बच्चों की शिक्षा को बढ़ावा देना तथा नशा मुक्ति के प्रति समाज में सकारात्मक सोच विकसित करना रहा।

चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन किया

समाज जागरण

बड़ौत। नगर के बावली रोड पर स्थित देव इंडियन पब्लिक इंटर कॉलेज में-छात्राओं द्वारा चित्र कला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्राओं ने अपनी अपनी कला का प्रदर्शन करते हुए शानदार चित्रकला बनाकर कॉलेज की प्रिंसिपल बीना देवी के सक्षम प्रस्तुत किया। कॉलेज की प्रिंसिपल बीना देवी ने छात्राओं द्वारा कार्यक्रम को बहुत ही सराहनीय कदम बताया। इस मौके पर कॉलेज के डायरेक्टर विद्यानंद द्वारा सभी छात्राओं के उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने कहा की आज के वर्तमान समय में जनपद बागपत की छात्राएं जनपद में ही नहीं देश-विदेश में भी अपना नाम रोशन कर रही है। यह जनपद बागपत में बड़े गर्व की बात है। सभी छात्राओ ने अपने-अपने चित्र बनाकर कॉलेज का नाम रोशन करते हुए अपनी-अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया। इस मौके पर इंडियन पब्लिक इंटर कॉलेज के डायरेक्टर विजयानंद चौधरी, कॉलेज की प्रिंसिपल बीना देवी, मंजू शर्मा, परविंदर सिंह, वंशिका, मेघा, शताक्षी , काजल देवी, कुमारी साइन आदि छात्राओं ने अपनी अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया।

योगाचार्य स्वर्गीय महेश कुमार मुछाल की जन्म जयंती मनाई

समाज जागरण

बड़ौत। नगर के श्री पंचमुखी शिव मंदिर के संस्कृत विद्यालय में डीजे कॉलेज के पूर्व प्राचार्य योगाचार्य स्वर्गीय महेश कुमार मुछाल की जन्म जयंती मनाई गई। उनकी जन्म जयंती पर विधि विधान के साथ वेदमत्रों के साथ हवन पूजन भी किया गया। इस मौके पर वरिष्ठ समाजसेवी मनोज बिश्नोई ने संचालन किया अध्यक्षता पंचमुखी शिव मंदिर के अध्यक्ष देव कुमार शर्मा ने की। कार्यक्रम में मुख्य रूप से विद्युत विभाग से रिटायर केडी शर्मा, संस्कृत विद्यालय के आचार्य फोनु शास्त्री, बड़ौत कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार चाहल, बागपत जनपद के जाने-माने पत्रकार राजीव पंडित, हिमांशु मुछाल, मोहनीश मुछाल, अनिल महादेव, योगेश कुमार, अतुल कुमार गुप्ता, रकम सिंह सोलंकी, अजय निरवाल के अलावा संस्कृत विद्यालय के छात्र-छात्राओं शहर के वरिष्ठ नागरिकों ने भी अपने-अपने विचार प्रकट करते हुए महेश कुमार मुछाल के चित्र पर माल्यार्पण करते हुए उन्हें सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए उनके जीवन पर प्रकाश डाला। सभी लोगों ने उनके जीवन से प्रेरणा लेने के लिए आगे भी उनकी जन्म जयंती को मनाने का निर्णय लिया।

रोटरी क्लब अग्रवाल मंडी टटीरी ने बच्चों को बांटी स्टेशनरी व बैग

समाज जागरण बागपत।

रोटरी क्लब अग्रवाल मंडी टटीरी डिस्ट्रिक्ट-3100 द्वारा प्राथमिक विद्यालय चौहल्दा में लगभग 120 बच्चों को स्कूली बैग, स्टेशनरी एवं सॉक्स का वितरण किया। उनके इस कार्य की सभी लोगों ने प्रशंसा की। इससे पहले भी रोटरी क्लब अग्रवाल मंडी टटीरी द्वारा समय-समय पर जनहित के काफी कार्य किए जाते हैं। उनके द्वारा वृक्षारोपण अभियान चलाना, गर्मियों में पानी की प्याऊ लगाना, गरीब लोगों को कंबलों का वितरण करना, नेत्र जांच शिविर लगवाना, रक्तदान शिविर लगवाना जैसे कई महत्वपूर्ण कार्य किए जाते हैं। इस मौके पर रोटरी क्लब के अध्यक्ष राजीव गोयल सचिव संजीव शर्मा अंकुर शर्मा दीपक गोयल अतुल शर्मा दिनेश राजपूत प्रवीण कुमार सुनील शर्मा उमादत शर्मा दिनेश गुप्ता एवं स्कूल प्रिंसिपल व शिक्षक उपस्थित रहे।

यातायात जागरूकता अभियान चलाया गया

समाज जागरण ओंकार नाथ चौधरी

जनपद श्रावस्ती प्रदेश मे चलायें जा रहे राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के दौरान दिनांक 28.01.2026 को पुलिस अधीक्षक जनपद श्रावस्ती, श्री राहुल भाटी के निर्देश में अपर पुलिस अधीक्षक श्री मुकेश चन्द उत्तम व क्षेत्राधिकारी यातायात श्री आलोक कुमार सिंह के निकट पर्यवेक्षण में प्रभारी यातायात श्री मो0 शमीम द्वारा केंद्रीय विद्यालय जनपद श्रावस्ती में याता यात जागरुकता अभियान चलाया गया जिसमें स्कूल के समस्त छात्र-छात्राओं को यातायात नियमों के प्रति सम्पूर्ण जानकारी प्रदान किया गया इसके अलावा सड़क दुर्घटनाओं को कम करने के उद्देश्य से जनपद के विभिन्न थाना क्षेत्रान्तर्गत विभिन्न मार्गों पर सघन चेकिंग अभियान चलाकर विभिन्न प्रकार के वाहनों ट्रैक्टर,डम्पर आदि पर निशुल्क रेट्रो रिफ्लेक्टिव टेप लगाया गया तथा बिना नंबर प्लेट वाले वाहनों के विरुद्ध विधिक कार्यवाही करते हुए जनमानस को एकत्र कर लाउड हेलर व अन्य माध्यम द्वारा यातायात नियमों के प्रति जागरूक करते हुए उन्हें शासन द्वारा चलायी जा रही राह-वीर योजना व राह-वीर योजना के अन्तर्गत मिलने वाली प्रोत्साहन राशि के बारे मे विस्तृत रूप से जागरूक करते हुए दो पहिया वाहन चलाते समय सदैव हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन चलाते समय सदैव सीट बेल्ट लगाने, तेज गति से वाहन न चलाने एवं मादक पदार्थ का सेवन कर वाहन न चलाने आदि यातायात नियमों के प्रति जागरूक किया गया तथा यातायात नियमों/जागरूकता संबंधी पम्पलेट्स वितरित कर उन्हे सदैव यातायात नियमों का पालन करने हेतु शपथ दिलाई गई*

माहवारी स्वच्छता एवं बालिका शिक्षा जागरूकता अभियान

समाज जागरण ओंकार नाथ चौधरी

जनपद श्रावस्ती "बाल रक्षा भारत संस्था द्वारा संचालित 'सखी: इनि शिएटिव टू सिक्योर हर फ्यूचर' कार्यक्रम के तहत आज उत्तर प्रदेश के पांच जनपदों–गोण्डा, बहराइच, बलरामपुर, श्रावस्ती और बाराबंकी में तीन दिवसीय ई-रिक्शा जागरूकता अभियान का सफल समापन हो रहा है। 23 जनवरी से शुरू हुए इस अभियान का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण और शहरी समुदायों के बीच माहवारी स्वच्छता (Menstrual Hygiene) और बालिका शिक्षा के प्रति संवेदनशीलता बढ़ाना है माहवारी से जुड़ी वर्जनाएं और जानकारी का अभाव अक्सर बालिकाओं की शिक्षा में बाधक बनता है। इन तीन दिनों में ई-रिक्शा ने विभिन्न गांवों और मोहल्लों का भ्रमण कर अभिभावकों और किशोरियों को यह संदेश दिया है कि सुरक्षित माहवारी प्रबंधन और निरंतर शिक्षा ही बालिकाओं के उज्जवल भविष्य की नींव है।"इस जागरूकता अभियान के दौरान गोण्डा, बहराइच, बलरामपुर, श्राव स्ती और बाराबंकी के शहर ,ब्लॉक व सैकड़ों गाँव संदेश दिया।'सखी' (Sakhi) पहल का लक्ष्य किशोरियों को सशक्त बनाना है ताकि वे स्वास्थ्य चुनौतियों और सामाजिक बाधाओं को पार कर अपनी शिक्षा पूरी कर सकें। इस अभियान के जरिए बाल रक्षा भारत संस्था ने शिक्षा विभाग और स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से हजारों परिवारों तक 'स्वच्छता और शिक्षा' का संदेश पहुँचाया है।कार्यक्रम में जिला, ब्लॉक एवं ग्राम स्तरीय हितधारकों, विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाओं, अभिभावकों तथा बच्चों ने बढ़-चढ़कर भागीदारी दिखाई।

अब घर बैठे मिलेगी मुफ्त कानूनी सलाह, नालसा ने शुरू किया टोल-फ्री नंबर 15100

समाज जागरण

सिरसा/कालांवाली 28 जनवरी (सुरेश जोरासिया) राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नालसा) ने आम नागरिकों को कानूनी सहायता और परामर्श उपलब्ध कराने के उद्देश्य से टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 की शुरूआत की है। यह सेवा उन लोगों के लिए विशेष रूप से उपयोगी साबित होगी, जिन्हें कानूनी जानकारी, सलाह या मार्गदर्शन की आवश्यकता है। अब नागरिक घर बैठे ही अपनी कानूनी समस्याओं के समाधान के लिए इस नंबर पर संपर्क कर सकते हैं।

इस टोल-फ्री हेल्पलाइन के माध्यम से समाज के कमजोर, वंचित और असहाय वर्ग के जरूरतमंद लोगों को आसानी से मुफ्त कानूनी सलाह और मार्गदर्शन उपलब्ध करवाया जा रहा है। साथ ही, मुफ्त कानूनी सहायता प्राप्त करने की आवेदन प्रक्रिया से जुड़ी जानकारी भी इस नंबर पर दी जा रही है। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव एवं मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी प्रवेश सिंगला ने बताया कि यह हेल्पलाइन सेवा 24 घंटे उपलब्ध है और देश के किसी भी हिस्से से इस नंबर पर कॉल कर कानूनी सहायता ली जा सकती है। नालसा का उद्देश्य बिना किसी भेदभाव के सभी नागरिकों को न्याय तक समान पहुंच सुनिश्चित करना है। इस पहल से समाज के कमजोर वर्गों को न्याय प्राप्त करने में बड़ी सहायता मिलेगी और वे अपने अधिकारों के प्रति अधिक जागरूक हो सकेंगे

सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी द्वारा लाखों रुपये के मादक पदार्थ सहित एक आरोपी गिरफ्तार।

समाज जागरण, जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी, 28 जनवरी। सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी ने मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध कार्रवाई करते हुए एक आरोपी को भारी मात्रा में मादक पदार्थ सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जे से 672 ग्राम अफीम तथा 307 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

डीएसपी क्राइम श्री अनूप कुमार ने जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस अधीक्षक भिवानी के निदेशानुसार जिला पुलिस द्वारा मादक पदार्थ रखने, बेचने व तस्करी करने वाले आरोपियों की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त एवं प्रभावी कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इसी कड़ी में सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी द्वारा यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की गई है।

उन्होंने बताया कि दिनांक 27.01.2026 को सीआईए स्टाफ प्रथम भिवानी के उप-निरीक्षक बलजीत सिंह अपनी टीम के साथ गश्त व पड़ताल ड्यूटी के दौरान बापोड़ा क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि एक व्यक्ति प्रेम नगर रोड, बापोड़ा पर एक बैग लेकर खड़ा है, जिसके पास भारी मात्रा में नशीला पदार्थ मौजूद है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम ने तत्परता से कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर रेड की और एक व्यक्ति को मादक पदार्थ सहित काबू किया।

गिरफ्तार आरोपी की पहचान जितेंद्र पुत्र जयबीर, निवासी बापोड़ा, जिला भिवानी के रूप में हुई है।

पुलिस टीम द्वारा आरोपी के कब्जे से करीब 01 लाख रुपये मूल्य की 672 ग्राम अफीम तथा करीब 6.15 लाख रुपये मूल्य की 307 ग्राम हेरोइन बरामद की गई है।

आरोपी के विरुद्ध एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग थाना सदर भिवानी में पंजीबद्ध कर लिया गया है। आरोपी को आज माननीय न्यायालय में पेश कर पुलिस रिमांड हासिल किया गया है।

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने बताया कि वह पहले दिल्ली के मुखर्जी नगर क्षेत्र में PG का कार्य करता था। कार्य बंद करने के बाद उसने अपने पैसे मादक पदार्थ तस्करी में लगा दिए। आरोपी ने बताया कि अफीम वह मुखर्जी नगर, दिल्ली से लेकर आया था तथा हेरोइन पंजाब से लाई गई थी। रिमांड अवधि के दौरान आरोपी से मादक पदार्थ की सप्लाई, बिक्री तथा उसके नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में गहन पूछताछ की जाएगी।

पुलिस अधीक्षक भिवानी श्री सुमित कुमार भा०पु०से० ने जिले के सभी थाना प्रबंधकों, अपराध शाखा एवं यूनिट इंचार्जों को सख्त निर्देश दिए हैं कि मादक पदार्थों की तस्करी व बिक्री में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध निरंतर व कठोर कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

फिरोजपुर-बठिंडा रेल सैक्शन पर मॉक ड्रिल का सफल आयोजन

(रघुनंदन पराशर समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

जैतो ,28 जनवरी : रेल मंडल द्वारा बुधवार को जारी प्रैस विज्ञप्ति में कहा कि गत मध्य रात्रि को उत्तर रेलवे के फिरोजपुर मंडल में मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार के मार्गदर्शन व वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री रोहित वर्मा के नेतृत्व में एक मॉक ड्रिल आयोजित की गई। जिसका मुख्य उद्देश्य आपातकालीन परिस्थितियों में रेलवे कर्मचारियों द्वारा मुस्तैदी से किए जाने कार्यों एवं इसका आकलन करना है। मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य रेल कर्मचारियों को आपातकालीन स्थितियों जैसे ट्रेन दुर्घटना, आग लगना या अन्य आपदाओं से निपटने के लिए तैयार करना है। यह मॉक ड्रिल फिरोजपुर-बठिंडा रेलखंड में गोलेहवाला और फरीदकोट के बीच लेवल क्रॉसिंग गेट संख्या 39/सी पर आयोजित की गई। मॉक ड्रिल के अंतर्गत, एक ट्रेन संख्या डाउन बीसीएन फरीदकोट का लेवल क्रॉसिंग गेट पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली से टकराने की स्थिति दर्शाई गई। ट्रैक्टर-ट्रॉली के चार यात्रियों के घायल होने का परिदृश्य निर्मित किया गया। राहत कार्य हेतु फिरोजपुर से एआर एम ई/एआरटी दो आपातकालीन ट्रेन चलाई गई। एम्बुलेंस को भी साइट पर पहुँचाया गया। रेलकर्मियों की सजगता और मुस्तैदी को देखते हुए इसे मॉक ड्रिल घोषित किया गया। मंडल रेल प्रबंधक श्री संजीव कुमार ने बताया कि मॉक ड्रिल का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि रेलकर्मचारी आपात परिस्थिति में प्रभावी ढंग से अपना कार्य कर सके और मानसिक तथा शारीरिक रूप दोनों तरीके से किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयार रहें। इस दौरान उनका मुख्य कार्य यथा प्रशासन को सही समय पर सूचित करना, मेडिकल एवं पैरा मेडिकल टीम को सूचित करना, घायलों को मदद व प्राथमिक चिकित्सा प्रदान करना आदि कार्य है।इस मॉक ड्रिल के दौरान मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. रंजना सहगल, वरिष्ठ मंडल संरक्षा अधिकारी श्री रोहित वर्मा, वरिष्ठ मंडल विद्युत अभियंता/टीआरडी श्री जीतराम, वरिष्ठ मंडल यांत्रिक अभियंता श्री भूपेंद्र, वरिष्ठ मंडल परिचालन प्रबंधक/जी डॉ. अमर शेखर परचा, मंडल अभियंता/प्रधान कार्यालय श्री आकाशदीप सिंह सहित अन्य अधिकारी मौके पर उपस्थित रहे तथा राहत एवं बचाव कार्यों की तत्परता से निरीक्षण किया।

फिरोजपुर रेल मंडल के कर्मचारी रेल सैक्शन पर माक ड्रिम के सफल आयोजन उपरांत।

महान देशभक्त एवं स्वतंत्रता सेनानी लाला लाजपत राय जयंती पर पंजाब नेशनल बैंक में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन

(रघुनंदन पराशर जैतो दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

डबवाली, 28 जनवरी : 'शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले, वतन पर मिटने वालों का यही बाकी निशां होगा' जैसे देश भक्ति के नारों की गूंज में स्थानीय पंजाब नैशनल बैंक की मुख्य शाखा में महान स्वतंत्रता सेनानी, देशभक्त एवं पंजाब नेशनल बैंक के संस्थापक लाला लाजपत राय की जयंती के अवसर पर शहर की विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों द्वारा उन द्वारा स्वतंत्रता आंदोलन में दिए गए अहम योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि अर्पित की गई। शाखा अध्यक्ष महेश कुमार के सानिध्य एवं वरिष्ठ शाखा प्रबंधक (करंसी चेस्ट)आशीष गर्ग की अध्यक्षता में आयोजित श्रद्धांजलि सभा में सह प्रबंधक अमन सुखीजा, सह प्रबंधक राम प्रताप, कृषि अधिकारी बलविंद्र सिंह ने इस अवसर पर पहुंचे विभिन्न संस्थाओं के प्रतिनिधियों का स्वागत किया। सभा में मुख्यातिथि अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के राष्ट्रीय संरक्षक सदस्य प्रीतम बांसल एवं शाखा अध्यक्ष दिनेश गुप्ता टिंकू ने लाला लाजपत राय को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि प्रत्येक भारतीय नागरिक को लाला जी द्वारा दिखाए गए मार्ग पर चलते हुए राष्ट्र और समाज की सेवा करने में अहम भूमिका अदा करनी चाहिए।

इस अवसर पर रि. एजीएम परमजीत कोचर, वरिष्ठ नागरिक कल्याण संघ के अध्यक्ष सुरेंद्र मित्तल एवं श्री ब्राह्मण सभा के महामंत्री मोहन लाल कौशिक ने भी लाला जी के जीवन पर अपने विचार रखे। अंतर्राष्ट्रीय वैश्य महासम्मेलन के अध्यक्ष सुरेंद्र सिंगला ने लाला जी को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि लाला जी ने अपने जीवन काल में गुलाम भारत को आजाद करवाने में अहम योगदान दिया। उन्होंने पंजाब नेशनल बैंक एवं अन्य शिक्षण संस्थाओं की स्थापना की। उन द्वारा स्थापित पंजाब नेशनल बैंक आज ग्रामीण आंचल से लेकर देश के सभी महानगरों में अपने व्यापार के साथ-साथ समय समय पर लाला जी की स्मृति में सामाजिक प्रकल्पों का आयोजन कर देशवासियों को सुविधाएं प्रदान कर रहा है। यही कारण है कि आज पंजाब नेशनल बैंक राष्ट्रीय स्तर पर अपनी अलग पहचान बना चुका है। इस अवसर पर विख्यात उद्योगपति लाभ सिंह, प्रमुख समाजसेवी प्यारे लाल सेठी, श्री पीरखाना प्रबंधक कमेटी के प्रतिनिधि सुरेश जिंदल पटवारी,एआईएकेपीसी के प्रतिनिधि टीकम जग्गा, डा. प्रेम गोयल, रि. कर्मचारी संघ के अध्यक्ष सुखवंत सिंह चीमा, श्री अग्रवाल महासभा के कोषाध्यक्ष सोमनाथ धुनिकां, मा. बृज लाल सिंगला, पेट्रो डीलर हरबंस लाल भद्र एवं डबवाली शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष पवन गर्ग उपस्थित थे। सभा का समापन राष्ट्रीय गान एवं लड्डू वितरण के साथ किया गया।

अमर शहीद लाला लाजपत राय के त्याग एवं बलिदान को किया याद

युवा वर्ग अमर शहीद लाला लाजपत राय के बलिदान से राष्ट्र हित में लें प्रेरणा

समाज जागरण, जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

भिवानी। नेताजी सुभाष चंद्र बोस युवा जागृत सेवा समिति, वैश्य कॉलेज एनएसएस इकाई, सदाचारी शिक्षा समिति एवं जन कल्याण सहयोग संगठन के संयुक्त तत्वावधान में बोस तुम्हें सलाम पखवाड़ा के अंतर्गत अमर शहीद लाला लाजपत राय का जन्मोत्सव श्रद्धा और गरिमा के साथ मनाया गया। इस अवसर पर शहर स्थित अमर शहीद लाला लाजपत राय चौक पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर नमन किया गया।

कार्यक्रम में युवाओं, शिक्षाविदों और विभिन्न सामाजिक संगठनों से जुड़े प्रतिनिधियों ने देश की एकता व अखंडता को बनाए रखने, सामाजिक समरसता को मजबूत करने तथा नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने का सामूहिक संकल्प लिया। वातावरण लाला लाजपत राय अमर रहें के नारों से गूंज उठा और युवाओं में देशभक्ति की भावना स्पष्ट रूप से देखने को मिली।

इस अवसर पर वैश्य महाविद्यालय के प्राचार्य संजय गोयल व सुरेंद्र लोहिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए कहा कि लाला लाजपत राय का जीवन युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत है। उन्होंने कहा कि राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और उन्हें महापुरुषों के आदर्शों को आत्मसात कर समाज व देश के लिए कार्य करना चाहिए।

कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज ने कहा कि अमर शहीद लाला लाजपत राय का त्याग, साहस और बलिदान भारतीय स्वतंत्रता संग्राम का स्वर्णिम अध्याय है, जिसे कभी भुलाया नहीं जा सकता। समाजसेवी दीपक अग्रवाल तौला ने युवाओं से नशे से दूर रहकर सकारात्मक सोच के साथ समाज सेवा में आगे आने का आह्वान किया।

सहित अन्य वक्ताओं ने भी अपने विचार रखे। वक्ताओं ने कहा कि लाला लाजपत राय ने अपने जीवन को देश के लिए समर्पित कर दिया और उनका बलिदान सदैव युवाओं को राष्ट्रहित में कार्य करने की प्रेरणा देता रहेगा।

इस अवसर पर अग्रवाल समाज से समाजसेवी दीपक तौला, समाजसेवी सुरेंद्र लोहिया,सामाजिक कार्यकर्ता मामन चंद अग्रवाल, समाजसेवी गोवर्धन आचार्य, एनएसएस अधिकारी कामना कौशिक, समाजसेवी कमल भारद्वाज, कोच अशोकजीत , संजय सिंघल, श्याम लाल गोटे वाला, राष्ट्रीय स्वयंसेवक अश्वनी कुमार , एन एस एस से जुड़े अश्वनी देवसरिया, शुभम कलियांना, संदीप प्रजापत, अमन, तुषार गुप्ता, दीक्षा, श्रुति, संस्कृति, बबिता, जागृति , अंजु शर्मा, नव्या भारद्वाज, आरोही, रेणु, कल्पना , ललित कुमार, रविन्द्र लेंघा , राजीव शर्मा, मास्टर कमल शर्मा , समाजसेवी लक्ष्मण गौड़ सहित अनेक स्वयं सेवी उपस्थित रहे।

एंटी नारकोटिक सैल भिवानी द्वारा दो आरोपी मादक पदार्थ हेरोइन सहित गिरफ्तार।

समाज जागरण, जिला संवाददाता।
(महेन्द्र जावला बहल)

एंटी नारकोटिक सेल भिवानी ने मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को मादक पदार्थ हेरोइन सहित गिरफ्तार करने में सफलता प्राप्त की है। पुलिस टीम द्वारा आरोपियों के कब्जे से 23.23 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद की गई है।

पुलिस अधीक्षक भिवानी श्री सुमित कुमार के निदेशानुसार जिला पुलिस द्वारा मादक पदार्थ बेचने व इसकी तस्करी में संलिप्त आरोपियों के विरुद्ध निरंतर सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जा रही है। इन्हीं निदेशों की अनुपालना में एंटी नारकोटिक सेल भिवानी द्वारा यह कार्रवाई की गई है।

जानकारी देते हुए बताया गया कि एंटी नारकोटिक सेल भिवानी के उप-निरीक्षक अमरजीत सिंह अपनी टीम के साथ गश्त व पड़ताल ड्यूटी के दौरान बस अड्डा, गांव जमालपुर क्षेत्र में मौजूद थे। इसी दौरान पुलिस टीम को विश्वसनीय सूत्रों से सूचना प्राप्त हुई कि पपोसा रोड, जमालपुर स्थित सत्संग भवन के पास दो युवक मादक पदार्थ बेचने की फिराक में खड़े हैं। सूचना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस टीम द्वारा तत्परता से कार्रवाई करते हुए बताए गए स्थान पर रेड की गई पुलिस टीम ने मौके से दो व्यक्तियों को मादक पदार्थ सहित काबू किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अवतार सिंह पुत्र गुरदेव सिंह तथा सुरजीत पुत्र सोना सिंह, दोनों निवासी जमालपुर, जिला भिवानी के रूप में हुई है।

आरोपियों के कब्जे से 23.23 ग्राम मादक पदार्थ हेरोइन बरामद की गई। आरोपियों के विरुद्ध थाना बवानी खेड़ा में एनडीपीएस एक्ट के तहत अभियोग पंजीबद्ध कर नियमानुसार कार्रवाई अमल में लाई गई है। आरोपियों को माननीय न्यायालय में पेश कर दो दिन का पुलिस रिमांड प्राप्त किया गया है।

प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि आरोपी अवतार सिंह नशा करने का आदी है, जबकि आरोपी सुरजीत के विरुद्ध पूर्व में एनडीपीएस एक्ट व आबकारी अधिनियम के तहत मामले दर्ज हैं। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि यह मादक पदार्थ पीरावाली, हिसार क्षेत्र से लेकर आए थे। रिमांड अवधि के दौरान आरोपियों से मादक पदार्थ की खरीद-फरोख्त, आपूर्ति तथा एनडीपीएस नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों के संबंध में गहन पूछताछ की जाएगी।

जिला पुलिस भिवानी मादक पदार्थों के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस नीति पर कार्य कर रही है और इस प्रकार की गतिविधियों में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा।

तेज हथियारों के साथ 5 लोग गिरफ्तार, पुलिस प्रशासन फरीदकोट को सुरक्षित जिला बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्धः डा. प्रज्ञा जैन

समाज जागरण

जैतो, 28 जनवरी (रघुनंदन पराशर):डॉ. प्रज्ञा जैन एस एस पी फरीदकोट पुलिस के नेतृत्व में, फरीदकोट पुलिस लगातार बुरे अपराधियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई कर रही है। श्री जोगेश्वर सिंह गोराया एसपी (जांच), फरीदकोट के मार्गदर्शन और श्री तरलोचन सिंह डीएसपी,फरीदकोट के निर्देश पर, पुलिस स्टेशन सिटी फरीदकोट ने तेज हथियारों के दम पर डकैती की योजना बना रहे एक गिरोह के 05 लोगों को अपराध करने से पहले ही गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान राम सिंह (ज्योति राम कॉलोनी निवासी), अनमोल सिंह (बलबीर बस्ती निवासी) और विशाल उर्फ बब्बी, गुरलियाकत सिंह और कुलवंत सिंह उर्फ बॉबी के रूप में हुई है, जो खारा, फरीदकोट के रहने वाले हैं। पुलिस पार्टी ने आरोपियों से 01 लोहे का पाइप, 01 स्प्लिटर, 01 स्प्लिटर जैसा कप्पा, 01 दातर बरामद किया है।कार्रवाई का विवरण इस प्रकार है: गुरदित सिंह पुलिस पार्टी के साथ गश्त और चेकिंग के लिए सादिक चौक फरीदकोट के पास मौजूद थी और उन्हें सूचना मिली कि ये सभी अपराधी जो लूटपाट के आदी हैं, दाना मंडी फरीदकोट गदौना साइड फरीदकोट में लूटपाट की योजना बना रहे हैं। जिस पर पुलिस पार्टी ने तत्काल कार्रवाई की और मौके पर पहुंचकर सभी आरोपियों को मौके पर ही गिरफ्तार कर लिया। इस संबंध में पुलिस स्टेशन सिटी फरीदकोट में केस नंबर 49 दिनांक 27.01.2026 धारा 112(2), 310(4), BNS के तहत मामला दर्ज किया गया है। प्रारंभिक जांच के दौरान पता चला कि इस गिरोह का मुख्य सरगना राम सिंह है, जिसने अपना गिरोह बनाया है और उसके खिलाफ पहले से ही बुढलाडा जिले में अलग-अलग धाराओं के तहत कुल 03 मामले दर्ज हैं। इसके अलावा, गिरोह में शामिल दो अन्य आरोपियों के खिलाफ भी दो मामले दर्ज हैं।कथित डकैतों को काबू करके फरीदकोट पुलिस ने एक बड़ी घटना को रोकने में सफलता हासिल की है। फरीदकोट पुलिस गिरफ्तार आरोपियों को माननीय अदालत में पेश कर रिमांड हासिल कर रही है ताकि आरोपियों के पिछले और अगले संबंधों की विस्तार से जांच की जा सके। फरीदकोट पुलिस बुरे अपराधियों के खिलाफ लगातार सख्त कार्रवाई करके पूरी ईमानदारी और लगन से अपनी जिम्मेदारियां निभा रही है। जिले के नागरिकों की सुरक्षा हमारी सबसे बड़ी प्राथमिकता है, और इस मकसद के लिए फरीदकोट पुलिस बुरे तत्वों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करती रहेगी।

हरियाणा देश का पहला राज्य बना, स्वास्थ्य परिषदों के लिए एकीकृत डिजिटल पोर्टल लॉन्च

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने आज स्वास्थ्य विभाग के केंद्रीकृत पोर्टल फॉर हरियाणा काउंसिल्सद्ध का लोकार्पण किया। इस पहल के साथ ही हरियाणा देश का पहला राज्य बन गया है, जिसने एकीकृत डिजिटल मंच के माध्यम से एक साथ कई स्वास्थ्य परिषदों को एक ही प्रणाली से जोड़ने का कार्य किया है।

इस पोर्टल के माध्यम से स्वास्थ्य से जुड़ी विभिन्न परिषदों की सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सरल और प्रभावी बनाया जाएगा। सरकार का उद्देश्य तकनीक के माध्यम से स्वास्थ्य प्रशासन को सुदृढ़ करना और आम नागरिकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

1 फरवरी से 7 फरवरी तक श्रीमद् भगवत कथा महाजन धर्मशाला में आयोजित

समाज जागरण

कालांवाली 28 जनवरी (सुरेश जोरासिया) दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से 1 फरवरी से 7 फरवरी तक महाजन धर्मशाला में आयोजित होने वाली सात दिवसीय श्री देवी भागवत कथा के प्रचार-प्रसार हेतु क्षेत्र में जोर-

शोर से गतिविधियाँ की जा रही हैं। इसी क्रम में जोगिंदर पाल वाली गली, कलांवाली में एक प्रेरणादायक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।कार्यक्रम में दिव्य ज्योति जाग्रति संस्थान की ओर से परम पूजनीय सर्व श्री आशुतोष महाराज जी की शिष्या साध्वी जसप्रीत भारती जी ने उपस्थित श्रद्धालुओं को देवी भागवत कथा के महत्व से अवगत कराया। उन्होंने वर्तमान समय की परिस्थितियों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि आज समाज अनेक मानसिक, पारिवारिक और नैतिक चुनौतियों से गुजर रहा है, ऐसे समय में आध्यात्म ही वह शक्ति है जो मन को स्थिरता, जीवन को दिशा और समाज को संस्कार प्रदान कर सकता है।साध्वी जसप्रीत जी ने कहा कि श्री देवी भागवत कथा केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि आत्मचिंतन, आत्मशुद्धि और जीवन में सकारात्मक परिवर्तन का माध्यम है। उन्होंने सभी श्रद्धालुओं से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में इस दिव्य कथा में सहभागी बनें और अपने जीवन को अध्यात्म से जोड़ें।

नौजवान वैलफेयर सोसायटी ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया

दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो प्रमुख पंजाब

जैतो, 28 जनवरी : 24 घंटे मानवता की सेवा करने वाली संस्था नौजवान वैलफेयर सोसायटी जैतो के एक्सीडेंट नंबर पर एक राहगीर ने सूचना दी कि बठिंडा रोड पर कॉलोनी के पास एक मोटरसाइकिल सवार का अचानक संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। यह सूचना मिलते ही नौजवान वेलफेयर सोसायटी के सदस्य मौके पर पहुंचे और घायल व्यक्ति को उठाकर सेठ रामनाथ सिविल अस्पताल जैतो में भर्ती कराया। वहां मौजूद स्टाफ ने उसे फर्स्ट एड दिया। घायल व्यक्ति की पहचान अशोक कुमार, पुत्र मुन्ना कुमार, निवासी जैतो के रूप में हुई। उल्लेखनीय है कि नौजवान वैलफेयर सोसायटी जैतो समाज सेवा में समर्पित है। आम जनता इसकी सेवा से बहुत प्रसन्न है।

सरकार ने राष्ट्रीय खेल संघों को आधिकारिक लोगो के अनधिकृत उपयोग को रोकने का निर्देश

(रघुनंदन पराशर दैनिक समाज जागरण चीफ ब्यूरो पंजाब)

चंडीगढ़,28 जनवरी :भारत सरकार के युवा मामले एवं खेल मंत्रालय (एमओवाईएएस) ने सभी मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) को निर्देश जारी किए हैं कि वे राज्य प्रतीक और युवा मामले एवं खेल मंत्रालय तथा भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) के लोगो या चिह्नों का अनधिकृत उपयोग तत्काल बंद कर दें।यह देखा गया है कि कुछ राष्ट्रीय खेल संगठन (एनएसएफ) अपने लेटरहेड, वेबसाइटों, विजिटिंग कार्ड और अन्य संचार सामग्री पर सरकारी लोगो और प्रतीकों का उपयोग कर रहे हैं, जिससे यह गलत धारणा बन रही है कि वे भारत सरकार या साई का प्रत्यक्ष हिस्सा हैं। ऐसा उपयोग अनधिकृत है और भारत के राष्ट्रीय खेल विकास संहिता, 2011 के प्रावधानों के विपरीत है।मंत्रालय ने स्पष्ट किया है कि यद्यपि एनएसएफ को सरकार द्वारा मान्यता प्राप्त है और वे वित्तीय और अन्य प्रकार की सहायता के पात्र हैं, लेकिन ऐसी मान्यता या समर्थन उन्हें अपने आधिकारिक स्टेशनरी या डिजिटल प्लेटफॉर्म पर भारत सरकार, मंत्रालय या एसएआई के नाम, प्रतीक चिन्ह या लोगो का उपयोग करने का अधिकार नहीं देता है। एनएसएफ आधिकारिक लोगो या प्रतीक चिन्हों का उपयोग किए बिना, केवल मंत्रालय द्वारा अपनी मान्यता का लिखित रूप से उल्लेख कर सकते हैं।राष्ट्रीय खेल संगठनों (एनएसएफ) को दिए गए निर्देश में कहा गया है कि सरकार और साई के लोगो का उपयोग केवल कार्यक्रम-विशिष्ट प्रचार सामग्री, जैसे बैनर, बैकड्रॉप, विज्ञापन, साइनेज या स्मृति चिन्हों के लिए ही किया जा सकता है, वह भी केवल उन मामलों में जहां वित्तीय सहायता प्रदान की गई हो या औपचारिक मान्यता दी गई हो, और वह भी निर्धारित दिशानिर्देशों के अनुसार।इसके अलावा, सभी राष्ट्रीय खेल संघों (एनएसएफ) को यह निर्देश दिया गया है कि वे भौतिक और डिजिटल प्लेटफार्मों से अनधिकृत लोगो को तुरंत हटा दें और यह सुनिश्चित करें कि भारत सरकार या साई के साथ उनके संबंध को किसी भी तरह से गलत तरीके से प्रस्तुत न किया जाए।राष्ट्रीय खेल संगठनों के अध्यक्षों और महासचिवों को निर्देश दिया गया है कि वे न केवल राष्ट्रीय स्तर पर बल्कि अपनी संबद्ध राज्य और केंद्र शासित प्रदेश इकाइयों द्वारा भी अनुपालन सुनिश्चित करें।मंत्रालय ने चेतावनी दी है कि इन निदेशों के किसी भी उल्लंघन को गंभीरता से लिया जाएगा और मौजूदा दिशा-निर्देशों और लागू कानूनों के तहत उचित कार्रवाई की जा सकती है, जिसमें मान्यता का निलंबन या वित्तीय सहायता का निलंबन शामिल है।

हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण की चौथी बैठक में मुख्यमंत्री ने उठाए किसानों के हित में कदम

समाज जागरण

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने "हरियाणा किसान कल्याण प्राधिकरण" की चौथी बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि वे ऑर्गेनिक फसलों की उपज के प्रमाणीकरण के लिए लैब स्थापित करने की दिशा में कदम उठाएं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रमाणीकरण के बाद किसानों को उनकी उपज के लिए उचित और बेहतर कीमत मिल सके।

बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने मत्स्य पालन विभाग की नई पुस्तिका का भी विमोचन किया, जिससे मत्स्य पालन क्षेत्र में किसानों और उद्यमियों को मार्गदर्शन और लाभ मिलेगा।

39वां सूरजकुंड अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव की दस्तक

सूरजकुंड में आयोजित 39वां अंतर्राष्ट्रीय आत्मनिर्भर शिल्प महोत्सव इस बार राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर सांस्कृतिक और पर्यटन मानचित्र पर अपनी मजबूत पहचान बनाएगा।

यह महोत्सव न केवल राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय कलाकारों, हस्तशिल्पियों और बुनकरों की सांस्कृतिक विरासत को सशक्त करेगा, बल्कि वैचारिक एवं व्यापारिक गतिविधियों को भी नई गति देगा। आयोजन से जुड़े कार्यक्रमों और प्रदर्शनियों के माध्यम से स्थानीय कारीगरों और उद्यमियों को वैश्विक मंच पर अवसर प्राप्त होंगे।

विधायक खेल महाकुंभ में मंडल आयुक्त ने खिलाड़ियों का बढ़ाया हौसला

आदिवासी सुनील त्रिपाठी/ समाज जागरण

सोनभद्र। विधायक खेल महाकुंभ के अवसर पर आयोजित हाइडल मैदान में खेल प्रतियोगिता में मंडल आयुक्त मीरजापुर श्री राजेश प्रकाश ने सह भागिता करते हुए खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उन्होंने खिलाड़ियों से संवाद कर उनके खेल प्रदर्शन की सराहना की तथा उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दीं।

मंडल आयुक्त ने कहा कि खेल न केवल शारीरिक और मानसिक विकास का माध्यम हैं, बल्कि युवाओं को अनुशासन, नेतृत्व और आत्मविश्वास भी प्रदान करते हैं। उन्होंने खिलाड़ियों से निरंतर अभ्यास करते हुए राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर क्षेत्र का नाम रोशन करने का आह्वान किया। कार्यक्रम में विधायक खेल महाकुंभ के अंतर्गत विभिन्न खेल प्रति योगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में खिला ड़ियों ने भाग लिया। आयोजन को लेकर खिलाड़ियों एवं दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिला। इस अवसर पर मा विधायक सदर श्री भूपेश चौबे, अपर जिलाधिकारी न्यायिक श्री रमेश चन्द्र, खेल प्रशि क्षक, जनप्रतिनिधि एवं बड़ी संख्या में खेल प्रेमी उपस्थित रहे।

नगर पंचायत चोपन में बिना सूचना बोर्ड कराए जा रहे निर्माण कार्य, शासनादेशों की उड़ रही धज्जियाँ

आदिवासी सुनील त्रिपाठी/ समाज जागरण

कार्यालय नगर पंचायत चोपन–सोनभद्र

पत्रांक– 316/न0पं0चो0/2025–26 दिनांक– 24/01/2026

सेवा में,
श्रीमान् जिलाधिकारी महोदय,
सोनभद्र।

विषय–जनसुनवाई आई0जी0आर0एस0 पर शिकायत संख्या–60000260003186 के निस्तारण के सम्बन्ध में।

महोदय,
कृपया उपरोक्त विषय का संदर्भ ग्रहण करने का कष्ट करें, जो शिकायतकर्ता संजय कुमार जैन, निवासी–चोपन–सोनभद्र का निर्माण कार्यों में सूचना बोर्ड लगाये जाने की मांग से सम्बन्धित है। उक्त के सम्बन्ध में अवगत कराना है कि नगर पंचायत चोपन सोनभद्र क्षेत्रान्तर्गत जो भी निर्माण कार्य चल रहे है उनकी सूचना बोर्ड लगाये जाने हेतु सम्बन्धित ठेकेदार को निर्देशित कर दिया गया है।

अतः शिकायतकर्ता संजय कुमार जैन, निवासी–चोपन–सोनभद्र के शिकायत संख्या–60000260003186 को निस्तारित करने का कष्ट करें।

भवदीय
अधिशासी अधिकारी
नगर पंचायत चोपन
सोनभद्र

पत्रांक एवं दिनांक–तदैव।
प्रतिलिपि–संजय कुमार जैन, निवासी–चोपन–सोनभद्र, को सूचनार्थ।

सोनभद्र। आदर्श नगर पंचायत चोपन में सड़क, नाली एवं खड़ंजा निर्माण कार्य शासनादेशों के बावजूद बिना सूचना बोर्ड लगाए कराए जा रहे हैं। यह गंभीर अनियमितता जनसुनवाई पोर्टल पर की गई शिकायत के बाद नगर पंचायत द्वारा प्रस्तुत आख्या से स्वयं उजागर हुई है। नगर पंचायत चोपन में चल रहे विभिन्न निर्माण कार्यों को लेकर जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई गई थी। शिकायत के क्रम में नगर पंचायत द्वारा दिनांक 24 जनवरी 2026 को प्रस्तुत आख्या में यह स्पष्ट रूप से स्वीकार किया गया है कि किसी भी निर्माण स्थल पर शासनादेशानुसार निमार्णाधीन सूचना बोर्ड नहीं लगाया गया था। नगर विकास विभाग, उत्तर प्रदेश द्वारा जारी निदेशों के अनुसार प्रत्येक निर्माण कार्य स्थल पर सूचना बोर्ड लगाया जाना अनिवार्य है, जिसमें कार्य का नाम, स्वीकृत लागत, वित्तीय वर्ष, कार्य प्रारंभ एवं पूर्णता तिथि तथा ठेकेदार का नाम अंकित होना चाहिए। इसके बावजूद नगर पंचायत क्षेत्र में यह अनिवार्यता पूरी तरह नजरअंदाज की गई।

आख्या में केवल यह उल्लेख किया गया है कि संबंधित ठेकेदारों को सूचना बोर्ड लगाने हेतु निर्देश दे दिए गए हैं, किंतु अब तक किन-किन कार्य स्थलों पर सूचना बोर्ड लगाए गए, इसकी कोई सूची या प्रमाण प्रस्तुत नहीं किया गया है। साथ ही, सूचना बोर्ड न लगाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों अथवा कार्य दायी संस्थाओं पर किसी प्रकार की कार्रवाई का भी उल्लेख नहीं है। सूचना बोर्ड न होने के कारण निर्माण कार्यों की लागत एवं गुणवत्ता को लेकर पारदर्शिता समाप्त हो रही है और जनता को आवश्यक जानकारी से वंचित रखा जा रहा है। इससे कार्यों में अनियमितता एवं भ्रष्टाचार की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। शिकायतकर्ता ने मांग की है कि नगर पंचायत चोपन में कराए जा रहे सभी निर्माण कार्यों की स्थलीय जांच कराई जाए, सूचना बोर्ड न लगाने के लिए जिम्मेदार अधिकारियों एवं ठेकेदारों पर कार्रवाई की जाए तथा भविष्य में प्रत्येक निर्माण स्थल पर सूचना बोर्ड लगाना अनिवार्य रूप से सुनिश्चित कराया जाए।

सोनभद्र पुलिस का बड़ा प्रहार : 30 ग्राम हेरोईन (अनुमानित कीमत लगभग ₹30 लाख), लग्जरी कार व तस्करी नेटवर्क का खुलासा

अनिल कुमार अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा द्वारा अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक अनिल कुमार एवं क्षेत्रा धिकारी ओबरा अमीत कुमार के निर्देशन में तथा थानाध्यक्ष शक्तिनगर श्री कमल नयन दूबे के नेतृत्व में मादक पदार्थ तस्करी के विरुद्ध प्रभावी कार्यवाही की गई। दिनांक 27.01.2026 को समय करीब 23.55 बजे थाना शक्तिनगर पुलिस टीम द्वारा मुखबिर की सूचना पर कोहरौल पानी टंकी के पास से एक अभियुक्त को 30 ग्राम अवैध हेरोईन के साथ गिरफ्तार किया गया।

उक्त बरामदगी एवं गिरफ्तारी के आधार पर थाना शक्तिनगर पर मु0अ0सं0-20/2026धारा 8/21 /27A/29 NDPS Act के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम व पता :-1सुनील भारती पुत्र शिवमंगल भारती निवासी निमियाटाड़ बस्ती थाना शक्तिनगर जनपद सोनभद्र उम्र करीब 32 वर्ष पूछताछ का विवरण :- पूछताछ के दौरान अभियुक्त सुनील भारती द्वारा बताया गया कि वह काफी समय से हेरोईन बिक्री के अवैध धंधे में संलिप्त है, इस अवैध कारोबार में उसके साथी दीपक भारती एवं कबीर उर्फ रमेश भी शामिल हैं, जो बाहर से हेरोईन मंगवाते हैं। अभियुक्त उनके माध्यम से हेरोईन प्राप्त कर उसे पुड़िया बनाकर फुटकर एवं थोक में बिक्री करता है।अभियुक्त ने यह भी बताया कि उसके पास से बरामद हेरोईन दीपक भारती से खरीदी गई थी तथा हेरोईन बिक्री से प्राप्त धनराशि से उसने स्विफ्ट डिजायर कार क्रय की थी। अभियुक्त ने यह भी स्वीकार किया कि वह पूर्व में भी इसी प्रकार के मामलों में जेल जा चुका है।

पुलिया से टकराकर बाईक सवार किशोर की मौत, परिजनों में मचा कोहराम

दो अन्य किशोरों को मामूली चोटें, सड़क सुरक्षा पर सबसे बड़ा सवाल

अनिल कुमार अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। कोन थाना क्षेत्र के ग्राम कचनरवा अंतर्गत बरवाहीखोली में मंगलवार की देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मोटर साइकिल सवार अनियंत्रित होकर पुलिया से टकरा गये, जिससे एक किशोर की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य को मामूली चोटें आई है।

स्थानीय लोगों के अनुसार बाईक हर जल जीवन मिशन के एक कर्मचारी का बताया जा रहा है, जिसे दुकान जाने का बहाना बनाकर जल जीवन मिशन की टंकी बरवाहीखोली से मंगलवार देर शाम लगभग 7.30 बजे बाईक लेकर तीनों किशोर एक ही बाईक से सवार होकर सड़क पर गाड़ी चलाने की ललक से निकले थे कि जैसे ही वे बरवाहीखोली पानी टंकी से कुछ दूर आगे भैंसबहरी बांध के सामने पुलिया पर पहुंचे, तभी बाइक अचानक अनियंत्रित हो गई और पुलिया से जा टकराई जहाँ एक किशोर को गंभीर चोटें आई जिसकी मौके पर मौत हो गयी और अन्य दोनों किशोर मौके से फरार होकर चुपचाप अपने अपने घर दुबक कर सो गये। जिसके क्रम में वाहन स्वामी अपने साथियों के साथ रात लगभग 11.30 बजे बाईक और बाईक चालक को खोजने लगे तभी पता चला कि बाईक दुर्घटनाग्रस्त हो गई। जिसके क्रम बाईक पुलिया के नीचे मिली, जिसकी सूचना स्थानीय लोगों द्वारा स्थानीय प्रशासन को दी। ग्रामीणों के अनुसार हादसे में कृष्णा चेरो पुत्र सुरेश चेरो (उम्र लगभग 14 वर्ष) की मौके पर ही मौत हो गई। वहीं विजय पुत्र जवाहीर पुत्र जवाहीर चेरो (15 वर्ष) एवं शेषमणि पुत्र अजय चेरो (16 वर्ष) हल्की फुलकी चोटें आई पर हादसे में डर की वजह से चोटें आने के बाद भी घर में दुबके थे। जिसे स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया, जहां उनकी हालत सामान्य बताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस द्वारा आगे की कार्रवाई की जा रही है। इस हादसे ने एक बार फिर सड़क सुरक्षा को लेकर सवाल खड़ा किया है।

ओबरा को मिली विकास की बड़ी सौगात, नवनिर्मित भवन का मंत्री संजीव गौड़ ने किया लोकार्पण

ब्यूरो चीफ सोनभद्र/ समाज जागरण

सोनभद्र। ओबरा क्षेत्र के विकास इतिहास में एक और स्वर्णिम अध्याय जुड़ गया, ओबरा में निर्मित अत्या धुनिक भवन का लोकार्पण आज माननीय मंत्री संजीव गौड़ द्वारा पूरे विधि-विधान, पूजा अर्चना, फीता काटकर शीलापट्ट का अनावरण करके भव्यता के साथ किया गया। समारोह में जनसैलाब उमड़ पड़ा और पूरा वातावरण विकास, उत्साह और उल्लास से भर गया। लोकार्पण समारोह के अवसर पर उपस्थित जनसमूह को संबोधित करते हुए मंत्री श्री संजीव गौड़ ने कहा कि यह भवन केवल ईंट-पत्थर की संरचना नहीं, बल्कि ओबरा की प्रगति और उज्ज्वल भविष्य का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि विकास योजनाएं धरातल पर उतरें और आमजन को सीधे लाभ मिले। यह भवन क्षेत्रवासियों को बेहतर प्रशासनिक एवं जनसुविधाएं प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश की मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी के नेतृत्व में जनपद का चैमुखी विकास हो रहा है, मा0 मुख्यमंत्री जी ने 4 सितम्बर, 2020 को ओबरा तहसील की सौगात जनपद को दी थी और जो अपने भवन में न होकर अन्यत्र भवन में संचालित हो रही थी, प्रदेश सरकार द्वारा जनपद सोनभद्र के तहसील भवन हेतु 965.34 लाख धनराशि आवंटित किया गया, जिससे नये तहसील भवन का निर्माण 02 जून,2025 को प्रारंभ हो गया और अति तीव्र गति से भवन का निर्माण कार्य प्रारंभ किया गया और आज यह तहसील भवन बनकर तैयार हुआ है, जिसका लोकार्पण आज किया जा रहा है, सभी प्रशासकीय कार्यों का संचालन अब इसी भवन से होगा। तहसील ओबरा के अनवासीय भवन का भी आज शिलान्यास किया गया, जो शीघ्र बनकर तैयार होगा और अधिकारियों व कर्मचारियों को रहने में सुविधा उपलब्ध होगी। इस नये भवन के सचालन से प्रशासनिक कार्य में तेजी आयेगी, आम जनता को एक ही परिसर में राजस्व व न्यायिक सुविधा उपलब्ध होगी। मा0 मंत्री जी ने कहा कि ओबरा सहित पूरे क्षेत्र में विकास कार्य निरंतर गति पकड़ रहे हैं और आने वाले समय में कई और महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ जनता को मिलेगा। उन्होंने भवन निर्माण में योगदान देने वाले अभि यंताओं, अधिकारियों एवं श्रमिकों की सराहना की। इस अवसर पर जिलाधिकारी बी0एन0 सिंह ने कहा कि ओबरा तहसील के लिए आज हर्ष का विषय है कि तहसील का अनावासीय भवन बनकर तैयार हुआ है, जिसका लोकार्पण आज किया जा रहा है, इस तहसील के भवन का शिलान्यास मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्यनाथ जी द्वरा 16 जनवरी,2025 को किया गया था, जो शीघ्र गति से कार्य करते हुए आज बनकर तैयार हुआ है, इस भवन में 3 बड़े हाल का निर्माण किया गया है, उन्होंने कहा कि इसी परिसर के पास आज आवासीय भवन का शिलान्याय किया गया, इस भवन के पास क्षेत्राधिकारी कार्यालय हेतु जमीन चिन्हित की जा रही है, जिसका निर्माण भी भूमि चिन्हित होने के उपरान्त प्रारंभ हो सकेगा। तहसील के इस भवन को बन जाने से तहसील में आने वाले बुजुर्गों, दिव्यागों और दूर-दूराज से आने वाले ग्रामीणों के लिए बैठक की सुविधा उपलब्ध रहेगी। आय, जाति, निवास प्रमाण-पत्र, खतौनी और जमीन सम्बन्धी समस्याओं का निस्तारण अब एक ही स्थान से हो पायेगा। इस मौके पर भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता, उपाध्यक्ष अनुसूचित जाति/ जनजाति आयोग जीत सिंह खरवार ने भी अपने विचार व्यक्त किये, उन्होंने कहा कि मा0 मुख्यमंत्री श्री योगी आदित्य नाथ जी के नेतृत्व में प्रदेश व जनपद का विकास हो रहा है और नये-नये प्रशासनिक भवन बनकर तैयार हो रहे हैं, जिसमें आमजन को बेहतर सुविधाओं का लाभ मिल रहा है। इस मौके पर मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी, सी0जे0एम0 आर0 के0 अग्रवाल, सुहेल देव पार्टी के अध्यक्ष पंकज देव पाण्डेय, निषाद पार्टी के अध्यक्ष अनिकेत निषाद, जिला पंचायत सदस्य के प्रतिनिधि संजीव तिवारी, अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) वागीश कुमार शुक्ला, अपर जिलाधिकारी (नमामि गंगे) रोहित यादव, जिला विकास अधिकारी हेमन्त कुमार सिंह, जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण, ब्लाक प्रमुख म्योरपुर मानसिंह गौड़, सोनभद्र बार एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री अशोक श्रीवास्तव, सोनांचल बार एसोसिएशन के अध्यक्ष, अध्यक्ष कपूर चन्द्र पाण्डेय सहित सम्मानित जनप्रतिनिधिगण,अधिवक्तागण, अधि कारीगण उपस्थित रहें।

अर्ध विक्षिप्त युवक का रक्तरंजित मिला शव

नशे के कारोबार पर फिर उठे सवाल, पुलिस जांच में जुटी

विजय शंकर पाण्डेय/ समाज जागरण

सोनभद्र। जनपद के पन्नुगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत रामगढ़ बाजार में बुधवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब मेन रोड पर शहजादा साहब इंटर कॉलेज के गेट के पास एक अर्धविक्षिप्त युवक का रक्तरंजित शव मिला। युवक की गला रेतकर नृशंस हत्या की गई थी, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

मृतक की पहचान मंगरू के रूप में हुई है, जो बीते लगभग दस वर्षों से रामगढ़ बाजार और आसपास के क्षेत्रों में भिक्षाटन कर अपना जीवन यापन कर रहा था। स्थानीय लोगों के अनुसार मंगरू मानसिक रूप से अस्वस्थ था और अक्सर सड़क किनारे या दुकानों के सामने रात बिताया करता था। सुबह टहलने निकले लोगों ने जब कॉलेज गेट के पास मंगरू का शव पड़ा देखा तो तत्काल स्थानीय राहगीरों और दुकानदारों की भीड़ जमा हो गई। सूचना मिलते ही पन्नुगंज थाना पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू की। घटनास्थल से मृतक के पास मौजूद कुछ सामान भी बरामद हुआ है, जिससे हत्या के पीछे लूट या चोरी की मंशा की आशंका जताई जा रही है। स्थानीय लोगों का आरोप है कि रामगढ़ और आसपास के इलाकों में इस समय नशे का अवैध कारोबार धड़ल्ले से चल रहा है, विशेषकर हीरोइन और अन्य नशीले पदार्थों की खुलेआम बिक्री हो रही है। राहगीरों और स्थानीय नागरिकों का मानना है कि नशे के आदी तत्वों ने ही चोरी की नीयत से मंगरू की निर्मम हत्या की है। घटना के बाद क्षेत्र में भय और आक्रोश का माहौल है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है और आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। साथ ही नशे के नेटवर्क से जुड़े संदिग्धों से भी पूछताछ की जा रही है। पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही हत्या का खुलासा कर दोषियों को गिरफ्तार किया जाएगा। इस घटना ने एक बार फिर पन्नुगंज थाना क्षेत्र में बढ़ते अपराध और नशे के कारोबार पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। आमजन की मांग है कि प्रशासन नशे के अवैध धंधे पर सख्ती से कार्रवाई करे, ताकि ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

पूर्णाहुति और भंडारे के साथ गायत्री महायज्ञ का हुआ समापन

•~ गायत्री महामंत्र और विशिष्ट मंत्रों के साथ यज्ञ भगवान को समर्पित कींआहुतियाँ

विजय शंकर पांडेय/ समाज जागरण

सोनभद्र।अखिल विश्व गायत्री परिवार शांतिकुंज हरिद्वार के तत्वावधान में आयोजित १२ कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं शताब्दी समारोह के अंतिम दिवस प्रातः काल से ही कई पालियों में यज्ञ भगवान को गायत्री महामंत्र सहित विशिष्ट मंत्रों की आहुतियां समर्पित की गयी। दीक्षारंभ और विद्यारंभ संस्कारों के साथ देवस्थापना का आयोजन किया गया। प्रातः कालीन सत्र में कई पालियों में बड़ी संख्या में याज्ञिकों ने व्यक्ति, समाज, राष्ट्र कल्याण और विश्व शांति हेतु गायत्री महामंत्र और विशिष्ट मंत्रों के साथ यज्ञ भगवान को आहुतियाँ समर्पित कीं। मुख्य यजमान ओबरा तापीय परियोजना के महा प्रबंधक इंजीनियर सोमनाथ मिश्र ने सप त्नीक देवमंच, सर्वतोभद्र वेदिका पूजन और आरती और विसर्जन किया। ओबरा तापीय परि योजना के मुख्य महाप्रबंधक आर के अग्रवाल ने देवमंच पर पूजन किया। गायत्री महायज्ञ एवं शताब्दी समारोह की विद्वत टोली प्रमुख श्रीमती ऊषा शर्मा ने दीक्षा संस्कार में गुरु की महत्ता पर अपने प्रवचन में कहा कि-"दीक्षा संस्कार में भिक्षाटन शिष्य के अहंकार को गलाता है। वेदों का मूल गायत्री है इसलिए जीवन में नियमित रूप से गायत्री उपासना अनिवार्य रूप से करनी चाहिए साथ ही अपने ज्ञान धन, समय और अन्न का एक अंश भी प्रतिदिन निकलना चाहिए।" शांतिकुंज हरिद्वार से आए संगीतकार सरोज पाण्डेय ने यज्ञीय कर्मकांडो को संगीत का स्वर प्रदान किया। वाराणसी से आए प्राणयोगी डॉ० डी पी चौधरी और डॉ० प्रभात कुमार आनंद ने प्रगति प्राकृतिक एवं एक्यूप्रेशर केंद्र के माध्यम से कई रोगियों का उपचार किया।यज्ञ की पूणार्हुति और विसर्जन के बाद बड़ी संख्या में लोगों ने भोजन प्रसाद ग्रहण किया। शांतिकुंज हरिद्वार से आई टोली की विदाई पर श्रद्धेया ऊषा शर्मा दीदी की भावाभिव्यक्ति और संगीत कार सरोज पाण्डेय के विदाई गीत ने सबकी आंखों को नम कर दिया। इस दौरान गायत्री परिवार ओबरा के संरक्षक प्रकाश गिरि, राम मंदिर ओबरा के सचिव नीलकांत तिवारी, प्रदीप जायसवाल, विनोद शर्मा, दीपक राय, प्रखर रत्नम,शिवम्, सुंदरम, दिनेश पाठक, प्रभाकर सिंह, सोना शुक्ला, देवकांति, सीमा साहू, सरिता साहू, ममता तिवारी, लक्ष्मी गुप्ता, महेंद्र गुप्ता, बेबी संगीता सिंह, रितु सिंह, अंजली कन्नौजिया, अजीत कन्नौजिया, उत्कर्ष, हार्दिक पुरवार, शशांक साहू,अथर्व, अर्पण, देव, शिखर, सोहम, वी एन पाण्डेय, हरीश अग्रहरि और ब्रह्मानंद मिश्र आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे। गायत्री शक्तिपीठ के अध्यक्ष ई० सोमनाथ मिश्र तथा मुख्य प्रबंध ट्रस्टी मनमोहन शुक्ल ने गायत्री महायज्ञ के आयोजन में सहयोग के लिए दानदाताओं, राम मंदिर सेवा समिति और सभी कार्यकताओं के अथक परिश्रम के प्रति विनम्र आभार व्यक्त किया।

सोनभद्र पुलिस का बड़ा प्रहार : 60 किलो गांजा, दो लग्जरी स्कॉर्पियो व 05 तस्कर गिरफ्तार

अनिल कुमार अग्रहरी/ समाज जागरण

सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अभिषेक वर्मा के निर्देशन में मादक पदार्थ तस्करी से जुड़े अपराधों एवं अपराधियों के विरुद्ध प्रभावी अंकुश लगाए जाने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के क्रम में तथा अपर पुलिस अधीक्षक सोनभद्र अनिल कुमार एवं क्षेत्राधिकारी नगर रणधीर मिश्रा के पर्यवेक्षण में दिनांक 27.01.2026 को समय करीब 22.35 बजे थाना रॉबर्ट्सगंज एवं एसओजी टीम पुलिस द्वारा संदिग्ध वाहन/व्यक्ति चेकिंग के दौरान पुलिस लाइन मोड़ तिराहा क्षेत्रान्तर्गत मम्मी के ढाबा के पास बड़ी कार्यवाही की गई। पुलिस द्वारा दो काली स्कॉर्पियो वाहनों को संदिग्ध अवस्था में पकड़ा गया, जिनमें से एक वाहन पर कूटरचित नंबर प्लेट लगी पाई गई। तलाशी के दौरान स्कॉर्पियो क्लासिक S-11 संख्या OD-15-Z-4146 में दो बोरी में 40 किलोग्राम एवं स्कॉर्पियो N संख्या UP-32-NP-3600 से एक बोरी में बीस पैकेट (20 किलोग्राम) कुल 60 किलो ग्राम अवैध मादक पदार्थ गांजा, गांजा खरीद-बिक्री के ₹5,20,000/- नगद, 07 मोबाइल फोन तथा जामा तलाशी से ₹5,000/- नगद बरामद किए गए। मौके से कुल 05 अभियुक्तों को गिरफ्तार किया गया। उक्त प्रकरण में थाना राबर्ट्सगंज पर मु0अ0सं0- 74/2026 धारा 8/20/ 27/ 29/60 NDPS Act एवं कूटरचित नंबर प्लेट प्रयोग करने के संबंध में धारा 336(3), 340(2), 345 (3)(b) BNS के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत कर अग्रिम विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों का नाम व पता :- 1. भाष्कर दूबे पुत्र शशिकान्त दूबे उम्र करीब 27 वर्ष निवासी ग्राम पूरे संगम दूबे थाना बल्दीराय जनपद सुल्तानपुर। 2. शुभम तिवारी पुत्र विरेन्द्र तिवारी निवासी ग्राम पूरे पराग जेठू मवई थाना गौरीगंज जिला अमेठी उ0प्र0 उम्र करीब 31 वर्ष। 3. लकी यादव पुत्र सुरेशचन्द्र यादव उर्फ मुन्ना निवासी ग्राम अशरफपुर थाना बल्दीराय जिला सुल्तानपुर उम्र 28 वर्ष। 4. सुनील कुमार यादव पुत्र श्री श्यामलाल यादव उम्र करीब 40 वर्ष निवासी ग्राम 244/2 आदर्शपुरम रतापुर थाना मील एरिया जनपद रायबरेली उ०प्र० वर्तमान पता सुल्तानपुर पुलिस लाईन। 5. सूरज कुमार सोनी पुत्र शिवकुमार सोनी उम्र करीब 26 वर्ष निवासी ग्राम रायपुर सगरा देवीपाटन रोड थाना अमेठी जनपद अमेठी उ०प्र०। पूछताछ का विवरणः- गिरफ्तार अभियुक्तों में से भास्कर दूबे, शुभम तिवारी एवं लकी यादव द्वारा बताया गया कि वे दो-तीन दिन पूर्व स्कॉर्पियो क्लासिक र-11 से उड़ीसा के गांजा सप्लायर से संपर्क कर छत्तीसगढ़ की ओर गांजा लेने गए थे तथा वहीं से गांजा लेकर वापस आ रहे थे। वहीं स्कॉर्पियो-एन से सूरज सोनी एवं सुनील कुमार यादव उक्त गांजा लेने के लिए आए थे। उक्त समय गांजा को एक वाहन से दूसरे वाहन में स्थानांतरित किया जा रहा था, तभी पुलिस द्वारा उन्हें पकड़ लिया गया। स्कॉर्पियो क्लासिक वाहन में सवार भास्कर दूबे, शुभम तिवारी एवं लकी यादव द्वारा अपने पैसे लगाकर उड़ीसा से गांजा खरीदकर लाया जाना बताया गया। बरामद नकद धनराशि के संबंध में बताया गया कि स्कॉर्पियो क्लासिक से प्राप्त धनराशि वही रकम है जो सुनील कुमार यादव एवं सूरज सोनी द्वारा उन्हें गांजा की खरीद के एवज में दी जानी थी, जबकि स्कॉर्पियो-एन से बरामद धनराशि गांजा खरीद का बचा हुआ पैसा है,

क्योंकि अपेक्षित मात्रा में गांजा प्राप्त नहीं हो सका था। गांजा उपलब्ध कराने वाले व्यक्ति का नाम अर्जुन बताया गया, जिसका मोबाइल नंबर 94394 53867 है, जिसके संबंध में अन्य कोई विवरण ज्ञात होना नहीं बताया गया।

एसबीआई फाउंडेशन के सहयोग से प्रयत्न संस्था की ओर से स्वच्छ भारत अभियान के तहत स्वच्छता रैली व अन्य प्रतियोगिताओं का हुआ आयोजन

विजय शंकर पाण्डेय/ समाज जागरण

खलियारी/ सोनभद्र। नगवां ब्लॉक के मड़पा गांव में एस बी आई फाउंडेशन के सहयोग से प्रयत्न संस्था द्वारा एसबीआई संजीवनी क्लिनिक ऑन व्हील्स परियोजना के तहत स्वच्छ भारत अभियान जागरूकता कार्य क्रम ग्राम प्रधान अमृत लाल यादव अध्यक्षता में किया गया।

इस अवसर पर स्वच्छता रैली को उच्च प्राथमिक विद्यालय से प्रधान जी के द्वारा हरी झंडी दिखा कर रवाना किया गया जो कि पूरे गांव में स्वच्छता बैनर एवं नारों की तख्ती लेकर गूंज के लोगो को जागरूक किया गया जिसमें राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय मड़पा, राजकीय प्राथमिक माध्यमिक विद्यालय एवं वनवासी शिक्षण संस्थान से 300 से अधिक स्कूली बच्चों एवं लोगों ने भागीदारी की तथा स्वच्छता हेतु शपथ ग्रहण की इस जागरूकता योगिता, भाषण प्रतियोगिता एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम किया गया।

संस्था की ओर से तीनों विद्यालयों में कक्षा के अनुसार नियमित एवं साफ सफाई से आने वाले प्रत्येक कक्षा से 1 बालक एवं 1 बालिका, ड्राइंग प्रतियोगिता, सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को पानी बोतल एवं हार्डबोर्ड शीट, डिक्शनरी, बाल पेन पुरुष्कार के रूप में दिया गया संस्था की ओर से स्वच्छ भारत अभियान के तहत तीनों स्कूल,आंगनवाड़ी एवं पंचायत घर पर उपयोग हेतु

डस्टबिन एवं हैंडवाश, झाड़ू,सनेटेरी पैड आदि रखवाये गये और सभी बच्चों को नेल कटर एवं रुमाल आदि दिए गये इस अवसर पर एस बी आई संजीवनी क्लिनिक ऑन व्हील्स परियोजना अधिकारी सुन्दर सिंह ने संस्था एवं परियोजना के बारे में बताते हुए बताया कि प्रयत्न संस्था नगवा ब्लॉक के 20 चयनित गाँवो में एसबीआई संजीवनी क्लिनिक ऑन व्हील्स परियोजना के माध्यम से मोबाइल ओ पी डी के माध्यम से सुदूरवर्ती गाँवो में स्वास्थ्य विभाग के साथ मिलकर कार्य कर रही है।

ग्राम प्रधान श्री अमृत लाल यादव जी ने एस बी आई फाउंडेशन एवं प्रयत्न संस्था के पहाड़ी एवं दुर्गम क्षेत्र स्वछता के प्रति जागरूकता हेतु एवं बच्चों का मनोबल बढ़ाने के हेतु की सराहना की टीम में परियोजना अधिकारी सुन्दर सिंह, मेडिकल ऑफिसर डॉ यश शर्मा,फार्मासिस्ट सुधाकर प्रजापति, स्टॉफ नर्स सुनैना, लैब टेक्शशियन मनोज कुमार वर्मा, पायलट धर्मेन्द्र कुमार, प्राथमिक विद्यालय प्रधानाचार्य श्री रसानंद सागर जी, रा0 उच्च प्राथमिक विद्यालय प्रधानाचार्य श्री विपिन पाण्डेय, वनवासी शिक्षण संस्थान से तैयब अली, एवं बी डी सी कला मुद्दीन, आशा ममता कुमारी आदि ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

रोहनिया विधायक ने मोहनसराय अदलपुरा मार्ग पर सोलर लाइट का किया लोकार्पण

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। रोहनिया विधानसभा क्षेत्र में विकास की धारा को गति प्रदान करते हुए रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने बुधवार को मोहनसराय में अदलपुरा रोड पर प्रकाश व्यवस्था हेतु वाराणसी विकास प्राधिकरण द्वारा अवस्थापना निधि से 160.93 लाख रुपये के लागत की 120 वाट के क्षमता की स्थापित ऑल इन वन 85 सोलर लाइट का लोकार्पण किया।रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने बताया कि मोहन सराय चौराहे से लेकर मिल्कीचक रेलवे ओवर ब्रिज के उस पार तक लगभग 1 किलोमीटर की दूरी तक सड़क के दोनों तरफ ऑटोमेटिक सोलर लाइट लगाई गई है जिससे लोगों को रात्रि के समय आने-जाने मे अंधेरा से निजात मिलेगा। इस सोलर लाइट के लगाए जाने से क्षेत्र के लोगों में काफी हर्ष व्याप्त है। लोगों का कहना था कि रेलवे ओवर ब्रिज पर अंधेरा होने के कारण आवागमन हेतु काफी भय बना रहता था। विधायक ने आगामी विभिन्न विकास कार्यों के बारे में भी लोगों को अवगत कराया। इस सराहनीय कार्य को लेकर क्षेत्रीय लोगों ने विधायक जी का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में आए हुए अतिथियों का स्वागत विकास प्राधिकरण के अधिशासी अभियंता सत्य प्रकाश वर्मा तथा व्यवस्थापक रमाशंकर गुप्ता ने पुष्प गुच्छ देकर की।कार्यक्रम का संचालन राजकुमार वर्मा तथा धन्यवाद ज्ञापन क्षेत्रीय अध्यक्ष डॉ नरेंद्र पटेल ने की।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से विधानसभा अध्यक्ष अपना दल एस बसंत लाल पटेल,ओम प्रकाश सिंह, ग्राम प्रधान मनोज पटेल,रमाशंकर गुप्ता,अमलेश मिश्रा, विनोद गुप्ता ,रमेश चंद्र गुप्ता सोनू,तूफानी यादव, सुपरवाइजर गुड्डू, शीतला प्रसाद पटवारी, इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

अवादा फाउंडेशन ने मेगा कबड्डी टूनार्मेंट के माध्यम से समुदायों को जोड़ा

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी।। ग्रामीण प्रतिभा सामुदायिक एकता और खेल भावना को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से अवादा फाउंडेशन द्वारा तारसी गाँव में तीन दिवसीय मेगा कबड्डी टूनामेंट का सफल आयोजन किया गया।इस आयोजन ने क्षेत्रीय युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने का एक सशक्त और प्रेरणादायक मंच प्रदान किया।अवादा फाउंडेशन, अवादा समूह की कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व इकाई है, जो शिक्षा, स्वास्थ्य, खेल एवं सामुदायिक सशक्तिकरण के क्षेत्रों में निरंतर कार्य कर रही है। हर गाँव के साथ, हर कदम साथ के अपने मूल दर्शन और लोगों की खुशी ही प्रगति का आधार है के विश्वास के साथ फाउंडेशन जमीनी स्तर पर सकारात्मक और समावेशी परिवर्तन लाने हेतु प्रतिबद्ध है। सामाजिक सहभागिता, उत्तरदायित्व और सतत विकास इसके प्रत्येक प्रयास का मूल आधार हैं।इस अवसर पर अवादा फाउंडेशन की निदेशक सुश्री ऋतु पटवारी ने कहा कि फाउंडेशन का उद्देश्य गाँवों में छिपी हुई खेल प्रतिभाओं की पहचान कर उन्हें सम्मानित करना और ऐसा सशक्त मंच तैयार करना है, जिससे युवा आगे बढ़ सकें और

खेल के क्षेत्र में अपनी क्षमता को निखार सकें।प्रतियोगिता में 60 किलोग्राम भार वर्ग में आयोजित इस टूनार्मेंट में कुल 36 टीमों ने भाग लिया, जिनमें भोपाल एवं अमरावती की टीमें भी शामिल रहीं। विभिन्न क्षेत्रों से आई टीमों की भागीदारी ने इस आयोजन को ग्रामीण खेल संस्कृति का एक जीवंत और उत्साहपूर्ण उत्सव बना दिया।प्रतिभागियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन को सम्मानित करने हेतु अवादा फाउंडेशन द्वारा प्रथम पुरस्कारः 20,001 एवं 8 फीट ट्रॉफी,द्वितीय पुरस्कारः 15,001 एवं 6 फीट ट्रॉफी तृतीय पुरस्कारः 10,001 एवं 4 फीट ट्रॉफी,चतुर्थ पुरस्कारः 5,001 एवं 3 फीट ट्रॉफीसाथ ही मैन ऑफ द सीरीज के लिए रेंजर साइकिल, मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी तथा फाइनलिस्ट टीमों के लिए चेंजिंग किट भी प्रदान की गई।इस आयोजन के माध्यम से अवादा फाउंडेशन ने खेलों के जरिये न केवल ग्रामीण युवाओं को प्रोत्साहित किया, बल्कि सामुदायिक एकता को भी सुदृढ़ किया। यह टूनार्मेंट अनुशासन, आत्मविश्वास और सामूहिक आनंद का एक प्रेरणादायक उदाहरण बनकर उभरा।

पीएचसी हरहुआ पर 44 महिलाओं का दूरबीन विधि से हुआ बंध्याकरण।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। पीएचसी हरहुआ पर आज मंगलवार को 44 महिलाओं का दूरबीन विधि से सफल बंध्याकरण हुआ।

प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ0 सन्तोष कुमार ने अवगत कराया कि आशा कार्यकताओं को जिम्मेदारी देकर एम्बुलेंस के जरिये लाभार्थी को केंद्र लाया गया जहाँ पर विशेषज्ञ डॉ0 सन्तोष यादव ने ऑपरेशन किया। लाभार्थी को टांका कटने तक भारी सामान न उठाने व दिए गए किट का नियमित उपयोग कर सामान्य भोजन लें और ठंड से बचकर रहें। आशा कार्यकर्ता को प्रति लाभार्थी 200/और लाभार्थी के खाते में 2000/अगले दिन भेज दी जाती है। ऑपरेशन बाद हर लाभार्थी को एम्बुलेंस के द्वारा उनके घरों तक भेजा गया।

पिसौर फीडर से सात घण्टे विद्युत आपूर्ति रहेगी बाधित

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी। आज 29जनवरी को तरना से निर्गत पिसौर फीडर पर जर्जर तार को बदलने हेतु सुबह 10 बजे से शाम 5:00 बजे तक विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी। पिसौर फीडर के अंतर्गत आने वाले ग्राम जिसमें अहिरान, चमाव, सभईपुर, घमहापुर ,छतरीपुर, चुप्पेपुर, हटिया, घोड़हा, चमाव पश्चिमपुर की आपूर्ति बंद रहेगी।

सम्मानित उपभोक्ताओं से अनुरोध है की सुबह में ही अपने पानी सहित अन्य आवश्यक कार्य निपटाकर सहयोग करने का कष्ट करेंगे।

उक्त आशय की जानकारी एसडीओ श्रीपत तिवारी व दीपू प्रजापति ने दी है।

भट्ठे पर काम कर रहे मजदूर गर्भवती और धात्री महिलाओं को किया पोषण सामग्री वितरण

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी ।सेवा भावना से किया गया परोपकार जीवन मे सुखद एहसास कराता है।इस कार्य मे व्यक्तिगत व संस्थागत सेवा योगदान करने वाला पुण्य का भागी बनता है।

हरहुआ ब्लाक क्षेत्र में जन विकास समिति मुर्दहा वाराणसी द्वारा किया जा रहा हर अवसर पर सेवा कार्य सराहनीय जनसेवा का एक मिसाल है। आज बुधवार को ब्लाक क्षेत्र में 6 भट्ठे पर काम कर रही कुल 41 मजदूर गर्भवती और धात्री महिलाओं को पोषण सामग्री वितरण का कार्य किया गया। जिसमें एक किलो चना,एक किलो दाल,एक किलो गुड, 30 पीस अंडे, अल्फा अल्फा सीरप, लाइफबॉय साबुन सहित अन्य छोटी जरूरत की सामग्री शामिल रहा।

संस्था के निर्देशक चंद्रन रेमंड्स ने कहा कि लोग अपने लिए जीते हैं लेकिन दूसरों के लिए सेवा धर्म निभाकर कार्य करने में बेहद सुकून मिलता है।इस दिशा में संस्था व सभी कर्मी सेवा भावना से दूसरों की सेवा करने में जुटे हुए हैं।

निदेशक चंद्रन रेमंड्स ने पोषण सामग्री के वितरण का सराहनीय कार्य किया । इस कार्य के लिए पंचायतों के प्रधान, भट्ठा मालिकों ने सराहना किया।

परियोजना अधिकारी अभिषेक मिश्रा ने बताया कि गरीब महिलाओं को खास कर इस अवस्था में जिस सामग्री की जरूरत थी जिससे उन्हें काफी लाभ मिलेगा।किसी गरीब बेसहारा का सहारा सेवक बनना किसी धर्म कार्य से कम नहीं होता।इनकी प्रसव तक हर जरूरत पर विशेष नजर रखी जायेगी।

अधिकार-कर्तव्य का संतुलन ही करेगा आजादी की रक्षा-डा०अविनाश प्रधान

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर दैनिक समाज जागरण

गाजीपुर। देश के 77 वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर पूर्व ब्लाक प्रमुख मित्रसेन प्रधान अंत्येष्टि स्थल मां गंगा तट सुल्तानपुर पर राष्ट्रीय ध्वज डोम राजा सबूति राज ने फहराया। राष्ट्र गान के बाद आयोजित कार्यक्रम में पूर्व ग्राम प्रधान डा.अविनाश प्रधान ने कहा कि संविधान हमें अधिकार देता है तो कर्त्तव्य भी। दोनों का संतुलन ही हमारे आजादी की रक्षा करेगा और लोकतंत्र को मजबूत। जो जहां है वहीं अपने कर्तव्यों का पालन करे तो राष्ट्र का विकास होगा और उसके लाभार्थी देश के नागरिक होंगे। उन्होंने कहा कि पूर्व ब्लाक प्रमुख मित्रसेन प्रधान अंत्येष्टि स्थल से जुड़े लोगों ने शानदार कार्य किया है। अपने निर्माण से अब तक दस हजार से अधिक शवों को मां गंगा में प्रवाहित होने से रोका है।जिससे मां गंगा को प्रदूषित होने से बचाया और मां गंगा की निर्मल प्रवाह में योगदान किया है। अभी जो साफ सफाई है उसमें और बेहतर करने के साथ शवयात्रियों की सेवा का संकल्प

लेना होगा। आम लोगों की संतुष्टि ही ध्येय होना चाहिए। कार्यक्रम में रामाधार राज,गुड्डू राज,रामू राज,विरजू राज, ओम प्रकाश राज, पौव्वा राज, फगुनी राज, मुन्ना यादव, संतोष प्रधान, आनंद मोहन पांडेय, धीरज यादव आदि शामिल रहे।संचालन सुनील प्रधान ने किया। अंत में ग्राम प्रधान सुनिता गिरी द्वारा प्रेषित मिष्ठान का वितरण कर कार्यक्रम का समापन किया गया।

अथर्व त्रिपाठी ने खुद बनाया टैंक मॉडल ,बना आकर्षण का केंद्र

समाज जागरण रंजीत तिवारी

रामेश्वर वाराणसी।। आर्मी पब्लिक स्कूल, प्री-प्राइमरी विंग, वाराणसी में 76 वें गणतंत्र दिवस के पूर्व अवसर पर आयोजित समारोह में बालवाटिकाझ2 कक्षा के नन्हे छात्र अथर्व त्रिपाठी ने अपनी अनोखी रचनात्मक प्रतिभा से सभी का ध्यान आकर्षित किया। अथर्व द्वारा स्वयं निर्मित टैंक मॉडल कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण बना।

सरल घरेलू सामग्री से तैयार इस मॉडल के माध्यम से अथर्व ने भारतीय सेना के शौर्य और पराक्रम को दशार्ने का सराहनीय प्रयास किया। मंच पर जब अथर्व ने अपना मॉडल प्रस्तुत किया तो विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। शिक्षकगण, अभिभावक एवं अतिथिगण उसकी कला और सोच से अत्यंत प्रभावित हुए।

इस अवसर पर कक्षा शिक्षिका अवंतिका उपाध्याय ने कहा कि अथर्व में प्रारंभ से ही रचनात्मक सोच और सीखने की गहरी जिज्ञासा रही है। उन्होंने बताया कि ऐसे गतिविधियों से बच्चों के आत्मविश्वास, कल्पनाशीलता और देशभक्ति की भावना का विकास होता है। विद्यालय प्रबंधन एवं शिक्षकों ने अथर्व की मेहनत, अनुशासन और सृजनात्मक

जूनियर नेशनल कबड्डी में चमका करईल का सितारा

अंडर-19 कबड्डी में आशुतोष राय ने रचा इतिहास, करीमुद्दीन पुर रेलवे स्टेशन पर पहुंचते ही हुआ शानदार स्वागत

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर दैनिक समाज जागरण

गाजीपुर जनपद के मुहम्मदाबाद तहसील क्षेत्र के आखिरी छोर पर स्थित सोनवानी गांव निवासी विजेंद्र राय के पुत्र आशुतोष राय उर्फ आशु ने अंडर-19 जूनियर नेशनल कबड्डी प्रतियोगिता में उत्तर प्रदेश टीम का प्रतिनिधित्व करते हुए बहुत ही शानदार प्रदर्शन किया।इस प्रतियोगिता में यूपी टीम को द्वितीय स्थान दिलाने में आशुतोष राय की महत्वपूर्ण भूमिका रही। इस उपलब्धि से पूरे गांव और क्षेत्र में खुशी की लहर दौड़ गई है।

जूनियर नेशनल कबड्डी खेलकर लौटने पर जैसे ही आशुतोष राय लखनऊ छपरा एक्सप्रेस से करीमुद्दीनपुर रेलवे स्टेशन पहुंचे, वहां पहले से मौजूद परिजन, ग्रामीण और खेल प्रेमियों ने प्रमुख समाजसेवी धिरेन्द्र राय के नेतृत्व में फूल-मालाओं से उनका जोरदार स्वागत किया। स्टेशन से लेकर सोनवानी गांव तक उत्साह और गर्व का माहौल देखने को मिला। करीमुद्दीन पुर रेलवे स्टेशन से इस नौजवान का काफिला मां कष्टहरणी धाम पर पहुंचा।वहां दर्शन पूजन कर काफिला सोनवानी के लिए प्रस्थान किया।मां कष्टहरणी धाम में दर्शन पूजन का कार्य महेश्वर पाण्डेय के द्वारा सम्पन्न कराया गया। महेश्वर पाण्डेय ने मां की चुनरी भेंट की।

अपने पैतृक गांव सोनवानी पहुंचने पर उपस्थित ग्रामीणों ने ढोल-नगाड़ों और नारों के साथ क्षेत्र के होनहार खिलाड़ी का अभिनंदन किया।

ग्रामीणों और उपस्थित शुभचिंतकों ने आशुतोष की इस सफलता को पूरे क्षेत्र के लिए प्रेरणादायक बताया। उपस्थित लोगों का कहना है कि आशुतोष राय ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और अपने लगन के बल पर यह मुकाम हासिल किया है। जिससे गांव के अन्य युवाओं को भी खेल के क्षेत्र में आगे बढ़ने की प्रेरणा मिलेगी।

आशुतोष राय के पिता विजेंद्र राय ने बेटे की इस शानदार उपलब्धि पर प्रसन्नता जताते हुए कहा कि यह उसकी मेहनत और निरंतर अभ्यास का परिणाम है। वहीं क्षेत्रवासियों ने उम्मीद जताई कि आशुतोष भविष्य में राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी देश और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

जूनियर नेशनल कबड्डी में उत्तर प्रदेश टीम को उपविजेता बनाने वाले आशुतोष राय की यह सफलता सोनवानी गांव ही नहीं, बल्कि पूरे गाजीपुर जनपद के लिए निश्चित रूप से गौरव की बात है।

इस अवसर पर अश्वनी राय,पिंटू राय, जगनिवास राय, दिव्यांशु पटेल, संतोष मास्टर,जय प्रकाश पूर्व प्रधान,लाल जी यादव,भोला राय, विजेन्द्र राय,बेद प्रकाश राय,बम बम सिंह,मोनू राय,सोनू गुप्ता, समेत सैकड़ों की संख्या में लोग उपस्थित रहे।

गण को गौण होने से बचाए रखना तंत्र की ज़िम्मेदारी-हर्ष राय

डालिम्स सनबीम स्कूल गांधी नगर के परिसर में गणतंत्र दिवस समारोह व खेल उत्सव का आयोजन

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर दैनिक समाज जागरण

गाजीपुर जनपद के मुहम्मदाबाद तहसील क्षेत्र के गांधीनगर स्थित डालिम्स सनबीम स्कूल के परिसर में भव्यता के साथ गणतंत्र दिवस समारोह सम्पन्न हुआ।प्रातः साढ़े नौ बजे डालिम्स सनबीम स्कूल गांधी नगर के निदेशक हर्ष राय, प्रधानाचार्या डॉ. प्रेरणा राय द्वय के हाथों राष्ट्रीय ध्वज फहरा कर समारोह को विशिष्टता के साथ प्रारम्भ किया गया, तत्पश्चात मंच पर उपस्थित विद्यालय की कक्षा 11 की छात्राओं रिद्धि राय, शैलजा पांडेय, अंशिका पांडेय, इशिका तिवारी, अंशिका राय, अंजलि कन्नौजिया आदि ने भारतीय राष्ट्रगान का संगीतमय पाठ स्वरगान कर समारोह को अभिराम बनाया. राष्ट्रगान के पश्चात सत्यनारायण राय, मनन जी वर्मा, मनोज कुमार सिंह,अजीत राय,

प्रवीण वर्मा और सम्मानित अभिभावकों की उपस्थिति में निदेशक हर्ष राय, प्रधानाचार्या डॉ. प्रेरणा राय द्वय ने दीप प्रज्ज्वलित कर समारोह में स्थापित वाग्देवी के विग्रह को पुष्पार्पित किया.

डालिम्स सनबीम स्कूल गांधी नगर की कक्षा यूकेजी के छात्रों सुंदर और आशीष द्वारा गणतंत्र दिवस समारोह में जोश, दृढ़ता, विश्व एकता, ज्ञान और आशा का प्रतीक जलती हुई मशाल का धावन किया गया. तत्पश्चात विद्यालय की कक्षा नौवीं के छात्रों ने मार्चपास्ट कर गणतंत्र दिवस समारोह में उपस्थित जनसमूह को रोमांचित किया. मेधावी छात्रा शिवांगी सिंह ने उपस्थित लोगों को गणतंत्र के प्रति अपनी ज़िम्मेदारी को कृतज्ञता से निर्वहन करने की शपथ दिलाई गई. शिक्षिका और नृत्यकल्पक श्वेता यादव के निर्देशन में कक्षा तीन के छात्रों ने 'मैं भी मर भी जाऊँ, तो वतन ये याद रहेगा' गीत की सांगीतिक नृत्य प्रस्तुत की।

गणतंत्र दिवस समारोह की अध्यक्षता करते हुए डालिम्स सनबीम स्कूल गांधी नगर के निदेशक हर्ष राय ने कहा कि 26 जनवरी सिर्फ.एक छुट्टी का दिन नहीं है. यह हमें अपने देश के बारे में सोचने का दिन है.यह हमें अपने कर्तव्यों को याद करने का दिन है. इसलिए हमें अपने अधिकारों का भी ध्यान रखना चाहिए. हमें अपने देश को आगे बढ़ाने के लिए काम करना चाहिए. हम सभी को एक अच्छा नागरिक बनना चाहिए. हमें अपने देश पर गर्व होना चाहिए. स्कूल और कॉलेज बड़े उत्साह से गणतंत्र दिवस मनाते हैं. छात्र झंडा फहराते हैं, देशभक्ति के भाषण देते हैं और सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं. निबंध प्रतियोगिताएं भी होती हैं. खेल प्रतियोगिताएं होती हैं. वस्तुतः इन गतिविधियों से युवा पीढ़ी में देशभक्ति और एकता की भावना जाग्रत होती है. उन्होंने कहा कि आज हम अपने संविधान के मूल्यों को बनाए रखने और देश के उज्जवल भविष्य के निर्माण के लिए मिलकर काम करने का संकल्प लें. हमें अपने देश के लिए कुछ अच्छा करना चाहिए. हमें अपने देश से प्यार करना चाहिए.

अध्यक्षीय उद्बोधन के पश्चात डालिम्स सनबीम स्कूल गांधी नगर में तीन दिवसीय खेल उत्सव के अंतिम निर्णायक पड़ाव की शुरूआत हुई. खेल उत्सव में आयोजित विभिन्न

खेल प्रतिस्पधाओं में कक्षा नर्सरी से कक्षा यूकेजी के छात्र-छात्राओं ने प्रतिस्पर्धी के रूप में प्रतिभाग करते हुए 20 मीटर दौड़ प्रतियोगिता, 40 मीटर दौड़ प्रतियोगिता व 80 मीटर दौड़ प्रतियोगिता, बोरी दौड़ प्रतियोगिता, मेढ़क कूद प्रतियोगिता, थैला ढ़ो प्रतियोगिता, पगबाधा-पहेली प्रतियोगिता, रस्साकशी प्रतियोगिता, रन एंड डू प्रतियोगिता, ट्रेन बॉक्स दौड़ प्रतियोगिता, कैटरपिलर प्रतियोगिता, आक्टोपस प्रतियोगिता, डोली-कहार प्रतियोगिता और गुब्बारा फोड़ प्रतियोगिता में भाग लिया और स्वर्ण पदक, रजत पदक तथा कांस्य पदक के साथ उपयोगी पुरस्कार अर्जित किए. विजेता छात्र-छात्राओं को निदेशक हर्ष राय, मुरली सिंह, सत्यनारायण राय, करीमुद्दीनपुर गांव की ग्राम प्रधान फरीदा परवीन, राजेन्द्र प्रसाद वर्मा और लेक्चरर सिद्धांत राय के हाथों पदक धारित करा कर पुरस्कृत किया गया।

गणतंत्र दिवस समारोह को करीमुद्दीनपुर की प्रधान फरीदा परवीन, सत्यनारायण राय, सिद्धांत राय, मुरली सिंह, डॉ. सेराज अहमद और राजेन्द्र प्रसाद वर्मा ने सारगर्भित संबोधित किया और तंत्र में गण की वृहत्तर महत्ता पर बल दिया. तत्पश्चात कक्षा नौवीं और ग्यारहवीं की छात्राओं ने 'मां से है माटी, मां से है माता, आजाद रहे तू आबाद रहे तिरंगा' का गायन कर समारोह के आगंतुकों को भावविभोर किया. वादन में ढ़ोलक पर छात्रों अस्मित राय, तबला पर आकाश गुप्ता, गिटार पर आकाश गुप्ता और हारमोनियम पर शिवांगी सिंह ने संगत की. कक्षा छठवीं और सातवीं की छात्राओं ने 'देश रंगीला' गाने पर आधारित नृत्य प्रस्तुत कर माहौल को रंगारंग बनाया. कक्षा नौवीं की मेधावी छात्रा शिवांगी सिंह ने आजादी के सच्चे अर्थों को परिभाषित करते हुए अपनी पंक्तियों से दार्शनिक चिंतन का गद्य विस्तार प्रस्तुत किया और श्रोताओं की तालियां बटोरीं।

खेल की महत्ता पर अपने विचार गमन में डालिम्स सनबीम स्कूल गांधी नगर की प्रधानाचार्या डॉ. प्रेरणा राय ने कहा कि बच्चों के चौतरफा विकास के लिए खेल महत्वपूर्ण हैं, जो शारीरिक, सामाजिक और भावनात्मक स्वास्थ्य को बढ़ावा देने के साथ-साथ टीमवर्क और खेल भावना को भी बढ़ावा देते हैं. हम डालिम्स सनबीम स्कूल गांधी नगर की दीक्षा और शिक्षा के द्वारा कैसे ऐसा आंदोलन तैयार कर सकते हैं, जो हमारे देश के युवाओं को खेल की तरफ ले जाए और साथ ही हमारे समाज को अधिक खेल प्रिय बनाए. जैसे गणतंत्र के बिना लोकतंत्र नहीं मजबूत हो सकता, वैसे ही खेल के बिना गण को सुदृढ़ता नहीं मिल सकती. खेल के बारे में सबसे अच्छी चीज यह है कि आप पूरी भागीदारी के बिना नहीं खेल सकते. जीवन का सार हमारी भागीदारी में ही है. खेल के लिए भागीदारी जरूरी है. आप भागीदारी के बिना स्कूल या कॉलेज जा सकते हैं, भागीदारी के बिना दफ्तर जा सकते हैं, भागीदारी के बिना शादी तक कर सकते हैं, मगर आप भागीदारी के बिना खेल नहीं सकते।

गणतंत्र दिवस समारोह को अमित कुमार राय, नरेंद्र राय, रितेश कुमार राय, तौसीफ अहमद खान, नेहा राय, आशु सिंह, अजित कुमार, अंजली राय, जोखन सिंह यादव, अनुज राय, अर्चना गुप्ता, आशुतोष यादव, अवधेश प्रसाद, धनंजय, मधुलिका सिंह, माह-ए-तलअत, नमो नारायण

पांडेय, नंदनी मिश्रा, निधि राय, ओंकार नाथ तिवारी, पिंकी पांडेय, पूजा सिंह, प्रतिमा तिवारी, रचना गुप्ता, रागिनी पांडेय, राम नारायण राय, रश्मि गुप्ता, रीता यादव, ऋतु यादव, रूपेश कुमार शर्मा, साक्षी मिश्रा, सत्येंद्र प्रताप सिंह, सीमा तिवारी, शालू गुप्ता, शेषनाथ यादव, श्वेता यादव, सूर्य कुमार सिंह, सुशील कुमार राय, निशा यादव, विश्वजीत सिंह, जाकिर अहमद, आरती सिंह, प्रिया राय, अर्शी फातिमा, प्रवीण पांडेय, रूपेश कुमार पांडेय आदि की अभिमंशा ने सफल निर्मिति दी।

गणतंत्र दिवस समारोह व खेल उत्सव का संचालन शिक्षिका अवंतिका राय ने किया।

आक्सफोर्ड इण्टर नेशनल स्कूल में धूम धाम से मनाया गया गणतंत्र दिवस

बिकास राय ब्यूरो चीफ गाजीपुर दैनिक समाज जागरण

गाजीपुर जनपद के भांवरकोल ब्लाक क्षेत्र के अवथहीं स्थित आक्सफोर्ड इण्टर नेशनल स्कूल में 77 वां गणतंत्र दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं देशभक्ति के साथ मनाया गया।

कार्यक्रम की शुरूआत ध्वजारोहण से हुई। विद्यालय के डायरेक्टर इन्द्र सेन राय ने ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।इसके बाद समस्त

छात्र छात्राओं एवं शिक्षक के द्वारा राष्ट्र गान गाया गया। कार्यक्रम में बच्चों के द्वारा शानदार परेड एवं पिरामिड का प्रदर्शन किया।जो अत्यंत सराहनीय था।यू के जी के बाल कलाकारों द्वारा नृत्य, देशभक्ति प्रस्तुत किया गया।

छात्र छात्राओं के द्वारा देशभक्ति गीत, नृत्य एवं भाषण प्रस्तुत किया गया। जिसमें भारत की एकता अखंडता का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में आमंत्रित रामेश्वर तिवारी ने अपने संबोधन में संविधान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए छात्रों को देश का जिम्मेदार नागरिक बनने की प्रेरणा दी।

कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ अध्यापिका पूनम ठाकुर और तरन्नुम के द्वारा किया गया।सभी के प्रति आभार विद्यालय की वाइस प्रिंसिपल ज्योति शुब्बा के द्वारा व्यक्त किया गया।

कार्यक्रम के अंत में विद्यालय परिवार के द्वारा राष्ट्र की प्रगति और देश में शांति की कामना की गई।कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने अपना पूर्ण योगदान दिया। इस अवसर पर अमित पांडा,सागर शुब्बा, अभिषेक,शुभम, ज्योति खरवार,रितेश, समेत सभी शिक्षक,शिक्षिका एवं छात्र छात्राएं उपस्थित रहीं।

पांच दिवसीय कैरियर मेला का शासकीय हाई स्कूल चकेठी में किया जा रहा आयोजन

दैनिक समाज जागरण

अमलाई समग्र शिक्षा अभियान से केंड्री एजुकेशन के निदेर्शानुसार 27 से 31 जनवरी 2026 तक पांच दिवसीय करियर मेला एवं करियर काउंसलिंग के आयोजन के पालन में आज दिनांक 27 जनवरी 2026 को शासकीय हाई स्कूल चकेठी में करियर मेले के प्रथम दिवस कार्यक्रम करियर मेले का उद्घाटन ,करियर जागरूकता का आयोजन, करियर मेला एवं करियर काउंसलिंग का परिचय एवं विभिन्न शैक्षणिक संकायों की जानकारी एवं स्थानीय उद्योग ओ.पी.एम (ओरिएंट पेपर मिल)की जानकारी का संक्षिप्त परिचय दिया गया एवं ऑनलाइन करियर काउंसलिंग मार्गदर्शन कार्यक्रम दिनांक 27/1/2026 के माध्यम से 12:00से 2:00 बजे तक लाइव प्रसारण बच्चों को दिखाया गया करियर मेला एवं करियर काउंसलिंग का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को शैक्षणिक, व्यवसायिक ,कौशल आधारित यूनिसेफ द्वारा वेबीनार के माध्यम से जीवन कौशल कैरियर योजना कैरियर कार्ड एवं विद्यार्थियों के भविष्य की तैयारी पर मार्गदर्शन एवं शासकीय सेवाओं से संबंधित करियर विकल्पों की जानकारी प्रदान कराया गया कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा नवमी एवं दशमी के छात्रों को सम्मिलित किया गया कार्यक्रम में विद्यालय के प्राचार्य गजेंद्र कुमार पाण्डेय शिक्षकगण सुरेंद्र कुमार मिश्रा, श्रीमती आकांक्षा पाण्डेय, दीपक कुमार शर्मा, राज नारायण मिश्रा ,श्रीमती रेखा पटेल, अविनाश कुमार पटेल एवं विद्यार्थी गण सम्मिलित हुए ।

जरहा विद्यालय के छात्र उल्टी दस्त से हुए ग्रसित , स्वास्थ्य विभाग की टीम ने गांव में शुरू किया इलाज

समाज जागरण

उमरिया --- उमरिया जिले के करकेली विकासखंड के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जरहा में अध्ययन रत छात्र अचानक बीमार होने की खबर हर एक एक को हैरान कर दी है बताया जाता है कि विद्यालय में अध्ययन रत छात्र आखिर कार बीमार कैसे हो गये। छात्रों के बीमार की खबर मिलते ही उमरिया जिले का प्रशासनिक अमला सक्रिय हो गया और सी एम एच ओ उमरिया ने अपने स्वास्थ्य अमले के साथ विद्यालय पहुच कर छात्रों की तबीयत का जायजा लिया, एम्बुलेंस के माध्यम से गंभीर छात्रों को जिला चिकित्सालय भेजकर उपचार कराने की व्यवस्था की गयी, वही पर कुछ छात्रों को घुलघुली स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार कराया गया,अंतत छात्रों की स्थिति बिगडने के पहले ही परि स्थितियों को सम्हाल लिया गया ।विद्यालय में छात्रों के स्वास्थ्य बिगडने की खबर मिलते ही बांधवगढ़ के अनुविभागीय अधिकारी तत्काल जरहा पहुँच कर स्थित का जायजा लिया ,छात्रों के साथ ही स्वास्थ्य अमले की टीम को गांव भेजकर घर घर में सघन जांच कराने के निर्देश दिए गए। बताया जाता है कि बच्चों को बुखार उल्टी और दस्त की शिकायत के बाद स्कूल प्रबंधन ने स्वास्थ्य विभाग की टीम को सूचना दी थी,साथ ही शिक्षा विभाग की टीम को भी सूचित किया गया जिससे वह भी मौके पर पहुंची । स्वास्थ्य विभाग की टीम ने बच्चों का इलाज शुरू कर दिया है। कुछ बच्चों को उल्टी दस्त और बुखार की शिकायत हुई है सभी का स्कूल में ही इलाज किया जा रहा है वहीं स्वास्थ्य विभाग की टीम गांव में भी जांच में निकली है। तथा साथ 21 बच्चों को घुलघुली और जिला अस्पताल भेजा गया है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी भी मौके पर पहुंचकर जांच में जुटे हुए हैं उमरिया एसडीएम अंबिकेश प्रताप सिंह ने बताया कि स्वास्थ्य टीम मौके पर पहुंच गई है बच्चों का इलाज शुरू हो गया है मैं भी मौके पर पहुंच गया हूँ अभी सब कुछ सामान्य है बच्चों की देखरेख जारी है स्वास्थ्य विभाग की टीम इलाज में जुटी है है कुछ ग्रामीणों ने नाम न बताने की शर्त पर बताया की यह पूरा उल्टी दस्त का मामला सुरुचि भोज, और वही स्थानीय लोगों कहना था की बूंदी खाने से हुआ है गौरतलब है की हायर सेकेंडरी स्कूल जरहा मे कार्यरत स्व सहायता समूह के ऊपर छात्र-छात्राओं सही भोजन न देने का आरोप परिजनों ने लगाया है

मध्य प्रदेश में निकाय चुनाव के लिए सालभर पहले कांग्रेस तलाशेगी संभावित प्रत्याशी

समाज जागरण

भोपाल। मध्य प्रदेश में नगरीय निकाय के चुनाव वर्ष 2027 में होने हैं। पिछले चुनावों के अनुभव से सबक लेते हुए प्रदेश कांग्रेस सालभर पहले यानी अभी से संभावित प्रत्याशी की तलाश करेगी। आरक्षण की संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए प्रत्याशी तलाशे जाएंगे। इस काम में मोहल्ला, पंचायत और वार्ड समितियों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। इनके द्वारा जो नाम प्रस्तावित किए जाएंगे, उन्हें गुण-दोष के आधार पर ब्लाक और जिला कांग्रेस परखेगी। इसके बाद प्रदेश कांग्रेस द्वारा अंतिम रूप दिया जाएगा। यह कदम इसलिए उठाया जा रहा है क्योंकि वर्ष 2022 के चुनाव में कई निकायों के लिए पार्टी को प्रत्याशी ही नहीं मिले थे और भाजपा के उम्मीदवार निर्विरोध निर्वाचित हो गए थे। यह चुनाव इसलिए भी महत्वपूर्ण हैं क्योंकि इससे 2028 में होने वाले विधान सभा चुनाव के लिए जनता का मूड पता चल जाएगा।

इन चुनावों को लेकर कांग्रेस गंभीर-:

वर्ष 2022 में हुए नगरीय निकाय चुनाव में पहली बार कांग्रेस के पांच महापौर (मुरैना, ग्वालियर, छिंदवाड़ा, जबलपुर और रीवा) चुने गए थे। ग्वालियर, चंबल और छिंदवाड़ा क्षेत्र में कांग्रेस को विधानसभा चुनाव में बढ़त भी मिली थी। चूंकि, नगरीय निकायों के चुनाव से प्रदेश में एक प्रकार से चुनावों की शुरूआत हो जाएगी, इसलिए पार्टी इन्हें गंभीरता से ले रही है। संगठन सृजन अभियान के तीसरे चरण में मंडल, पंचायत, वार्ड और फिर मोहल्ला समितियां का गठन किया जा रहा है। यह पार्टी की बूथ पर मोर्चा संभालने वाली इकाइयां होंगी। इसके साथ-साथ पार्टी ने अभी से नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव की तैयारी भी प्रारंभ करने की कार्ययोजना बनाई है। नगरीय निकाय चुनाव दलीय आधार पर होते हैं इसलिए प्रत्याशी चयन पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। तय किया गया है कि मोहल्ला स्तर तक समितियां गठित होने के बाद इस दिशा में काम प्रारंभ कर दिया जाएगा। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी का कहना है कि हमने दो साल में बूथ स्तर तक संगठन के सशक्तीकरण का काम किया है। निकाय चुनाव के लिए प्रत्याशी पहले ही तय कर लेंगे।

एक साल पहले क्यों-:

सूत्रों का कहना है कि एक साल पूर्व प्रत्याशियों को तलाशने के अलावा प्रत्याशियों का भी पैनल रहेगा ताकि कोई टूट-फूट होती है तो भी विकल्प मौजूद रहे। दरअसल, पिछले चुनाव में नाम वापसी के बाद कुछ प्रत्याशी मैदान से हट गए थे जिसके कारण कांग्रेस के पास निर्दलीयों को समर्थन देने के अलावा कोई विकल्प ही नहीं रह गया था। इसका परिणाम यह हुआ कि पार्टी के अन्य प्रत्याशी भी माहौल खराब होने के कारण हार गए थे।

निकाय चुनाव के लिए भी प्रभारी होंगे नियुक्त-:

पार्टी पदाधिकारी का कहना है कि नगरीय निकाय चुनाव के लिए अलग से प्रभारी नियुक्त किए जाएंगे। इनका काम केवल नगरीय निकाय चुनाव पर फोकस करने का रहेगा। स्थानीय विधायक, पूर्व विधायक और प्रदेश पदाधिकारी को एक एक निकाय की जिम्मेदारी से की जाएगी।

मैहर कलेक्टर के आदेश को नहीं मानती नगरपालिका सीएमओ

समाज जागरण

इन दिनों मैहर में एक नाम सुर्खियों में हैं और वह है सुषमा मिश्रा जी का जहां एक ओर मैहर कलेक्टर रानी बाटड़ जिले की व्यवस्थाओं को सुधारने में जुटी हुई हैं वही नगर पालिका सीएमओ कुछ चंद रुपयों के लिए जिले की व्यवस्थाओं को बिगाड़ रही हैं मामला हाल ही का है आपको बता दें कुछ दिनों पहले मैहर कलेक्टर ने एक बात कही थी कि स्टेशन के पास स्थित रैन बसेरा मैदान में किसी भी प्रकार की कोई प्रदर्शनी नहीं लगाई जाएगी क्योंकि वहां पर प्रदर्शनी लग जाने की वजह से रास्ता अवरूद्ध होने के साथ साथ ऑटो रिक्शा चालकों को भी काफी दिक्कतें होती हैं क्योंकि ऑटो खड़ी करने के लिए पर्याप्त जगह नहीं रहती लेकिन इसके बाद भी आखिर क्यों नागपालिका सीएमओ ने वहां पर प्रदर्शनी लगाने की अनुमति दे दी तो क्या अब यह मान लिया जाए कि सीएमओ सुषमा मिश्रा कलेक्टर महोदया के आदेश को नहीं मानती या फिर लेनदेन का मामला इतना बड़ा है कि सारे नियम कानून सिर्फ धरे के धरे रह गए हैं वही सूत्र बताते हैं कि इस रैन बसेरा मैदान के प्रदर्शनी संचालक ने नगरपालिका अध्यक्ष पति से भी सांठ गांठ करके रखा हुआ है जल्दी पूरा मामला आपके सामने होगा

आनंद उत्सव की बिखरी अविरल छटा जनप्रतिनिधियों ने भाग लेकर कार्यक्रम का बढाया गौरव

खेलकूद प्रतियोगिता में सभी ने लिया भाग लिया

समाज जागरण

उमरिया --- उमरिया जिले की आदिवासी विकास खंड पाली के ग्राम पंचायत मुदरिया में आज बुधवार को जनपद स्तरीय आनंद उत्सव का कुशल आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ की आदिवासियों के पारंपरिक नृत्य से किया गया। कार्यक्रम में स्कूल और महाविद्यालय के विद्यार्थियों ने उत्साह पूर्वक खेलकूद प्रतियोगिताओं में हिस्सा लिया। आज के कार्यक्रम में मुख्य रूप से कुर्सी दौड, सुई धागा दौड, गुब्बारा फोड एकल नृत्य रस्सा खींच, मटका फोड, कर्मा नृत्य, राई नृत्य, का शानदार प्रदर्शन ने उपस्थित जन समुदाय और प्रतिभागियों को भाव विभोर कर दिया। इसके साथ ही आज के आयोजन में नशा एक अभिशाप की प्रस्तुति जो बच्चों के व्दारा की गयी उसकी सराहना की गयी। आनंद उत्सव कार्यक्रम में कन्हाई कुंअर मुख्य कार्य पालन अधिकारी जनपद पंचायत पाली, शैलेन्द्र सिंह रोजगार गारंटी अधिकारी, इब्राहिम नोमानी, प्रधान मंत्री आवास योजना, अंजनी चंपुरिया पी सी ओ, जय प्रकाश, आर बी सिंह लेखापाल, विनय सिंह सचिव , गणेश व्दिवेदी, अभिशेक शुक्ला, के साथ श्रीमती बेला सिंह जिला पंचायत सदस्य, अर्जुन सिंह पूर्व जिला पंचायत सदस्य, मेल कुमार सिंह पूर्व सरपंच, धूप सिंह जनपद सदस्य के साथ वर्तमान सरपंच श्रीमती सिंह, के साथ सैकड़ो नागरिकों की गौरव मयी उपस्थित में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का कुशल संचालन बृजेश तिवारी ने किया।

शहडोल तितरा में शासकीय कार्य में बाधा डालने पर पुलिस की कार्रवाई, सचिव की शिकायत पर 4 लोगों पर एफआईआर

समाज जागरण

जैतपुर। जैतपुर थाना क्षेत्र की ग्राम पंचायत तितरा में मंगलवार को आयोजित ग्राम सभा के दौरान उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब चार युवक जबरन सभा में घुस आए। आरोपियों ने पंचायत सचिव के साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार करते हुए शासकीय कार्य में बाधा डाली। घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है, हालांकि आरोपी अभी फरार बताए जा रहे हैं। पंचायत सचिव केशव प्रसाद द्विवेदी ने बताया कि मंगलवार को तितरा पंचायत भवन में विधिवत ग्राम सभा का आयोजन किया गया था, जिसमें गांव के बड़ी संख्या में लोग उपस्थित थे। इसी दौरान कुछ लोग सभा में पहुंचे और बिना कारण हंगामा करने लगे।

जब सचिव ने उन्हें समझाने और विरोध करने की कोशिश की, तो आरोपी उग्र हो गए और उनके साथ गाली-गलौज करने लगे। आरोप है कि इस दौरान सचिव के साथ धक्का-मुक्की भी की गई। घटना को बढ़ता देख ग्राम सभा में मौजूद ग्रामीणों ने बीच-बचाव कर स्थिति को संभाला, अन्यथा मामला और गंभीर हो सकता था। इसके बाद पंचायत सचिव ने जैतपुर थाने पहुंचकर पूरे घटनाक्रम की लिखित शिकायत पुलिस को सौंपी। पुलिस ने शिकायत के आधार पर रघो महरा, रामलखन प्रजापति, रामशरण प्रजापति और सत्तार मुसलाम के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा उत्पन्न करने समेत विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

इनका कहना है

इस संबंध में जैतपुर थाना प्रभारी जिया उल हक ने बताया कि मंगलवार शाम सचिव द्वारा शिकायत दर्ज कराई गई थी। मामले की गंभीरता को देखते हुए आरोपियों के खिलाफ सख्त धाराओं में अपराध पंजीबद्ध किया गया है। आरोपीयों की तलाश जारी है।

पलेरा में रेत माफिया एवं रेत कंपनी के हौसले बुलंद सरपंच प्रतिनिधि एवं उनके चचेरे भाई के साथ लाठी डंडों से मारपीट पुलिस ने किया मामला दर्ज.

समाज जागरण

पलेराः पलेरा में रेत माफियाओं के हौसले इतने बुलंद है कि बेखौफ होकर रेत का अवैध कारोबार किया जा रहा है हरियाणा की कंपनी के द्वारा संरक्षण दिया जा रहा है जिससे रेत माफिया किसानों को डरा धमका रहे हैं एक तरफ किसानों के ऊपर बरसात के बादल मडरा रहे हैं वहीं दूसरी ओर रेत माफिया किसानों फसल बर्बाद कर रहे हैं एवं खेत बंजर किए जा रहे हैं इसी मामले को लेकर गोना के सरपंच प्रतिनिधि के द्वारा कंपनी के लोगों का विरोध किया गया और ट्रैकों को सही ढंग से निकलने की हिदायत दी गई आपको ज्ञात हो कि गोना कोरोला से काफी लंबे समय से रेत का अवैध कारोबार रेत माफियाओं के द्वारा लंबे समय से किया जा रहा था इसी बात को लेकर रेत माफिया सरपंच प्रतिनिधि से रंजिश बनाकर बैठे थे विगत रात्रि करीब 11:00 सरपंच प्रतिनिधि नौगांव से अपने गांव गोना जा रहे थे रास्ते में रेत कंपनी के लोगों के द्वारा मिलकर सरपंच प्रतिनिधि और उनके साथियों की जमकर मारपीट कर दी गई लाठी डंडे से मारपीट की गई है जिसमें सरपंच प्रतिनिधि के सिर में गंभीर चोट आई है हाथ पैर और पीठ में भी चोट आई है उनके चचेरे भाई राजा जी बुंदेला सरपंच प्रतिनिधि को बचाने आए तो उनके भी साथ लात घुसो से मारपीट की गई उनकी बलेनो गाड़ी की कांच तोड़े गए और गाड़ी को चपटा कर दिया साथ ही सरपंच की स्कॉर्पियो गाड़ी के कांच हेडलाइट फोड़ी गई गाड़ी की बॉडी चपटी कर दी इस मामले में पूर्व सरपंच गणेश विश्वकर्मा एवं राजा बुंदेला के द्वारा पलेरा थाना पहुंचकर रिपोर्ट दर्ज कराई है जिसमें पलेरा पुलिस के द्वारा आरोपी दीपेंद्र सिंह बुंदेला निवासी खकोरा मऊरानीपुर उत्तरप्रदेश, प्रताप सिंह नौगांव जिला छतरपुर मध्य प्रदेश, ऋषि सेंगर नौगांव, नाती राजा बुंदेला खकोरा , विशाल शर्मा छतरपुर के खिलाफ धारा 118 (1),115(2) 296, 126 (2) ,324 (4) ,(3) ,351(2),बीएनएसएस की धाराओं के तहत मामला पंजीकृत किया गया है पलेरा पुलिस के द्वारा मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी गई है

राम मंदिर के राम सखा चंपत राय का आगमन, रामभक्तों में उमड़ा उत्साह

विवेक कुमार दैनिक समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज में राम मंदिर के राम सखा चंपत राय का आगमन, राम भक्तों में उमड़ा उत्साह श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महामंत्री एवं विश्व हिंदू परिषद के अंतरराष्ट्रीय वरिष्ठ उपाध्यक्ष श्री चंपत राय का प्रयागराज से अयोध्या लौटते समय मोहनलालगंज में संक्षिप्त प्रवास हुआ। उनके आगमन की सूचना मिलते ही क्षेत्र के रामभक्तों और कार्यकताओं में उत्साह की लहर दौड़ गई।संक्षिप्त प्रवास के दौरान चंपत राय ने उपस्थित जनों से आत्मीय संवाद किया और उन्हें आशीर्वाद प्रदान किया। उनके प्रेरक वक्तव्य से कार्यकताओं और श्रद्धालुओं में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार हुआ। इस अवसर पर अंकुर अवस्थी, अंबुज त्रिपाठी, मनोज रावत , अनुपम शुक्ला, धीरज गुप्ता, आशीष द्विवेदी, प्रवीण मिश्र, प्रदीप रावत, अरविंद अवस्थी सहित अनेक गणमान्य लोग मौजूद रहे। सभी को चंपत राय के साथ जलपान का अवसर भी मिला।चंपत राय ने अपने संदेश में सनातन धर्म और हिंदुत्व के संरक्षण-संवर्धन, सामा जिक समरसता तथा मूल्यों के विस्तार पर सारगर्भित विचार रखे, जिन्हें सुनकर उपस्थित लोग भाव विभोर हो उठे।कार्यक्रम में युवान संस्थान द्वारा संचालित श्रीहरि जीवन ज्योति अभियान के माध्यम से युवा पीढ़ी को राष्ट्र, धर्म और सेवा से जोड़ने तथा सनातन संस्कृति के प्रचार-प्रसार के लिए निरंतर समर्पण का संकल्प लिया गया।पूरा कार्यक्रम श्रद्धा, उत्साह और राष्ट्रभाव से सराबोर रहा।

अपराध नियंत्रण को लेकर एसीपी कार्यालय में अहम बैठक थानेदारों को दिए गए सख्त निर्देश

विवेक कुमार दैनिक समाज जागरण संवाददाता

मोहनलालगंज। लखनऊ,अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने एवं कानून-व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाने के उद्देश्य से एसीपी मोहनलालगंज विकास पांडेय ने कार्यालय में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में मोहनलालगंज, निगोहां एवं नगराम थानों के प्रभारी निरीक्षको के साथ उपनिरीक्षक उपस्थित रहे। बैठक के दौरान एसीपी विकास पांडेय द्वारा क्षेत्र में बढ़ रहे अपराधों पर गहन समीक्षा की गई और अपराध नियंत्रण को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के स्पष्ट निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि प्रत्येक थाना क्षेत्र में सक्रिय अपराधियों पर कड़ी निगरानी रखी जाए तथा संदिग्ध गतिविधियों पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।एसीपी विकास पांडेय ने निर्देशित किया कि लंबित मामलों का शीघ्र निस्तारण किया जाए, फरार आरोपियों की गिरफ्तारी तेज की जाए और रात्रि गश्त को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। साथ ही जनता से संवाद बढ़ाकर उनकी समस्याओं का समयबद्ध समाधान करने पर भी विशेष जोर दिया गया।उन्होंने स्पष्ट किया कि कानून-व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस की सक्रियता और संवेदनशीलता ही अपराध नियंत्रण का सबसे बड़ा आधार है।बैठक का उद्देश्य पुलिसिंग को और अधिक चुस्त-दुरुस्त बनाना, आम नागरिकों में सुरक्षा का भरोसा कायम रखना तथा अपराधियों में कानून का भय स्थापित करना रहा।

सीएक्यूएम ने राजस्थान (एनसीआर) में वायु प्रदूषण कम करने के लिए वार्षिक कार्य योजनाओं व प्रमुख क्षेत्रीय उपायों की समीक्षा की

राजस्थान के एनसीआर जिलों–अलवर, भरतपुर और भिवाड़ी सहित–प्रमुख क्षेत्रीय क्षेत्रों से होने वाले वायु प्रदूषण में कमी लाने के उपायों की समीक्षा के लिए, 27.01.2026 को जयपुर में राजस्थान सरकार के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। यह बैठक एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों के लिए वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग' (सीएक्यूएम) के अध्यक्ष, श्री राजेश वर्मा की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक के दौरान भिवाड़ी, अलवर और भरतपुर की नगर वार्षिक कार्य योजना 2026 तथा राजस्थान की राज्य वार्षिक कार्य योजना 2026 पर प्रस्तुतियाँ दी गईं, जिसमें प्रदूषण के प्रमुख स्रोतों जैसे वाहनों से होने वाला उत्सर्जन, निर्माण एवं विध्वंस (सी एंड डी) गतिविधियाँ, सड़कों और खुले क्षेत्रों की धूल, नगर निगम ठोस अपशिष्ट (एमएसडब्लू) प्रबंधन, औद्योगिक उत्सर्जन आदि शामिल किए गए। नगर वार्षिक कार्य योजनाओं की समीक्षा(भिवाड़ी,अलवर एवं भरतपुर)नगर वार्षिक कार्य योजनाओं की समीक्षा करते हुए आयोग ने निर्देश दिया कि संशोधित नगर कार्य योजनाएं एक सप्ताह के भीतर प्रस्तुत की जाएं। ये संशोधित योजनाएं भविष्योन्मुखी होनी चाहिए जिनमें वित्तीय निहितार्थों के साथ सड़कों का पूर्ण कवरेज, पैदल मार्गों को पक्का करना, सड़क बुनियादी ढांचे को मजबूत करना, मैकेनिकल रोड स्वीपिंग मशीनों का पर्याप्त प्रावधान, सुरक्षित साइकिलिंग ट्रैक का विकास और वायु गुणवत्ता निगरानी नेटवर्क का सुदृढ़ीकरण शामिल हो, जिसमें भरतपुर में एक अतिरिक्त सतत परिवेशी वायु गुणवत्ता निगरानी स्टेशन (सीए एक्यूएमएस) की स्थापना भी सम्मिलित है। शहरों को यह भी निर्देश दिया गया कि वे पीएम 2.5 के स्तर में प्रति वर्ष कम से कम 10% की कमी के लक्ष्य के साथ स्पष्ट रणनीतियां तैयार करें, दो वर्षों के भीतर पहचान किए गए सभी अंतरालों को पाटें, वर्तमान कचरा उत्पादन को देखते हुए एमएसडब्लू प्रसंस्करण क्षमता का पुनर्मूल्यांकन करें और संबंधित हितधारकों पर केंद्रित आईईसी गतिविधियों को बढ़ावा दें। राज्य वार्षिक योजना-2026 की समीक्षा विभिन्न विभागों और एजेंसियों की गतिविधियों को शामिल करने वाली राज्य वार्षिक कार्य योजना की विस्तृत समीक्षा की गई। आयोग ने निर्देश दिया कि संशोधित योजना में स्पष्ट रूप से कम से कम 10% की वार्षिक कमी प्राप्त करने का लक्ष्य रखा जाना चाहिए। इसके अलावा, ई-रिक्शा के लिए लेड-एसिड बैटरी के स्थान पर लिथियम-आयन बैटरी को बढ़ावा देने; दुपहिया और तिपहिया वाहनों को तेजी से इलेक्ट्रिक वाहनों में बदलने; ईंधन स्टेशनों पर ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रिकग्निशन (एएनपीआर) कैमरे लगाने; ईवी चार्जिंग बुनियादी ढांचे को मजबूत करने; एकीकृत यातायात प्रबंधन प्रणाली (आईटीएमएस) के कार्यान्वयन; यातायात जाम वाले बिंदुओं की पहचान और उन्हें शामिल करने; सभी एनसीआर शहरी स्थानीय निकायों में पर्याप्त सी एंड डी अपशिष्ट प्रसंस्करण सुविधाओं और माध्यमिक संग्रह केंद्रों के विकास पर विशेष जोर दिया गया। साथ ही, वित्तीय निहितार्थों के आकलन के साथ शहरी और औद्योगिक कस्बों की सड़कों के पुनर्विकास को प्राथमिकता देने; विविध झाड़ियों की प्रजातियों के साथ एक वर्ष के भीतर रास्तों और सेंट्रल वर्ज (सड़क के मध्य भाग) के हरितकरण को पूरा करने; संबंधित हितधारकों के लिए केंद्रित आईईसी गतिविधियों; राज्य स्तरीय टास्क फोर्स और वार्ड-स्तरीय टीमों के गठन; तथा भिवाड़ी, अलवर, भरतपुर और राज्य मुख्यालय में एकीकृत कमान और नियंत्रण केंद्र स्थापित करने का निर्देश दिया गया। उद्योगों में ओसीईएमएस एवं एपीसीडी की स्थापना की स्थिति इसके अलावा, राजस्थान राज्य प्रदूषण नियंत्रण मंडल (आरएसपीसीबी) ने उद्योगों में 'ऑनलाइन कंटी न्यूअस एमिशन मॉनिटरिंग सिस्टम' (ओसीईएमएस) और वायु प्रदूषण नियंत्रण उपकरणों (एपीसीडी) की स्थापना की स्थिति प्रस्तुत की। आयोग ने निर्देश दिया कि शेष इकाइयों में ओसीईएमएस की स्थापना जल्द से जल्द सुनिश्चित की जाए। जो उद्योग 31.01.2026 से पहले ओसीईएमएस के लिए ऑर्डर देने में विफल रहेंगे, उनके विरुद्ध सीपीसीबी के निर्देशों के अनुसार कार्रवाई की जाएगी। परिवहन एवं यातायात प्रबंधन बेहतर यातायात प्रबंधन, ऑटोमेटेड चालान के साथ आईटीएमएस की तैनाती, यातायात चौराहों पर एएनपीआर कैमरे लगाने, ट्रैफिक जाम वाले बिंदुओं (बॉटलनेक्स) की पहचान और उन्हें सुगम बनाने, पार्किंग सुविधाओं में वृद्धि और एनसीआर क्षेत्रों से डीजल चालित ऑटो-रिक्शा को चरणबद्ध तरीके से हटाने के माध्यम से वाहनों से होने वाले प्रदूषण को कम करने पर विशेष जोर दिया गया।

इसके अलावा, बैठक के दौरान मोटर वाहन एग्रीगेटर्स, डिलीवरी सेवा प्रदाताओं और ई-कॉमर्स संस्थाओं द्वारा क्लीनर मोबिलिटी को अपनाने में तेजी लाने पर भी बल दिया गया। सीएक्यूएम ने सभी हितधारक विभागों और एजेंसियों द्वारा अनुपालन की समय-समय पर समीक्षा करने का निर्देश दिया और राजस्थान के एनसीआर क्षेत्रों में वायु प्रदूषण को कम करने के लिए कार्य योजनाओं के समयबद्ध कार्यान्वयन की आवश्यकता पर प्रकाश डाला।

बैठक में सदस्य (तकनीकी), सदस्य सचिव और निदेशक, सीएक्यूएम; अपर मुख्य सचिव, पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन विभाग, राजस्थान सरकार; अध्यक्ष, आरएसपीसीबी; और पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन, स्थानीय स्वशासन , उद्योग, परिवहन, यातायात पुलिस, कृषि, शहरी विकास और आवास, रीको, आरआरईसीएल, भिवाड़ी एकीकृत विकास प्राधिकरण (बीडा),आरएसपीसीबी तथा अलवर, भरतपुर और भिवाड़ी नगर निगमों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

पशु तस्करी के विरुद्ध पुलिस की कार्रवाई, छह मवेशी जब्त, दो गिरफ्तार

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

किशनगंज पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ अभियान के तहत टेढ़ागाछ थाना क्षेत्र में बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने तस्करी की नीयत से ले जाए जा रहे छह मवेशियों को एक पिकअप वाहन से जब्त किया है। जब्त वाहन का रजिस्ट्रेशन नंबर BR-11-GD-1750 बताया गया है। कार्रवाई के दौरान वाहन चालक मो. मोहसिन एवं तस्कर माजिद (पिता–समीरुद्दीन, निवासी–हल्दीखोड़ा, थाना–कोचाधामन को मौके से गिरफ्तार किया गया। पुलिस द्वारा दोनों आरोपियों के विरुद्ध संबंधित धाराओं में मामला दर्ज कर अग्रतर कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

आगामी 14 मार्च को राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर बैठक आयोजित

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

आगामी 14 मार्च 2026 को व्यवहार न्यायालय परिसर, किश नगंज में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों को लेकर जिला विधिक सेवा प्राधिकार के सचिव ओम शंकर द्वारा बुधवार को बैंक पदाधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की गई। बैठक में राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से अधिक से अधिक बैंक ऋण से संबंधित मामलों के निष्पादन को सुनिश्चित करने हेतु आवश्यक बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक के दौरान सचिव ओम शंकर ने बैंक अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे राष्ट्रीय लोक अदालत की तैयारियों में सक्रिय भूमिका निभाएं और इसकी सफलता सुनिश्चित करें। उन्होंने राष्ट्रीय लोक अदालत के व्यापक प्रचार-प्रसार पर भी विशेष जोर दिया तथा निर्देश दिया कि बैंक ऋण से संबंधित मामलों में नियमानुसार अधिक से अधिक छूट प्रदान की जाए, ताकि अधिक से अधिक ऋणधारक राष्ट्रीय लोक अदालत का लाभ उठा सकें।

इसी क्रम में बुधवार को जिले के सभी प्रखंड पंचायती राज पदाधिकारियों के साथ भी बैठक आयोजित की गई। बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों को सचिव ओम शंकर ने निर्देश दिया कि वे सभी ग्राम कचहरियों में लंबित मामलों के निष्पादन हेतु संबंधित सरपंचों को अपने स्तर से निर्देश दें, ताकि इन मामलों का निष्पादन आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत में किया जा सके।

उल्लेखनीय है कि यह वर्ष 2026 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत होगी, जिसमें आपराधिक समझौता योग्य अपराध (क्रिमिनल कंपाउंडेबल ऑफेंसेज), प्ली बार्गेनिंग, एनआई एक्ट की धारा 138 के अंतर्गत चेक बाउंस मामले, मनी रिकवरी केस, मोटर दुर्घटना दावा मामले, समझौता योग्य ट्रैफिक चालान, श्रम विवाद, सार्वजनिक उपयोगिता सेवाओं से संबंधित विवाद, वैवाहिक एवं पारिवारिक विवाद (तलाक को छोड़कर), भूमि अधिग्रहण मामले, सेवा एवं पेंशन मामले, राजस्व एवं अन्य सहायक मामले तथा उच्च न्यायालय, जिला न्यायालय एवं विभिन्न प्राधिकरणों के समक्ष लंबित अन्य सिविल मामलों का निष्पादन किया जाएगा।

इसके अतिरिक्त जिला विधिक सेवा प्राधिकार, किशनगंज द्वारा बेथल मिशन स्कूल, किशनगंज में छात्र-छात्राओं के बीच बाल विवाह मुक्त अभियान के अंतर्गत एक जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पैनल अधिवक्ता सोनी कुमारी एवं अधिकार मित्र राजेश कुमार शर्मा द्वारा बाल विवाह के दुष्परिणामों की जानकारी दी गई। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य एवं शिक्षकगण उपस्थित थे।

किशनगंज पुलिस ने शहरी यातायात के लिए नई व्यवस्था की घोषणा

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

यातायात पुलिस किशनगंज ने सभी नागरिकों को सूचित किया है कि 01 फरवरी 2026 से किशनगंज शहरी क्षेत्र में बहादुरगंज मोड़ से एनएच-327 मार्ग पर वाहनों के परिचालन हेतु नई यातायात व्यवस्था लागू की जा रही है।

मुख्य निर्देशः

बहादुरगंज मोड़ पर दाएं मुड़ना सख्त मना है।

यातायात मार्ग :

पूर्णिया की ओर जाने वाले वाहनः बहादुरगंज मोड़ से बाएं मुड़कर एनएच-327 पर प्रवेश करें। ओवर ब्रिज के नीचे से खगड़ा रेलवे फाटक होते हुए कानकी/दालखोला एवं पूर्णिया की ओर जाएँ।

किशनगंज बस स्टैंड और सिल्लीगुड़ी की ओर जाने वाले वाहनः बहादुरगंज मोड़ से बाएं मुड़कर ओवर ब्रिज के नीचे से खगड़ा रेलवे फाटक होते हुए एनएच-327 मार्ग पर प्रवेश करें। इमाम बुखारी यूनिवर्सिटी के पास बने यू-टर्न का उपयोग करके किशनगंज बस स्टैंड और सिल्लीगुड़ी की ओर जाएँ। यातायात पुलिस सभी नागरिकों से अपील करती है कि नई व्यवस्था का पालन करें और सड़क सुरक्षा नियमों का सख्ती से पालन सुनिश्चित करें।

बिचौलिया हड़के, स्वास्थ्य व्यवस्था सख्त सरकारी अस्पतालों में निजी दलालों पर शिकंजा

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

28 जनवरीः सरकारी अस्पतालों में इलाज के नाम पर बिचौलियों और निजी संस्थानों की मिलीभगत पर अब सख्त कार्रवाई शुरू हो गई है। राज्य सरकार के निर्देशों के तहत स्वास्थ्य विभाग और जिला प्रशासन पूरी तरह सजग हैं। उद्देश्य स्पष्ट है–सरकारी स्वास्थ्य संस्थानों में आने वाला हर मरीज बिना किसी दबाव या प्रलोभन के निःशुल्क और गुणवत्तापूर्ण इलाज पाए। सदर अस्पताल में गहन निरीक्षण जिलाधिकारी विशाल राज ने बुधवार को सदर अस्पताल किशनगंज का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों से सीधे संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और अस्पताल प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए कि किसी भी मरीज को बाहरी निजी संस्थानों में जाने के लिए मजबूर न किया जाए। निजी दलालों पर शून्य सहनशीलता राज्य स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी निर्देशों में स्पष्ट किया गया है कि सरकारी अस्पतालों में मरीजों को निजी नर्सिंग होम, जांच केंद्र या दवा दुकानों की ओर मोड़ना गंभीर अपराध है। ऐसे मामलों में संलिप्त निजी संस्थानों और सरकारी कर्मचारियों दोनों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। निगरानी तंत्र और निरंतर समीक्षा जिला स्तर पर निरीक्षण दल और नोडल पदाधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जो नियमित प्रतिवेदन की समीक्षा करेंगे। सिविल सर्जन डॉ. राज कुमार चौधरी ने कहा कि जिला प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग मिलकर यह सुनिश्चित करेंगे कि सरकारी अस्पताल वास्तव में जनता का भरोसेमंद केंद्र बने–जहां इलाज मुफ्त, पारदर्शी और सम्मानजनक तरीके से हो। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यदि किसी स्तर पर बिचौलियों या संलिप्त कर्मचारियों की पहचान होती है, तो उनके खिलाफ तुरंत कठोर कार्रवाई होगी। स्वास्थ्य व्यवस्था में यह कदम गरीब और आम जनता के हितों की सुरक्षा सुनिश्चित करता है।

भूकंप पखवाड़ा कार्यक्रम का आयोजन, आपदा प्रबंधन में जागरूकता बढ़ाने पर जोर

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

28 जनवरी : जिलाधिकारी के निदेर्शानुसार बुनियाद केंद्र में भूकंप पखवाड़ा का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य आपदा की स्थिति में सुरक्षा उपायों के बारे में जानकारी देना और आमजन में आपदा प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर आपदा प्रतिक्रिया दल ने भूकंप के समय अपनाए जाने वाले आवश्यक सावधानियों, सुरक्षित व्यवहार और बचाव के उपायों की जानकारी साझा की। साथ ही आपदा की स्थिति में त्वरित प्रतिक्रिया और स्वयं की सुरक्षा के व्यावहारिक उपाय भी प्रस्तुत किए गए। कार्यक्रम में जिला प्रबंधक, आपदा प्रतिक्रिया दल के निरीक्षक और सदस्य, बुनियाद केंद्र के कर्मी सहित दिव्यांगजन, वृद्धजन और विधवा महिलाएं उपस्थित रहीं। उपस्थित लाभार्थियों ने कार्यक्रम को उपयोगी बताते हुए इसे अपने दैनिक जीवन में अपनाने की आवश्यकता पर बल दिया। जिला प्रशासन ने इस कार्यक्रम को आपदा प्रबंधन में जनभागीदारी और जागरूकता बढ़ाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम बताया।

स्टेट हाइवे-99 सड़क चौड़ीकरण में अनियमितता का आरोप, जनप्रतिनिधियों ने जिलाधिकारी से की कार्रवाई की मांग

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

स्टेट हाइवे-99 अंतर्गत बहादुरगंज नगर क्षेत्र में चल रहे सड़क एवं नाला निर्माण तथा विभाजक (डिवाइडर) युक्त सड़क चौड़ीकरण कार्य में अनियमितता का मामला सामने आया है। एलआरपी चौक बहादुरगंज से झांसी रानी चौक, निबंधन कार्यालय चौक होते हुए डाकबंगला तक लगभग तीन किलोमीटर लंबी दो लेन विभाजक युक्त सड़क निर्माण कार्य में सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त किए बिना ही निर्माण कराए जाने का आरोप लगाया गया है। इस संबंध में नगर पंचायत बहादुरगंज के मुख्य पार्षद प्रतिनिधि वसीकुर्रहमान और पार्षद बंटी सिन्हा की अगुवाई में एक शिष्टमंडल ने जिलाधिकारी विशाल राज से मुलाकात कर अपनी समस्याएं और सुझाव रखते हुए ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि वर्ष 1970-71 में अधिग्रहित सड़क की सरकारी जमीन पर निबंधन कार्यालय चौक और झांसी रानी चौक के पास अब भी अतिक्रमण मौजूद है, लेकिन उसे हटाए बिना ही संवेदक और विभागीय अभियंता द्वारा सड़क की चौड़ाई कम कर निर्माण कार्य कराया जा रहा है, जो स्वीकृत प्राक्कलन का उल्लंघन है। जनप्रतिनिधियों ने आशंका जताई कि यदि सड़क चौड़ीकरण कार्य इसी प्रकार जारी रहा तो क्षेत्र में यातायात जाम की समस्या पूर्व की तरह बनी रहेगी और योजना का उद्देश्य अधूरा रह जाएगा। उनका कहना है कि मानक के अनुरूप सड़क चौड़ीकरण नहीं होने से आम लोगों को अपेक्षित सुविधा नहीं मिल पाएगी। ज्ञापन के माध्यम से मांग की गई कि एलआरपी चौक से डाक बंगला तक विभाजक युक्त सड़क चौड़ीकरण कार्य में एक समान मापदंड अपनाया जाए, झांसी रानी चौक एवं निबंधन कार्यालय चौक स्थित सड़क की सरकारी भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराया जाए तथा निर्माण कार्य में बरती गई लापरवाही और अनियमितता को दूर कर कार्य को प्राक्कलन के अनुसार पूर्ण कराया जाए। जनप्रतिनिधियों का कहना है कि यदि सड़क चौड़ीकरण कार्य मानक के अनुरूप कराया जाए तो बहादुरगंज नगर क्षेत्र में लंबे समय से चली आ रही यातायात जाम की समस्या का स्थायी समाधान संभव हो सकेगा।

कोचाधामन विधानसभा में डिग्री कॉलेज के अस्थाई स्थान को लेकर सक्रियता बढ़ी

वीरेंद्र चौहान, समाज जागरण ब्यूरो किशनगंज।

28 जनवरीः कोचाधामन विधानसभा क्षेत्र में प्रस्तावित डिग्री कॉलेज के अस्थाई संचालन के लिए स्थान चयन को लेकर क्षेत्र में सक्रियता बढ़ गई है। बुधवार को सुंदरबारी पंचायत के मुखिया तनवीर आलम और सौंथा पंचायत के समाजसेवी बाबर आलम ने जिलाधिकारी विशाल राज से उनके कार्यालय में मुलाकात की।

प्रतिनिधिमंडल ने जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपकर आग्रह किया कि डिग्री कॉलेज के लिए धनपुरा में चयनित अस्थाई स्थान पर पुनर्विचार किया जाए। उन्होंने सुझाव दिया कि कॉलेज को किसान इंटीग्रेशन नेशनल कॉलेज, सुंदरबारी या आसपास की पंचायतों में ही अस्थाई रूप से संचालित किया जाए। प्रतिनिधिमंडल ने तर्क दिया कि सुंदरबारी और आसपास का क्षेत्र भौगोलिक रूप से अधिक सुलभ है। इससे छात्रों के आवागमन में सुविधा होगी और दूर-दराज की पंचायतों के छात्रों को भी लाभ मिलेगा। उन्होंने यह भी बताया कि इस क्षेत्र में कॉलेज संचालन के लिए पर्याप्त संसाधन और अनुकूल वातावरण उपलब्ध है, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए उपयुक्त है। जिलाधिकारी विशाल राज ने प्रतिनिधिमंडल की बातों को ध्यान पूर्वक सुना और आश्वासन दिया कि ज्ञापन पर उचित कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि प्रशासन का मुख्य उद्देश्य शिक्षा को सुलभ बनाना है और स्थान चयन के मामले में सभी पहलुओं, भौगोलिक सुविधाओं और छात्रों के हित को ध्यान में रखते हुए गहन समीक्षा के बाद निर्णय लिया जाएगा। प्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने कहा कि कॉलेज का संचालन ऐसे क्षेत्र में होना चाहिए जो छात्रों के लिए पहुंच में आसान हो और जहां पर्याप्त सुविधाएं मौजूद हों। उन्होंने यह भी उम्मीद जताई कि प्रशासन स्थानीय भावनाओं और सुविधा को ध्यान में रखते हुए जल्द ही कॉलेज के अस्थाई संचालन पर अंतिम निर्णय लेगा।

पटना सिविल कोर्ट में हथियार के साथ घुसे दो अपराधी, एक गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ सिविल कोर्ट परिसर में बुधवार की सुबह हथियार के साथ पहुंचे दो बदमाशों में से एक को नियमित जांच के दौरान सुरक्षा कर्मियों ने पिस्टल के साथ पकड़ लिया। जबकि उसका साथी मौके से फरार होने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार जब सुबह पटना सिविल कोर्ट में वकील, वादकारी और आम लोग बड़ी संख्या में पहुंच रहे थे। इसी दौरान दो युवक कोर्ट परिसर में प्रवेश करने के लिए मुख्य द्वार पर पहुंचे। सुरक्षा कर्मियों को दोनों का हाव-भाव संदिग्ध लगा। इसके बाद जब सामान्य प्रक्रिया के तहत तलाशी ली गई तो एक युवक के पास से पिस्टल बरामद हुई। हथियार मिलते ही सुरक्षा कर्मियों ने तत्परता दिखाते हुए उसे मौके पर ही दबोच लिया। हालांकि, इसी बीच दूसरा युवक भीड़ का फायदा उठाकर भागने में कामयाब हो गया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि यदि समय रहते जांच नहीं होती तो कोई बड़ी घटना हो सकती थी। पकड़े गए युवक को तुरंत पुलिस के हवाले कर दिया गया। उसके पास से बरामद पिस्टल को जब्त कर लिया गया है और उससे पूछताछ की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही टाउन अनुमंडल के पुलिस उपाधीक्षक प्रथम तुरंत सिविल कोर्ट परिसर पहुंचे और हालात का जायजा लिया। इसके बाद पूरे कोर्ट परिसर को घेर लिया गया और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया। पुलिस की टीम ने कोर्ट भवन, आसपास के रास्तों और पार्किंग क्षेत्र की गहन जांच की। फरार बदमाश की तलाश में पुलिस ने नाकेबंदी भी की है। पुलिस अधिकारियों के अनुसार, फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि दोनों बदमाश सिविल कोर्ट किस उद्देश्य से आए थे। आशंका जताई जा रही है कि वे किसी व्यक्ति को निशाना बनाने या किसी बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में हो सकते थे। प्रारंभिक पूछताछ में पकड़ा गया युवक पुलिस को गुमराह करने की कोशिश कर रहा है और गोलमोल जवाब दे रहा है। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की भी जांच कर रही है, ताकि यह पता लगाया जा सके कि वह किसी संगठित गिरोह से जुड़ा है या नहीं। फरार आरोपी की पहचान और उसकी गतिविधियों का पता लगाने के लिए पुलिस ने सिविल कोर्ट परिसर और आसपास लगे बंद सर्किट कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। पुलिस को उम्मीद है कि कैमरों की मदद से फरार बदमाश की पहचान जल्द कर ली जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि दोनों आरोपी कोर्ट परिसर में किस रास्ते से पहुंचे और फरार आरोपी किस दिशा में भागा। घटना के बाद अधिवक्ताओं में खासा आक्रोश देखा गया। वकीलों का कहना है कि सिविल कोर्ट जैसे संवेदनशील स्थान पर हथियार के साथ अपराधियों का पहुंचना बेहद गंभीर मामला है। उन्होंने प्रशासन से सुरक्षा व्यवस्था को और मजबूत करने की मांग की है। अधिवक्ताओं का कहना है कि पहले भी कोर्ट परिसर की सुरक्षा को लेकर शिकायतें सामने आती रही हैं, लेकिन इस तरह की घटना ने सभी को चिंता में डाल दिया है।

पटना पुलिस ने किया मादक पदार्थ व चोरी के मामलों में तीन अभियुक्त को गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के फुलवारी शरीफ थाना की पुलिस ने अलग-अलग मामलों में कार्रवाई करते हुए मादक पदार्थ और चोरी से जुड़े मामलों में तीन अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। सभी आरोपियों को न्यायिक प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई के लिए भेजा गया है। एसपी सिटी पश्चिमी भानु प्रताप ने बताया कि मादक पदार्थ से जुड़े मामले में फुलवारी शरीफ थाना की पुलिस ने अंकित कुमार उम्र 20 वर्ष को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त मृतक सुरेन्द्र पासवान का पुत्र है और कोरजी, थाना फुलवारी शरीफ का निवासी है। पुलिस के अनुसार आरोपी मादक पदार्थ से जुड़े अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाया गया है। वही चोरी के मामले में रोहित कुमार उम्र 23 वर्ष को गिरफ्तार किया गया है। अभियुक्त साधु चौधरी का पुत्र है और मोहम्मदपुर कुर्जी, थाना फुलवारी शरीफ का निवासी है। पुलिस का कहना है कि आरोपी चोरी की घटनाओं में शामिल रहा है। जबकि एक अन्य चोरी के मामले में फुलवारी शरीफ थाना की पुलिस मो. पिन्टु उम्र 28 वर्ष को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त माजिद कुरैशी का पुत्र है और संगी मस्जिद इलाके का रहने वाला है। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ चोरी से संबंधित शिकायतें दर्ज थीं।

जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल ने जल/वॉश वॉरियर्स और स्कूली छात्रों से बातचीत की; 25 जलज आजीविका केन्द्रों का उद्घाटन किया

केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल के नेतृत्व में जल शक्ति मंत्रालय एक खास संवाद कार्यक्रम के जरिए देश भर के वॉश वॉरियर्स और स्कूली छात्रों के साथ नई दिल्ली में पीएसओआई में जल संरक्षण के लिए बदलाव की आवाजों और युवा चैंपियंस को एक साथ लाया। इस कार्यक्रम में राज्य मंत्री श्री राज भूषण चौधरी और श्री वी. सोमन्ना, सचिव, डीओडब्ल्यू आर, आरडी और जीआर श्री वी.एल. कंथा राव और महानिदेशक, एनएमसीजी श्री राजीव मित्तल, साथ ही एनएमसीजी के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे। इस कार्यक्रम में देश भर से जमीनी स्तर के बदलाव लाने वाले लोग एक साथ आए, जिन्होंने नदी में नये सिरे से जान डालने, पीने के पानी और साफ-सफाई से जुड़े प्रयासों में जन भागीदारी की भावना का उदाहरण पेश किया। वॉश वॉरियर्स, सामुदायिक प्रतिनिधियों और स्कूली छात्रों के साथ संवाद कार्यक्रम की शुरूआत एक इंटरैक्टिव संवाद सत्र से हुई, जिसके दौरान वॉश वॉरियर्स, सामुदायिक प्रतिनिधियों और अलग-अलग राज्यों के स्कूली छात्रों ने अपने जमीनी अनुभव और पहलों को साझा किया। प्रतिभागियों ने गांवों और स्कूलों में गंगा को साफ रखने, प्लास्टिक का इस्तेमाल न करने, बायोडायवर्सिटी को बचाने और पानी के स्रोतों की सुरक्षा के बारे में जागरूकता फैलाने के अपने प्रयासों पर जोर दिया। उन्होंने नदी के किनारे सफाई अभियान, इकोलॉजिकल निगरानी, पौधारोपण, जागरूकता अभियान और गांव के स्तर पर ज़िम्मेदार पर्यावरणीय कार्य प्रणालियों को बढ़ावा देने के लिए स्थानीय समुदायों के साथ मिलकर काम करने के अनुभव साझा किए। कई प्रतिभागियों ने जल जीवन मिशन के बदलाव लाने वाले प्रभाव के बारे में बात की, और बताया कि कैसे हर घर जल ने स्वास्थ्य, सम्मान और जीवन की गुणवत्ता में सुधार किया है। स्कूली छात्रों ने भी अपने अनुभव साझा किए, और बताया कि वे स्कूल द्वारा चलाए जा रहे सफाई अभियान, पेड़ लगाने की गतिविधियों, पानी बचाने के तरीकों, रैलियों, रचनात्मक कार्यक्रमों और साथियों को जागरूक करने की पहलों के जरिए नदी संरक्षण और पानी के बारे में जागरूकता फैलाने में कैसे योगदान दे रहे हैं। छात्रों ने अपने परिवारों और समुदायों में साफ नदियों और ज़िम्मेदारी से पानी इस्तेमाल करने का संदेश फैलाने में बदलाव लाने वाले एजेंट के तौर पर अपनी भूमिका पर जोर दिया। छोटे बच्चों की भूमिका को पहचानते हुए, मंत्री ने कहा कि वे हमारे देश का भविष्य हैं और आने वाले वर्षों में देश की तरक्की में बहुत अहम भूमिका निभाने वाले हैं। 25 जलज आजीविका केन्द्रों का उद्घाटन

कार्यक्रम के दौरान, मंत्री ने 25 जलज आजीविका केन्द्रों का उद्घाटन किया, जो नमामि गंगे मिशन और वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (डब्ल्यूआईआई) की एक संयुक्त पहल है। इसका मकसद गंगा नदी बेसिन में नदी संरक्षण को स्थायी आजीविका के साथ जोड़ना है। यह पहल संरक्षण प्रयासों में समुदाय की भागीदारी को बढ़ावा देती है, साथ ही सम्मानजनक आजीविका के अवसर भी पैदा करती है, जिसमें महिलाओं की भागीदारी पर विशेष ध्यान दिया गया है। यूथ फॉर गंगा, यूथ फॉर यमुना की शुरूआत मंत्री ने इको रूट्स फाउंडेशन के एजुकेशनल आउटरीच प्रोग्राम और "यूथ फॉर गंगा यूथ फॉर यमुना" परियोजना की शुरूआत की। इस पहल का केन्द्र युवाओं हमारे भविष्य को नदी संरक्षण के प्रयासों में शामिल करना है। उन्होंने खुशी जताई कि दिल्ली के स्कूलों के छात्र, शिक्षक और प्रधानाचार्य इस शुरूआत में शामिल हुए। यह अभियान पूरे दिल्ली-एनसीआर के स्कूलों में फैलने वाला है

कुटुंबा में 649 बोतल टनाका शराब के साथ दो तस्कर गिरफ्तार ऑटो जप्त

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

कुटुंबा (बिहार)औरंगाबाद जिले के कुटुंबा थाना क्षेत्र में वाहन चेकिंग के दौरान पुलिस ने दो शराब तस्करों को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार तस्करों की पहचान रोहित सिंह और प्रिंस कुमार के रूप में हुई है, जो क्रमशः एरका और

पिरजपुर गांव के रहने वाले हैं। पुलिस ने उनके पास से 649 बोतल देशी टनाका शराब जब्त की है, जिसकी कुल मात्रा 194.7 लीटर है। तस्करों के पास से एक टैंपो भी बरामद किया गया है । थानाध्यक्ष इमरान आलम ने बताया कि शराब और ऑटो को जप्त कर थाना लाया गया है और मामले में गिरफ्तार तस्करों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है। थानाध्यक्ष ने बताया कि शराब तस्करी के खिलाफ अभियान जारी रहेगा और ऐसे अपराधों में शामिल लोगों को बख्शा नहीं जाएगा।

पटना के पालीगंज पुलिस ने किया गांजे के साथ एक युवक को गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जीका संवाददाताः- वेद प्रकाश

पटना/ मंगलवार की देर शाम पटना जिले के पालीगंज पुलिस ने थाना क्षेत्र के मिल्की नहर के पास एक गुमटी नुमा दुकान से गांजे के साथ एक युवक को गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पटना जिले के पालीगंज थाना अंतर्गत मिल्की नहर के पास एक गुमटी नुमा दुकान में गांजे बेची जा रही है। जिसपर कार्यवाई करते हुए पुलिस गुमटी नुमा दुकान पर पहुंचा तथा दुकान की तलाशी लिया। जिसके दौरान दुकान से गांजे बरामद हुई। जिसे जप्त करते हुए पुलिस ने गुमटी नुमा दुकान संचालक को गिरफ्तार कर लिया। गरफ्तार युवक की पहचान मिल्की गांव निवासी भीम मोची के रूप में हुई है। जिसे पुलिस कानूनी कार्यवाई करते हुए जेल भेज दिया। इस सम्बंध में पुलिस ने बताई की कुल 653 ग्राम गांजा बरामद हुई है।

नबीनगर थाना पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नवीनगर थाना पुलिस ने एक वारंटी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार वारंटी नबीनगर थाना क्षेत्र के कुबा गांव निवासी विश्वकर्मा राम पिता रघुबीर राम है। थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि उक्त व्यक्ति पर कोर्ट से वारंट निर्गत था और गिरफ्तारी के भय से फरार चल रहा था जिसे गुप्त सूचना पर गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत मे भेज दिया गया है।यह कारवाई एस आई संजय कुमार, एस आई राजू कुमार एवं सशस्त्र बल द्वारा किया गया।

वेदांता के अधिग्रहण के बाद भी बंद पड़े परिसर में दिखी देशभक्ति, 25 साल बाद केबल कंपनी परिसर में हुआ झंडोत्तोलन

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

जमशेदपुर (झारखंड) 26 जनवरी 2026: शहर की वर्षों से बंद पड़ी केबल कंपनी परिसर में 25 साल बाद राष्ट्रीय ध्वज फहराया गया। उल्लेखनीय है कि यह परिसर अब वेदांता कंपनी द्वारा अधिग्रहित किया जा चुका है, इसके बावजूद अभी तक कोई औपचारिक संचालन शुरू नहीं हुआ है।

ऐसे में परिसर में तैनात एसईएस सिक्योरिटी गार्ड साईट इंचार्ज पूर्व सूबेदार शिव शंकर शर्मा ने स्वयं पहल करते हुए झंडोत्तोलन किया और यह संदेश दिया कि कंपनी बदले या प्रबंधन बदले, तिरंगे के सम्मान में कोई कमी नहीं आनी चाहिए।

करीब ढाई दशक से बंद पड़े इस परिसर में तिरंगे का फहराना अपने आप में एक प्रतीकात्मक घटना मानी जा रही है। स्थानीय लोगों का कहना है कि वेदांता जैसी बड़ी औद्योगिक कंपनी के अधिग्रहण के बाद भी यदि औपचारिक रूप से कोई कार्यक्रम नहीं हुआ, तो सुरक्षा कर्मियों द्वारा किया गया यह झंडोत्तोलन और भी ज्यादा सराहनीय बन जाता है।

सिक्योरिटी गार्डों ने कहा कि यह कदम उन्होंने देश के प्रति अपने कर्तव्य और सम्मान के भाव से उठाया। बिना किसी तामझाम के, सादगी से किया गया यह आयोजन देशभक्ति की असली तस्वीर पेश करता है।

केबल मजदूर संघ के सागर तिवारी ने इस पहल की प्रशंसा करते हुए उम्मीद जताई कि भविष्य में वेदांता कंपनी परिसर के विकास के साथ-साथ राष्ट्रीय पर्वों को भी पूरे सम्मान के साथ मनाएगी। एसआईएस के गार्ड सुपरवाइजर अमित कुमार, सोनू,राजीव श्रीवास्तव और राहुल सक्सेना उपस्थित थे।

इंडियन ट्रेड लिंक्स ने 77वां गणतंत्र दिवस समारोह टाटा स्टील के परिसर में धूमधाम से मनाया

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

जमशेदपुर (झारखंड) 26 जनवरी 2026: टाटा स्टील लिमिटेड जमशेदपुर परिसर में 77वां गणतंत्र दिवस हर्षोल्लास और गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम का आयोजन इंडियन ट्रेड लिंक्स के द्वारा किया गया, जहां मुख्य अतिथि टाटा स्टील लिमिटेड के एफ एफ एम के इंजीनियर प्रणय पार्य और उनके साथ अभिषेक आनंद और कैलाश कुमार ने ससम्मान तिरंगा फहराकर सलामी दी।

झंडोत्तोलन से उपरांत मुख्य अतिथि ने उनके अनुशासन एवं कर्तव्यनिष्ठा की सराहना की। इसके पश्चात उपस्थित कर्मचारियों एवं अतिथियों को संबोधित करते हुए उन्होंने सभी को गणतंत्र दिवस की शुभकामनाएं दीं।

अपने संबोधन में श्री प्रणय ने कहा कि वर्तमान वैश्विक परिदृश्य उथल-पुथल से भरा है, ऐसे में हमारी जिम्मेदारी केवल उत्पादन तक सीमित नहीं रह जाती। उन्होंने ऑपरेशनल एक्सीलेंस,

डिजिटलीकरण और विशेष रूप से सेफ्टी पर अधिक ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि सेफ्टी केवल एक मानक नहीं, बल्कि मानव जीवन के प्रति सम्मान को दशार्ने वाला हमारा मूलमंत्र है।

उन्होंने यह भी कहा कि गणतंत्र दिवस हमें अधिकारों के साथ-साथ दायित्वों की भी याद दिलाता है। ईमानदारी, अनुशासन और टीमवर्क के साथ उच्चतम मानकों का पालन करते हुए सम्मानजनक कार्य संस्कृति को आगे बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि जब भारत एक विकसित राष्ट्र बनने की दिशा में अग्रसर है, तब टाटा स्टील जैसे औद्योगिक केंद्रों की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो जाती है।

कार्यक्रम के दौरान स्वतंत्रता सेनानियों और संविधान निमार्ताओं को नमन करते हुए उनके सपनों को प्रत्येक दिन, प्रत्येक शिफ्ट और प्रत्येक क्षण साकार करने का संकल्प लिया गया।

कार्यक्रम का संचालन मोहम्मद तबरेज अजीज और गोपाल चंद्र प्रधान ने किया। गणतंत्र दिवस समारोह की संपूर्ण तैयारी हेड ऑफिस दिल्ली निर्देशन में की गई थी। अंत में इंडियन ट्रेड लिंक्स के एरिया मैनेजर लब्दीप ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत कर कार्यक्रम का समापन किया।

इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से विनोद कुमार पाण्डेय,सौरभ,गोपाल चंद्र प्रधान, मोहम्मद तबरेज अजीज, लब्दीप और उपस्थित कर्मचारियों का भरपूर सहयोग रहा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर राष्ट्रीय मतदाता दिवस कार्यक्रम का आयोजन

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान

जमशेदपुर (झारखंड) 28 जनवरी 2026: प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के आवाहन पर माई भारत,सरायकेला-खरसावां, संत कबीर सेवा संस्थान, गम्हरिया

के संयुक्त तत्वावधान में तथा संस्कारोदय एकेडमी, जुलुमटाँड़ में राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में श्री अमित सिंह (निवर्तमान उप महापौर, आदित्यपुर नगर निगम) उपस्थित रहे। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में श्री संजय सरदार (कार्य समिति सदस्य, अनुसूचित जनजाति मोर्चा, झारखंड प्रदेश), श्री अभिजीत महतो (पूर्व पार्षद, वार्ड संख्या-2), श्री युगल किशोर राय (अभिभावक व संस्थापक, संत कबीर सेवा संस्थान) तथा श्री मुकेश कुमार (युवा भारत, सरायकेला-खरसावां) की गरिमामयी उपस्थिति रही।

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य मतदान के प्रति जन-जागरूकता फैलाना रहा। इस अवसर पर विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा मतदाता जागरूकता जुलूस निकाला गया, जिसे मुख्य अतिथि श्री अमित सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह जुलूस जुलुमटाँड़ एवं सातबहनी क्षेत्र में भ्रमण करते हुए लोगों को मतदान के अधिकार एवं उसके महत्व के प्रति जागरूक करता रहा।

कार्यक्रम के दौरान लोकतंत्र को सशक्त बनाने में युवाओं की भूमिका को रेखांकित करते हुए कुछ नव-युवाओं को सम्मानित भी किया गया। सम्मानित युवाओं में शिवम कुमार पांडे, राहुल कुमार साहू, प्रिया कुमारी, पम्मी कुमारी एवं माही कुमारी शामिल रहीं।

इस अवसर पर विद्यालय के निदेशक सह प्रधानाचार्य डॉ. दिग्विजय भरत ने अपने संबोधन में कहा कि मतदान केवल अधिकार नहीं, बल्कि राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी है। उन्होंने युवाओं से अपील की कि वे स्वयं मतदान करें और दूसरों को भी इसके लिए प्रेरित करें।

कार्यक्रम में विद्यालय के सभी शिक्षक-शिक्षिकाएं, छात्र-छात्राएं एवं स्थानीय गणमान्य लोग बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रहित एवं लोकतंत्र की मजबूती के संकल्प के साथ किया गया।

मानवाधिकार सहायता संघ में आठवां स्थान बिट्टू ऊर्फ सत्य प्रकाश राय एवं नौवा स्थान कोल्हान अध्यक्ष जवाहर लाल महाली को मिला

अभय कुमार मिश्रा, समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 26 जनवरी 2026: सरायकेला खरसावां जिला अंतर्गत आदित्यपुर में लगातार समाज के समस्याओं का निरंतर प्रयास कर सामाधान करने पर झारखंड में मानवाधिकार सहायता संघ के पूरे कार्यकताओं में आठवां स्थान बिट्टू ऊर्फ सत्य प्रकाश राय एवं नौवा स्थान कोल्हान अध्यक्ष जवाहर लाल महाली को मिला। सह उत्कृष्ट

सेवा सम्मान से प्रदेशाध्यक्ष देवराज हिस्सा ने सम्मानित किया। जिसमें मुख्य रूप से जिला कार्यकारिणी सदस्य गजेन्द्र कुमार रवि,आर आई टी मंडल उपाध्यक्ष दिनेश प्रधान उपस्थित थे।

आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में बढ़ती चोरी से उद्यमी परेशान: 'सिया' ने थाना प्रभारी से सुरक्षा बढ़ाने की मांग की

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 28 जनवरी 2026: आदित्यपुर औद्योगिक क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से सक्रिय असामाजिक तत्वों और चोरी की बढ़ती वारदातों ने उद्यमियों और मजदूरों की नींद उड़ा दी है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए आदित्यपुर सिंहभूम इंडस्ट्री एसोसिएशन (सिया) के एक प्रतिनिधिमंडल ने अध्यक्ष संतोष सिंह के नेतृत्व में आदित्यपुर थाना प्रभारी विनोद कुमार तिर्की से मुलाकात की और सुरक्षा व्यवस्था पुख्ता करने की मांग की।

फेज 4, 5 और 6 में दहशत का माहौल

प्रतिनिधिमंडल ने पुलिस को अवगत कराया कि औद्योगिक क्षेत्र के फेज 4, 5 और 6 में चोरों का आतंक चरम पर है। हाल ही में 'ऑटो प्रोफाइल कंपनी' के पास एक कर्मचारी पर जानलेवा हमला हुआ, जिसमें वह गंभीर रूप से घायल हो गया। इस घटना के बाद से औद्योगिक क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूरों और अधिकारियों में असुरक्षा की भावना घर कर गई है।

पुलिस ने दिया कार्रवाई का आश्वासन

थाना प्रभारी विनोद कुमार तिर्की ने उद्यमियों की शिकायतों को गंभीरता से सुनते हुए त्वरित कार्रवाई का भरोसा दिया है। उन्होंने आश्वासन दिया कि प्रभावित क्षेत्रों में पुलिस गश्त (पेट्रोलिंग) बढ़ाई जाएगी और संदिग्ध गतिविधियों पर कड़ी नजर रखी जाएगी।

"उद्यमियों की सुरक्षा हमारी प्राथमिकता है। औद्योगिक क्षेत्र में भयमुक्त वातावरण सुनिश्चित करने के लिए हम असामाजिक तत्वों के खिलाफ सख्त कदम उठाएंगे।" – विनोद कुमार तिर्की, थाना प्रभारी

प्रतिनिधिमंडल में ये रहे शामिल

इस मुलाकात के दौरान सिया की टीम में मुख्य रूप से संतोष सिंह (अध्यक्ष),उदय सिंह (महासचिव), आशीष घोष (कोषाध्यक्ष, अजय सिंह (उपाध्यक्ष), रविन्द्र सिंह (सचिव) कार्यकारिणी सदस्यः गुड्डू सिंह, इंद्रजीत, धनराज, राजीव झा और रामाशंकर सिंह आदि शामिल थे।

"सेवानिवृत्ति अंत नहीं, बल्कि एक खूबसूरत शुरुआत है", सेवानिवृत्त सुरक्षाकर्मी को दी गई विदाई

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ, कोल्हान झारखंड

सरायकेला खरसावां (झारखंड) 26 जनवरी 2026: ग्रुप फॉर के सुरक्षा कर्मी निर्मल मिश्रा लगातार लगभग 30 वर्षों की सेवा देने के बाद सेवानिवृत हुए। 26 जनवरी यानी गणतंत्र दिवस के दिन मेटाफैब कंपनी में उनको भावपूर्ण विदाई दी गई। कहते है कि किसी भी सेवानिवृत्त कर्मचारी की विदाई एक भावुक क्षण होता है, जो अपार कृतज्ञता, पुरानी यादों और सुनहरे भविष्य की कामना से भरा होता है। सहकर्मी अक्सर उनके अमूल्य योगदान, मार्गदर्शन और कार्यक्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा को याद करते हैं, साथ ही उनके साथ बिताए गए समय को अविस्मरणीय बताते हैं। यह पल एक अंत नहीं, बल्कि जीवन के नए, सुकून भरे अध्याय की शुरूआत माना जाता है। एक कर्मचारी द्वारा दिए गए वर्षों के निस्वार्थ सेवा, मार्गदर्शन और समर्पण के लिए सम्मान व्यक्त करना ये अपने आप में बहुत बड़ी बात होती है। सहकमीयो का कहना है कि कार्यस्थल पर उनकी जीवंतता, हंसी और अनुभव की कमी महसूस हमेशा रहेगा। उनके कार्य को एक उदाहरण (मिसाल) के रूप में याद किया जाएगा।साथ ही उनके आने वाले स्वस्थ, तनावमुक्त और सुखी जीवन (सेवानिवृत्ति) की कामना करना।

सहकर्मियों का ये भी कहना है कि आपका मार्गदर्शन और सहयोग अमूल्य रहा है, और हम आपको बहुत याद करेंगे। इस पूरे सफर में आपने जो कुछ भी दिया है, उसके लिए बहुत-बहुत धन्यवाद"।

"सेवानिवृत्ति अंत नहीं, बल्कि एक खूबसूरत शुरूआत है। आशा है कि यह नया अध्याय आपके लिए रोमांच, संतुष्टि और अनंत आनंद लेकर आएगा"।

"कार्यालय में आपकी ऊर्जा और हंसी की बहुत याद आएगी। आपका समर्पण वाकई सराहनीय था। अब समय आ गया है कि आप जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीजों पर ध्यान दें: परिवार, रुचियां और मनचाही शांति"।

"विदाई का ये पल भारी है, लेकिन आपकी यादें हमेशा हमारे साथ रहेंगी। मेहनत की मिसाल हो आप, सलाम है"।

यह विदाई एक पेशेवर सफर को व्यक्तिगत स्नेह के साथ समाप्त करने का एक तरीका है।

अलविदा कहना कभी आसान नहीं होता, चाहे वो सहकर्मी हों, दोस्त हों या प्रियजन। लेकिन एक भावपूर्ण विदाई संदेश इस बदलाव को सहज बना सकता है और एक अमिट छाप छोड़ सकता है। एक अच्छा विदाई उपहार भी विदाई के अनुभव को और बेहतर बना सकता है और यादगार पल बना सकता है।

इस विदाई समारोह में पूर्ण रूप से और महत्वपूर्ण योगदान में विष्णु कांत, उपेंद्र सिंह, बि. एस. राय, राकेश, सुनील मिश्रा, अबोध सिन्हा,वरुण दुबे,विनय, पंकज,अभय, माधुरी सिंह, नैना, आशुतोष राय, गणेश, ओपी सिंह, एसके पाण्डेय,ए के पाण्डेय, सन महतो, नीरज, संजय भारती, बबीता ,आकाश मंडल, सनातन और आशुतोष पाण्डेय इत्यादि शामिल रहे हैं।

सोनारी दोमहानी में गुप्त नवरात्र नवमी पूजा का आयोजन, भक्तों से शामिल होने की अपील

अभय कुमार मिश्रा, दैनिक समाज जागरण, ब्यूरो चीफ,कोल्हान झारखंड

जमशेदपुर (झारखंड) 28 जनवरी 2026: श्री श्री सिद्धेश्वरी श्मशान काली माता मंदिर, दोमहानी, सोनारी, जमशेदपुर में गुप्त नवरात्र के पावन अवसर

पर नवमी तिथि की विशेष पूजा का आयोजन किया जा रहा है। मंदिर के महंत सीताराम शरण चौधरी महाराज के सान्निध्य में पूजा-पाठ, हवन एवं कन्या कुमारी भोजन का कार्यक्रम संपन्न होगा।

मंदिर परिसर में हाल ही में 18 पूजा दुर्गा माता की प्रतिमा की प्राण-प्रतिष्ठा विधिवत रूप से संपन्न की गई है। इसके साथ ही यहां काली माता, मां बगलामुखी एवं दस महाविद्याओं की नियमित पूजा भी की जाती है। मंदिर प्रबंधन की ओर से समस्त श्रद्धालुओं एवं भक्तों से आग्रह किया गया है कि वे समय पर उपस्थित होकर गुप्त नवरात्र नवमी तिथि की पूजा, हवन एवं कन्या कुमारी भोजन में भाग लेकर माता रानी का आशीर्वाद प्राप्त करें।

फिरोजाबाद

पेट्रोल पम्प फर्जी एप से पेटीएम पर भुगतान करने पर सेल्समैन ने 112 पर की शिकायत

समाज जागरण

फिरोजाबाद! क्लब चौराहे के समीप एक पेट्रोल पम्प पर बाइक में पेट्रोल डलवाने के बाद फर्जी एप से भुगतान करने पर सेल्समैन ने 112 नम्बर पर सूचना देकर पुलिस को बुलाया जलेसर रोड के क्लब चौराहे पर बने गणपति पेट्रोल पम्प पर बुलट गाड़ी में पेट्रोल डलवाने आये लड़के ने फर्जी एफ के द्वारा 500 सौ रुपये की पेट्रोल भरवा ली ,जब सेल्समेन की पेटीएम मशीन पर भुगतान नजर नही आया तो उसने लड़के से कहा कि इस पर पेमेन्ट दिखाई नही दे रहा। यह बात सुनते ही उसके साथ आये दो अन्य लड़के भागने लगे। तब उस लड़के को सेल्समैन ने पकड़ लिया जिसने अपने मोबाइल के द्वारा पेमेंट किया था। और उसकी सूचना 112 नम्बर पर दी। सूचना पर आई पुलिस तीनो लड़को को थाने ले गयी।

पुलिस ने कुख्यात अपराधी पकड़ा, असलाह बरामद

समाज जागरण –ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। थाना एका पुलिस शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से असलाह बरामद किया है। पुलिस ने उसे जेल भेजा है। प्रभारी निरीक्षक संजुल कुमार पाण्डेय थाना एका ने पुलिस बल के साथ

चैकिंग के दौरान एक शातिर बदमाश को गिरफ्तार किया है। पुलिस को उसके बारे में पता चला था।

पुलिस ने उसे ग्राम जेडा की ओर जाने वाले मार्ग जेडा तिराहा थाना क्षेत्र एका से पकड़ा है।

पकड़े गए अभियुक्त का नाम पुलिस ने विपिन उर्फ शौर्य पुत्र रामकिशोर उर्फ मुन्नालाल बताया है। वह जेडा थाना एका का रहने वाला है।

पुलिस ने अभियुक्त के पास से एक तमंचा 315 बोर, एक जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किया है।

प्रभारी निरीक्षक ने बताया पकड़ा गया अभियुक्त कुख्यात है उस पर हत्या का प्रयास गैंगस्टर आयुध अधिनियम सहित एक दर्जन से अधिक फि रोजाबाद तथा अलीगढ़ के विभिन्न थानों में एक दर्जन से अधिक मुकदमे दर्ज है।

गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर उसके खिलाफ धारा 3/25 आयुध अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस ने उसे जेल भेजा है। थाना एका पर पंजीकृत किया गया । गिरफ्तार शुदा अभियुक्त को मा0न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है ।

जिलाधिकारी ने जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित हुई

समाज जागरण

फिरोजाबाद! जिलाधिकारी रमेश रंजन के मार्ग निर्देशन में विकास भवन सभागार में जिला स्तरीय निगरानी समिति की बैठक आयोजित की गई, इस बैठक में जनपद के जनप्रतिनिधियों और जिला स्तरीय वरिष्ठ अधिकारियों ने प्रतिभाग किया, इस बैठक का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण विकास योजनाओं की समीक्षा करना और उनमें गति लाना था, सर्वप्रथम परियोजना निदेशक सुभाष चंद्र त्रिपाठी ने प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) और मुख्यमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के बारें में विस्तार से जानकारी साझा की, उन्होंने कहा कि पात्र लाभार्थियों को बिना किसी विलम्ब के किस्तों का भुगतान

सुनिश्चित किया जा रहा है और चयन प्रक्रिया में पूरी पारदर्शिता बरती जा रही है, उपस्थित जन प्रतिनिधियों ने धरातल पर आने वाली समस्याओं से समिति को अवगत कराया, सदस्यों ने कहा कि नागरिकों के कार्य में विलंब न किया जाए और उनकी समस्याओं का तुरंत समाधान किया जाए, समिति को आश्वस्त किया गया की प्राथमिकता के आधार पर नागरिकों की समस्याओं का समाधान होगा, इसी तरह पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी ने पेंशन योजना एवं शादी अनुदान के बारे में विस्तार से लोगों को अवगत कराया, इस बैठक के दौरान ब्लाक प्रमुख डॉ0 लक्ष्मी नारायण यादव, समस्त खंड विकास अधिकारी इत्यादि उपस्थित रहें।

प्रस्तुति देने वाली छात्राओं को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि देवेंद्र सिंह एवं डा. रामकैलाश यादव

समाज जागरण – ब्रजमोहन सिंह

शिकोहाबाद। डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की 125वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित तीन दिवसीय कार्यक्रम के तीसरे और अंतिम दिन विविध सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के माध्यम से उन्हें भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी गई।

समापन समारोह कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि देवेंद्र सिंह शिक्षाविद् एवं समाजसेवी द्वारा दीप प्रज्ज्वलन कर किया गया। कार्यक्रम में देशभक्ति की भावना और भारतीय सांस्कृतिक विरासत का अद्भुत समन्वय देखने को मिला। कलाकारों ने देशभक्ति गीत, सांस्कृतिक गीत तथा पारंपरिक नृत्य प्रस्तुत कर दर्शकों का मन मोह लिया। विशेष आकर्षण भारतीय बृज म्यूज़िकल ग्रुप, वृंदावन की लोकगीत प्रस्तुतियाँ रहीं। जिनमें भारतीय लोक संस्कृति,

भक्ति और राष्ट्रप्रेम की अनूठी छाप देखने को मिली। पूरा आयोजन देशभक्ति के रंग में रंगा दिखाई दिया और दर्शकों ने तालियों की गड़गड़ाहट से कलाकारों का उत्साह बढ़ाया। समापन सत्र में वक्ताओं ने डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के विचारों, त्याग और राष्ट्रहित के लिए उनके अमूल्य योगदान पर विस्तृत चर्चा की।

अंत में डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी पर वाद.विवाद का कार्यक्रम हुआ। अध्यक्षता कर रहे डॉ राम कैलाश यादव ने कहा कि मुखर्जी केवल एक नेता नहीं,बल्कि राष्ट्र की आत्मा थे। अमर पाल सिंह ने कहा हमारा उद्देश्य केवल आयोजन नहीं बल्कि राष्ट्र भक्ति और स्वाभिमान की भावना को समाज में स्थापित करना है। मुख्य अतिथि ने डॉ राम कैलाश यादव द्वारा कलाकारों, विजेताओं और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले प्रतिभागियों को शील्ड और प्रमाणपत्र देकर सम्मानित किया गया। अमरपाल सिंह संस्था के सचिव एवं प्रमुख व्यक्ति दिलीप कुमार पांडेय तथा संस्था के सदस्यगण राजकुमार दक्ष, ऋषभ देव उपाध्याय सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे।

77वें गणतंत्र दिवस पर ईएलसी सहायक नोडल अधिकारी डॉ. हिमांशु शर्मा को मंडलायुक्त ने किया सम्मानित!

समाज जागरण – ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद। गणतंत्र दिवस के पावन अवसर पर जनपद की पुलिस लाइन में भव्य एवं गरिमामय समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समाज सेवा, प्रशासनिक सहयोग एवं विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विशिष्ट व्यक्तियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में आगरा मंडल के मंडलायुक्त शैलेन्द्र कुमार सिंह द्वारा प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

इसी क्रम में डीएवी इंटर कॉलेज के प्रवक्ता एवं ईएलसी के सहायक नोडल अधिकारी डॉ. हिमांशु शर्मा को उनके द्वारा निर्वाचन जागरूकता एवं सामाजिक क्षेत्र में किए गए उत्कृष्ट, सराहनीय एवं प्रभावशाली कार्यों के लिए प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें मंडलायुक्त आगरा मंडल शैलेन्द्र कुमार सिंह, जिलाधिकारी

रमेश रंजन एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक श्री सौरभ दीक्षित के कर-कमलों से प्रदान किया गया।

समारोह के दौरान वक्ताओं ने डॉ. हिमांशु शर्मा द्वारा लोकतांत्रिक मूल्यों को मजबूत करने, मतदाता जागरूकता बढ़ाने तथा शैक्षिक एवं सामाजिक गतिविधियों में सक्रिय योगदान की भूरि-भूरि प्रशंसा की। अधिकारियों ने कहा कि ऐसे शिक्षक समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत होते हैं और लोकतंत्र को सशक्त बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।

सम्मान प्राप्त करने के उपरांत डॉ. हिमांशु शर्मा ने इस उपलब्धि का श्रेय अपने परिवार, सहयोगी शिक्षकों, विद्यालय प्रबंधन एवं प्रशासन को देते हुए कहा कि वे भविष्य में भी पूरी निष्ठा, ईमानदारी एवं समर्पण के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन करते रहेंगे। कार्यक्रम में जिले के अनेक प्रशासनिक अधिकारी, जनप्रतिनिधि, शिक्षाविद, समाजसेवी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। अंत में अधिकारियों द्वारा डॉ. हिमांशु शर्मा के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्हें निरंतर समाज हित में कार्य करते रहने के लिए प्रेरित किया गया।

ब्राह्मण महासभा ने यूजीसी बिल के विरोध में राष्ट्रपति के नाम एसडीएम को सोपा ज्ञापन!

समाज जागरण

फिरोजाबाद! जिला ब्राह्मण महासभा पंजीकृत के अध्यक्ष पंडित शिवकुमार शर्मा एडवोकेट द्वारा यूजीसी बिल के विरोध में एक ज्ञापन महामहिम राष्ट्रपति को संबोधित करते हुए द्वारा उप जिलाधिकारी शिकोहाबाद को सोपा गया।

जिसमें पंडित शिवकुमार शर्मा द्वारा यूजीसी बिल का विरोध करते हुए महामहिम से अपील की कि जन भावनाओं को देखते हुए यह बिल सवर्ण समाज के विरोध में है। जिसमें सवर्ण समाज के साथ अत्याचार की संख्या बढ़ेगी। जिससे लोगों में आपसी वैमनस्यता बढ़ेगी

और लोग आपस में बटेंगे। अतः महामहिम राष्ट्रपति महोदय जी से अपील है कि इस बिल को तुरंत वापस लिया जाए जिससे लोगों में किसी भी प्रकार का मतभेद ना हो। ज्ञापन देते समय ठाकुर बलवीर सिंह चौहान, वेदेन्द्र कुमार शर्मा, मनु मिश्रा, अरुण शर्मा, वेदांत मिश्रा, राजेंद्र प्रसाद शर्मा, अनिल शर्मा, ओ.पी. दीक्षित, ब्रजेश उपाध्याय, अजय कुमार शर्मा, रविश शर्मा, प्रेम बिहारी तिवारी, विपिन तिवारी, ठाकुर यशवंत सिंह आदि लोग उपस्थित थे।

यूजीसी की नई गाइडलाइन को लेकर देशभर में विरोध, सवर्ण समाज सड़कों पर उतरा

सरकार असमंजस में, राजनीतिक दलों और समाज में मतभेद गहराए

नई दिल्ली/लखनऊ। उच्च शिक्षा व्यवस्था में यूजीसी की नई गाइडलाइन के तहत लागू किए गए नए अधिनियम को लेकर देशभर में तीखा विरोध देखने को मिल रहा है। सवर्ण समाज ने इस नियम को अपने बच्चों के भविष्य के लिए खतरा बताते हुए सड़कों पर उतरकर प्रदर्शन शुरू कर दिया है और इसे तत्काल वापस लेने की मांग की है।

प्रदर्शनकारियों का कहना है कि यह नियम शिक्षा व्यवस्था में असमानता को बढ़ावा देगा और सवर्ण वर्ग के छात्रों के साथ अन्याय होगा। सवर्ण समाज का तर्क है कि किसी भी वर्ग के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए, फिर भी उनके साथ ऐसा क्यों किया जा रहा है, यह सवाल उठाया जा रहा है।

वहीं सरकार की ओर से स्पष्ट किया गया है कि नए नियम का दुरुपयोग किसी भी स्थिति में नहीं होने दिया जाएगा और सभी वर्गों के हितों की रक्षा की जाएगी। बावजूद इसके, विरोध थमने का नाम नहीं ले रहा है।

राजनीतिक स्तर पर भी इस मुद्दे ने मतभेद पैदा कर दिए हैं। कांग्रेस नेता उदित राज ने यूजीसी के नए नियम का समर्थन किया है, जबकि उत्तर प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने इसका खुलकर विरोध जताया है।

लखनऊ के अधिवक्ता सुशील रावत ने इस नियम को सराहनीय बताते हुए प्रदर्शनकारियों को अपराध की श्रेणी में रखा और कहा कि सरकार को किसी भी हालत में कानून वापस नहीं लेना चाहिए।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि सरकार इस मुद्दे पर असमंजस की स्थिति में है। यदि नियम वापस लिया जाता है तो ओबीसी, एससी और एसटी वर्ग के वोटों पर असर पड़ सकता है, और यदि वापस नहीं लिया गया तो सवर्ण समाज की नाराजगी झेलनी पड़ेगी, जिसे भारतीय जनता पार्टी का कोर वोटर माना जाता है।

इसी बीच सोशल मीडिया और सार्वजनिक मंचों पर भी इस नियम को लेकर तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आ रही हैं। कुछ लोग इसे भाजपा के भीतर चल रही राजनीति से जोड़ते हुए इसे "योगी विरोधी कदम" करार दे रहे हैं और केंद्र सरकार पर उत्तर प्रदेश की राजनीति को प्रभावित करने की साजिश का आरोप लगा रहे हैं।

यूजीसी नियम के विरोध में जहां एक ओर देशभर में प्रदर्शन जारी हैं, वहीं दूसरी ओर जनता की राय भी बंटी हुई दिखाई दे रही है– कोई इसे सुधार की दिशा में कदम बता रहा है तो कोई इसे सामाजिक विभाजन बढ़ाने वाला निर्णय मान रहा है।

राजनीतिक बयान और प्रतिक्रिया

उदित राज (कांग्रेस) - यूजीसी नियम का समर्थन
अजय राय (UP कांग्रेस अध्यक्ष) - विरोध जताया
वकील सुशील रावत (लखनऊ) - नियम को सराहनीय बताया; प्रदर्शनकारियों को 'अपराधी' करार दिया और सरकार को कानून वापस न लेने की सलाह

सरकार की दुविधा

नियम वापस लिया - ओबीसी/एससी/एसटी वोट प्रभावित होंगे
नियम नहीं लिया - सवर्ण समाज की नाराजगी, बीजेपी के कोर वोटर खफा होंगे

सामाजिक प्रतिक्रिया
देशभर में प्रदर्शन जारी

सोशल मीडिया पर टिप्पणियां बंटी हुईं:
कुछ लोगों ने समर्थन किया
कुछ लोगों ने विरोध जताया
विवाद को लेकर कई लोग इसे "योगी विरोधी" और केंद्र सरकार पर साजिश का हिस्सा मान रहे हैं

सवर्ण समाज का संदेश
"किसी के साथ भेदभाव नहीं होना चाहिए। लेकिन सवर्णों के साथ ऐसा क्यों किया गया?"

पिंडरा के अधिवक्ताओं ने यूजीसी संशोधन बिल का विरोध, सौंपा ज्ञापन

समाज जागरण - अनिल कुमार

हरहुआ, वाराणसी। यूजीसी संशोधन अधिनियम को लेकर सवर्ण समाज में नाराजगी बढ़ रही है। बुधवार को पिंडरा तहसील के सवर्ण अधिवक्ताओं ने बिल का जोरदार विरोध करते हुए केंद्र सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

अधिवक्ताओं ने राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम प्रतिभा मिश्रा को सौंपकर बिल को वापस

लेने की मांग की। उनका कहना था कि यह बिल उच्च वर्ग के छात्रों के कैरियर पर नकारात्मक प्रभाव डालेगा और शिक्षण संस्थानों में वर्ग संघर्ष पैदा कर सकता है। इस दौरान अंकित मिश्रा, आलोक पांडेय, राजन सिंह, अश्वनी सिंह, श्यामशंकर सिंह, विजय शर्मा, संतोष सिंह, राजेश सिंह, नवीन सिंह समेत दर्जनों अधिवक्ता उपस्थित रहे।

शामली। (फुरकान जंग)

रालोद के छात्र नेता राजन

जावला ने नियमों का समर्थन करते हुए कहा कि,यदि यूजीसी के नए नियमों को ईमानदारी और पारदर्शिता के साथ लागू किया गया तो यह उच्च शिक्षा संस्थानों में फैले भेदभाव को खत्म करने में अहम भूमिका निभाएगा। छात्रों को समान अवसर मिलना बेहद जरूरी है।

सामाजिक कार्यकर्ता प्रदीप शर्मा ने कहा कि नियमों की मंशा सही हो सकती है, लेकिन इसमें दी गई परिभाषाओं और दिशा-निर्देशों को और स्पष्ट किया जाना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार का भ्रम या गलत इस्तेमाल न हो।

मामले पर अपनी अलग राय रखते हुए बीए,एल एलबी छात्र वंश चौहान ने कहा कि बिना जमीनी हकीकत को समझे बनाए गए नियम कई बार उलझन पैदा करते हैं। स-

रकार को छात्रों और शिक्षकों से संवाद क र नियमों में जरूरी सुधार करना चाहिए।

शिक्षक मुस्तफा जंग ने यूजीसी के नए नियम व कानून को लेकर जागरूकता की बात करते हुए कहा कि उच्च शिक्षा केवल डिग्री हासिल करने का माध्यम नहीं, बल्कि समाज को दिशा देने का जरिया है। यूजीसी के नए नियम अगर सही भावना के साथ लागू किए जाते हैं, तो इससे जाति, वर्ग या किसी भी तरह के भेदभाव की सोच को जड़ से खत्म किया जा

सकता है। जरूरत इस बात की है कि छात्र, शिक्षक और अभिभावक इन नियमों को पूरी तरह समझें और अफवाहों के बजाय तथ्य के आधार पर अपनी राय बनाएं। जागरूकता ही किसी भी कानून की सबसे बड़ी ताकत होती है। उन्होंने आगे कहा कि ह्लसरकार और विश्वविद्यालय प्रशासन को चाहिए कि वे गांव-देहात तक इन नियमों की सही जानकारी पहुंचाएं, ताकि छात्र भ्रमित न हों और शिक्षा का माहौल सकारात्मक बना रहे।

गुन्नौर छात्रों ने यूजीसी विवादित प्रस्ताव को लेकर सौंपा ज्ञापन

गुन्नौर। गुन्नौर तहसील के छात्र-छात्राओं ने यूजीसी के विवादित प्रस्ताव को लेकर एसडीएम अवधेश कुमार को ज्ञापन सौंपा। छात्रों ने काले कानून में जातिगत भेदभाव, बिना जांच सजा देने जैसी कमियों को दूर करने और सामाजिक समरसता कायम

करने की मांग की।

उप जिलाधिकारी ने छात्रों को आश्वासन दिया कि उनके सुझाव पर विचार किया जाएगा। इस मौके पर ओजस कुमार शर्मा, मन कुमार, अंश, यथार्थ, आदित्य, अनंत, विभोर, वेदांश, अभय, दिवाकर, अक्षिता, भूमिका, आयुष समेत दर्जनों छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यू जी सी) की ओर से जारी 'उच्च शिक्षण संस्थानों में समानता को बढ़ावा देने के नियम 2026' ने देश के सवर्ण समाज में भारी आक्रोश पैदा कर दिया है इस पर कुछ लोगों की राय ....

प्रस्तुति रंजीत तिवारी

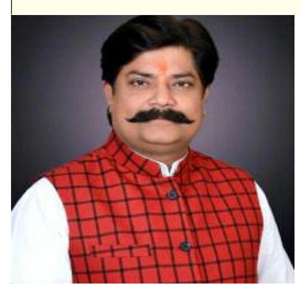

शिक्षण संस्थानों में एक वर्ग विशेष के छात्रों का शोषण किया जाएगा। बिल में उच्च वर्ग के छात्र-छात्राओं को दूषित मानसिकता के तहत अपराधी मान लिया गया है। यूजीसी संशोधन बिल पर सत्ता पक्ष एवं विपक्ष एक साथ मौन हो गया है।

धर्मेंद्र सिंह (पप्पू)
प्रबंधक श्री युगल बिहारी इन्टर कालेज रामेश्वर वाराणसी

इन नियमों को "काला कानून"

करार दिया साथ ही वापस लेने की मांग की और आरोप लगाया कि ये नियम सामान्य वर्ग (जनरल कैटेगरी) के छात्रों के खिलाफ भेदभावपूर्ण हैं तथा कैंपस में झूठे मामलों और विभाजन को बढ़ावा देंगे।

रोहित त्रिपाठी
मंडल अध्यक्ष संवर्ण आर्मी वाराणसी

यूजीसी की ओर से बनाया गया यह नियम भारतीय समाज के ताने-बाने को न सिर्फ छिन्न भिन्न करता है बल्कि विश्वविद्यालय और महाविद्यालय परिसरों को राजनीतिक अखाड़े में तब्दील करने का प्रयास है। कोई भी कानून किसी व्यक्ति विशेष और वर्ग विशेष को ध्यान में रखकर नहीं बनाया जाता है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग को तत्काल इसे वापस लेना चाहिए।

शशि कांत सिंह चेयरमैन
संजय मेमोरियल वूमेंस कॉलेज वाराणसी

यह बिल सवर्ण छात्रों के कैरियर को समाप्त करने वाला बिल है

ऐसे काले कानून से न केवल विश्वविद्यालय और महाविद्यालय का माहौल दूषित होगा, बल्कि समाज में वर्ग संघर्ष का खतरा बनेगा।

निशांत मिश्रा विक्की
छात्र वाराणसी

यूजीसी के नए कानून से यह आशंका है कि इसका दुरुपयोग कर सवर्ण छात्रों व शिक्षकों पर झूठे आरोपों की बाढ़ न आ जाए। यदि शिकायतों की निष्पक्ष, साक्ष्य-आधारित और समयबद्ध जांच की स्पष्ट व्यवस्था नहीं हुई तो सवर्ण छात्रों और शिक्षकों की सामाजिक प्रतिष्ठा, मानसिक शांति और शैक्षिक वातावरण प्रभावित हो सकता है।

अखिलेश कुमार मिश्र
प्रदेश महामंत्री कैट

क्या 80 प्रतिशत वाले 15 प्रतिशत वालों से शोषित होंगे वाह

रे कानून कैसा संविधान किसके लिए बनाया गया संविधान 75 साल से जातियों के साथ भेदभाव हो रहा है जब आरक्षण तो सभी जातियों को दिया जा रहा है, अभी भी स्वर्णों के द्वारा शोषण प्रताड़ित या जातिगत भेदभाव किया जा रहा है। यह बिल्कुल भी गलत हैं।।

मेरे मत से वञ्ञ्छ लागू नहीं होना चाहिए और अगर हो तो जांचोपरांत होने के बाद उस पर ञ्ञ्फ्फहो ।यूजीसी सवर्णों को पंगु बनाने की एक बहुत हो घातक हथियार हैं। जो सरकार की एक अनैतिक कदम है।

प्रीतेश कुमार त्रिपाठी
पर्यावरण प्रेमी, रामेश्वर

"समान शिक्षा अधिकार पर खंजर लटकाने जैसा फैसला"

यूजीसी के निर्णय पर राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज की कड़ी प्रतिक्रिया

भिवानी। राष्ट्रीय युवा पुरस्कार विजेता अशोक कुमार भारद्वाज ने विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के हालिया निर्णय पर गहरी चिंता व्यक्त की है। उनका कहना है कि यह निर्णय शिक्षा के मूल सिद्धांतों और समाज की समरसता के खिलाफ है।

भारद्वाज ने कहा कि "युवा देश का भविष्य हैं और उन्हें जातिगत वर्गीकरण में बांटना सीधे राष्ट्रीय एकता और सामाजिक समरसता पर असर डालेगा। शिक्षा का उद्देश्य समाज के हर वर्ग को समान अवसर देना है, न कि नई दीवारें खड़ी

करना।"

उन्होंने यूजीसी से अपील की कि इस फैसले पर तत्काल पुनर्विचार किया जाए। भारद्वाज ने कहा कि यह निर्णय समान शिक्षा अधिकार पर खंजर लटकाने जैसा है और संविधान की भावना के विपरीत है।

मुख्य बिंदु

शिक्षा को प्रतिभा, मेहनत और योग्यता के आधार पर आगे बढ़ाया जाना चाहिए।

युवाओं, शिक्षाविदों और सामाजिक संगठनों से जागरूक होने और संवाद के माध्यम से समस्या हल करने की अपील।

चेतावनी: *यदि समय रहते निर्णय पर पुनर्विचार नहीं हुआ, तो इसका नकारात्मक प्रभाव देश के सामाजिक और शैक्षणिक भविष्य पर पड़ सकता है।*

लोगों ने जताई चिंता, पुनर्विचार की मांग

यूजीसी एक्ट 2026 के नए प्रावधानों पर पदमा में उठे सवाल

पदमा। यूजीसी एक्ट 2026 के नए प्रावधानों को लेकर पदमा प्रखंड में असंतोष देखने को मिल रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि समानता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाए गए ये नियम व्यावहारिक कम और विवाद को बढ़ावा देने वाले अधिक हैं।

अधिवक्ता उपेंद्र कुमार पाठक ने कहा कि नए प्रावधान सामाजिक भेदभाव कम करने के बजाय शैक्षणिक संस्थानों में अविश्वास का माहौल पैदा कर सकते हैं। शिक्षक मनीष पाठक के अनुसार, इससे शिक्षकों की स्वायत्तता प्रभावित होगी और शिक्षण वातावरण पर नकारात्मक असर पड़ेगा।

समाजसेवी चंदन कुमार ने आशंका जताई कि ग्रामीण पृष्ठभूमि से आने वाले छात्र सबसे अधिक प्रभावित होंगे। शिक्षिका रागिनी मिश्रा का कहना है कि नियमों से सहयोग की जगह भय और दबाव का माहौल बनेगा।

कॉलेज छात्रा कनिष्का ने छात्रों में भ्रम और मानसिक दबाव बढ़ने की बात कही, जबकि प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहीं सिमरन ने इसे एकतरफा बताते हुए झूठे आरोपों की आशंका जताई।

कुल मिलाकर पदमा क्षेत्र में यूजीसी एक्ट 2026 के नए प्रावधानों को लेकर चिंता स्पष्ट है। लोगों ने सरकार और यूजीसी से सभी वर्गों की राय सुनकर नियमों पर पुनर्विचार की मांग की है।

यूजीसी संशोधन को लेकर करणी सेना की अहम बैठक

किशनगंज। श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना के जिला कार्यालय में यूजीसी बिल में प्रस्तावित संशोधन को लेकर एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में पदाधिकारियों ने बिल को स्वर्ण समाज के हितों के प्रतिकूल बताते हुए आवश्यक संशोधन की मांग की। सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि स्वर्ण समाज को एकजुट कर बिल के विरोध में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा जाएगा। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि मांगों की अनदेखी हुई

तो चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। बैठक में जिलाध्यक्ष रिंकू सिंह, महामंत्री संजय सिंह, सचिव राज किशोर सिंह, मीडिया प्रभारी धर्मेन्द्र सिंह सहित कई पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

दैनिक समाज जागरण नेशनल अखबार मे विज्ञापन देने के लिए संपर्क करें।

लुप्त हो रहे वाद्य यंत्रों की धुनों को संजो रहा है प्रदेश का लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान

देश व प्रदेश की जनजातियों के 200 से अधिक लुप्तप्राय वाद्य यंत्रों का किया जा रहा है संरक्षण

लुप्त हो रहे वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी के माध्यम से नई पीढ़ी को मिला अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर

लखनऊ, 28 जनवरी। प्रदेश के जंगलों, पहाड़ों और नदियों के किनारे गूंजने वाली जनजातीय वाद्य यंत्रों की धुनें आज आधुनिक संगीत की चकाचौंध में खोती जा रही हैं। लेकिन, उत्तर प्रदेश का लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान इन धुनों को फिर से जीवंत करने की दिशा में लगातार प्रयास कर रहा है। जनजातीय सांस्कृतिक धरोहर को सहेजने के उद्देश्य से संस्थान देश व प्रदेश की जनजातियों के 200

से अधिक लुप्तप्राय वाद्य यंत्रों का संरक्षण कर रहा है। इस दिशा में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मार्गदर्शन में संस्थान द्वारा समय-समय पर पारंपरिक वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनियां आयोजित की जा रही हैं। इन प्रदर्शनियों के माध्यम से न केवल वाद्य यंत्रों को सहेजा जा रहा है, बल्कि उन्हें बजाने वाले जनजातीय कलाकारों को भी मंच मिल रहा है।

संरक्षित वाद्य यंत्रों में शामिल हैं प्राचीन ढोलक, नगाड़ा, डफ, ढफली, डमरू व थाली

उत्तर प्रदेश के गोंड, थारू, बुक्सा, खरवार, सहरिया, बैगा, अगरिया,

चेरो व माहीगीर जैसी जनजातियों के लोकजीवन में संगीत की विशेष भूमिका रही है। मंजीरा, चिमटा, खड़ताल व घुंघरुओं की खनक, बीन व सारंगी की सुरमयी धुनें इन समुदायों की पहचान रही हैं। डिजिटल दौर में जब ये वाद्य यंत्र धीरे-धीरे विलुप्त हो रहे हैं, ऐसे समय में संस्थान का यह प्रयास सांस्कृतिक धरोहर के संरक्षण की मिसाल बन रहा है। इस क्रम में संस्थान द्वारा जनजातियों के प्राचीन ताल वाद्य यंत्रों जैसे ढोलक, नगाड़ा, डफ, ढफली, डमरू, ढक व थाली का संरक्षण किया जा रहा है। वहीं, सुर वाद्यों में बांसुरी, बीन व सारंगी तथा लय वाद्यों में मंजीरा, चिमटा, घुंघरू व खड़ताल जैसे 200 से अधिक पारंपरिक वाद्य यंत्रों को भी संरक्षित किया जा रहा है।

कला कुंभ व कला गांव में लगाई गई वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी

प्रदेश के लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान ने इस दिशा में

पिछले वर्ष प्रयागराज में आयोजित महाकुंभ के अवसर पर कला कुंभ में इन वाद्य यंत्रों को प्रदर्शित किया था, जिसे देश-विदेश से आए कला प्रेमियों और पर्यटकों ने खूब सराहा। इसी तरह यूपी दिवस के अवसर पर कला गांव में भी इन वाद्य यंत्रों की प्रदर्शनी लगाई गई, जिसने युवाओं को अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ने का अवसर प्रदान किया। जनजातीय गौरव बिरसा मुंडा की 150वीं जयंती के अवसर पर आयोजित जनजातीय भागीदारी महोत्सव में जब पारंपरिक वाद्य यंत्रों की गूंज सुनाई दी, तो यह स्पष्ट हो गया कि ये प्रयास केवल संरक्षण तक सीमित नहीं हैं, बल्कि एक खोती हुई विरासत को नई पीढ़ी तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम भी हैं। लोक एवं जनजातीय संस्कृति संस्थान की यह पहल संदेश देती है कि परंपरा और आधुनिकता के बीच संतुलन बनाकर ही सांस्कृतिक पहचान को जीवित रखा जा सकता है।

ऐसे 5 फर्मेंटेड फूड जिनसे मजबूत होती है गट हेल्थ, डाइट में करें शामिल

हमारी सेहत का सीधा रिश्ता पेट से जुड़ा होता है. अगर पेट सही न हो तो शरीर में समस्याएं आने लगती हैं. लेकिन वहीं, अगर पाचन तंत्र सही तरीके से काम कर रहा हो तो जरूरी पोषक तत्व भी मिल जाते हैं और इम्यूनिटी सिस्टम भी मजबूत रहता है. इसके अलावा एनर्जी और मूड भी बेहतर रहता है. लेकिन आज कल लोगों की डाइट काफी अनहेल्दी हो गई है. बाहर का जंक फूड खा-खाकर लोगों ने अपनी गट हेल्थ बिगाड़ ली है, जिससे गैस, कब्ज और ब्लोटिंग की समस्या होना आम हो गया है.

गट हेल्थ को बेहतर बनाने के लिए कई ऐसी चीजें हैं जिन्हें आप अपनी डाइट में शामिल कर सकते हैं, जिनमें सबसे असरदार हैं फर्मेंटेड फूड्स. ये ऐसे फूड्स है जिनमें नेचुरली बैक्टीरिया (प्रोबायोटिक्स) की संख्या बढ़ती है. जो पाचन को सुधारने में मदद करते हैं. चलिए जानते हैं किन फर्मेंटेड फूड को आप अपनी डाइट में शामिल करके गट हेल्थ को बेहतर बना सकते हैं.

चेडर चीज़ का करें सेवन

चेडर चीज़ स्वाद में तो लाजवाब होती ही है, साथ ही पोषक तत्वों से भरपूर भी होती है. इसमें प्रोटीन, फैट, कैल्शियम, फास्फोरस और विटामिन के2 भी पाया जाता है. इसमें कैल्शियम होने की वजह से हड्डियों और दांतों को मजबूत बनाता है. वहीं, विटामिन के5 हार्ट हेल्थ को हेल्दी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है. इतना ही नहीं, ये आंतो के कामकाज को भी बेहतर बनाने में हेल्प करता है, जिससे पाचन बेहतर रहता है.

प्रोबायोटिक अचार भी है लिस्ट में

गट हेल्थ को बेहतर बनाने के लिए प्रोबायोटिक अचार भी काफी फायदेमंद होता है. इसमें बैक्टीरिया (प्रोबायोटिक) होता है जो अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाने का काम करता है. हालांकि, ध्यान रखें कि सिर्फ फर्मेंटेड और नमक के पानी में बने अचार ही प्रोबायोटिक्स प्रदान करते हैं और गट हेल्थ को बेहतर बनाने में हेल्पफुल हैं.

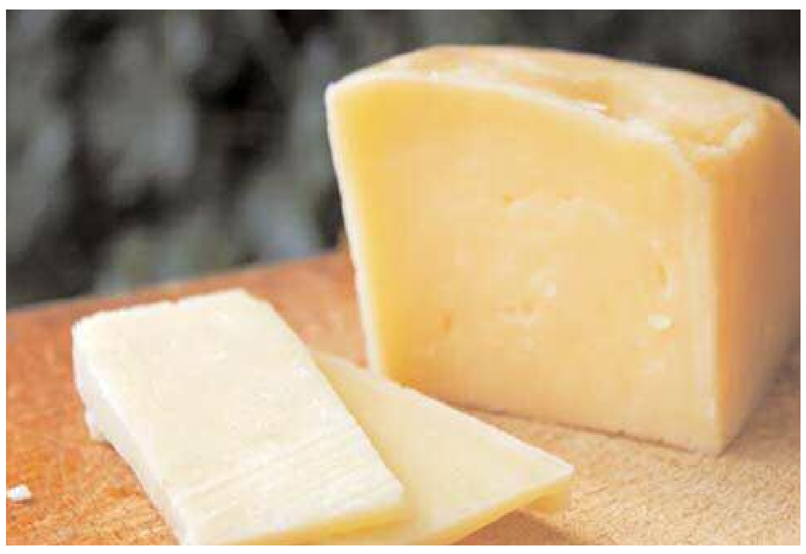

किमची भी है अच्छा ऑप्शन

किमची पत्ता गोभी के पत्ते से बनी कोरिया की एक बेहद पॉपुलर डिश है. इसे भी फर्मेंट करके बनाया जाता है, जिसकी वजह से इसमें प्रोबायोटिक्स होते हैं जो आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं और पाचन को बेहतर करते हैं. इसका सेवन करने से कब्ज , गैस और पेट से जुड़ी कई समस्याओं से राहत मिलती है.

दही भी है फायदेमंद

NCBI की रिसर्च के मुताबिक, दही भी गट हेल्थ को बेहतर बनाने में मददगार है. इसमें मौजूद प्रोबायोटिक अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं. इससे पाचन दुरुस्त होता है और गट माइक्रोबायोम को बैलेंस करता है. दही में मौजूद Lactobacillus और Bifidobacterium इम्यून सिस्टम को मजबूत करने में हेल्प करते हैं.

गट हेल्थ के लिए कांजी

कांजी भी गट हेल्थ के लिए एक बेनिफिशियल ड्रिंक है. इसमें नेचुरली प्रोबायोटिक पाए जाते हैं, जो आंत में अच्छे बैक्टीरिया को बढ़ाते हैं और पाचन को दुरुस्त करने में मदद करते हैं. इससे पेट से जुड़ी कई समस्याओं से राहत मिलती है. ये ड्रिंक एंटीऑक्सीडेंट और फाइबर से भरपूर होती है, जो आंत को हेल्दी बनाए रखने में मदद करते हैं.

फेस्टिव सीजन में मिठाई बनाते समय अपनाएं ये टिप्स

फेस्टिवल सीजन यानी घर में खुशियां, रौनक और सबसे जरूरी मिठाइयों की मिठास. दिवाली से लेकर भाई दूज सभी त्यौहार या किसी खास अवसर पर कुछ लोग घर पर मिठाई बनाते हैं. हालांकि कई बार मिठाइयों का स्वाद या टेक्सचर सही नहीं आता, जिससे पूरी मेहनत पर पानी फिर जाता है. ऐसे में मिठाई बनाते समय आपको इन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए.

धनतेरस से फेस्टिव सीजन की शुरुआत हो जाएगी और भाई दूज तर देशभर में इसकी धूम देखने को मिलेगी. इस दौरान सभी अपनों घरों को डेकोरेट करते हैं. हर खुशी, सौभाग्य और फेस्टिवल के मौके पर लोग एक दूसरे का मुंह मीठा करवाते हैं. सभी तरह के त्यौहार और पूजा में भी मिठाइयां को भाग भगवान को लगाया जाता है और प्रसाद के रूप में यह बहुत महत्वपूर्ण होती है. इसी तरह दिवाली पर भी लोग एक दूसरे से घर मिठाइयां और गिफ्ट्स देने जाते हैं. मिठाइयों की दुकानों में इस दौरान बहुत भीड़ देखने को मिलती है, उसी तरह कई जगहों से मिलावट की खबरें में सामने आती हैं.

मिठाई बनाते समय कुछ मिलावटखोर अपने फायदे के लिए इसमें मिलावट करते हैं. जिसे खाने के बाद व्यक्ति की सेहत पर बुरा प्रभाव पड़ सकता है. ऐसे में कई लोग घर पर मिठाई बनाने के बारे में सोचते हैं. लेकिन मिठाई का टेस्ट सही नहीं आ पाता है. दरअसल कई बार छोटी-छोटी गलतियों की वजह से स्वाद या बनावट खराब हो जाती है. इसलिए मिठाई बनाते समय आपको इन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए.

सही क्वालिटी के इंग्रीडिएंट्स

सबसे जरूरी बात कि मिठाई बनाने में उपयोग किए जाने वाले इंग्रीडिएंट्स जैसे कि दूध, खोया, मावा, घी, बेसन, चीनी और ड्राई फ्रूट्स यह सभी अच्छी क्वालिटी के हों. बासी या फिर खराब इंग्रीडिएंट्स मिठाई का स्वाद बिगड़ सकते हैं. ताजा दूध और मावा, ताजा देसी घी और साफ चीनी का उपयोग करें. आप बिना मसाले वाले गुड़ का भी उपयोग कर सकते हैं.

सही क्वांटिटी

मिठाई या फिर कोई भी खाने की चीज बनाते समय इंग्रीडिएंट्स को नाप तौल कर डालना बहुत मायने रखता है. सभी को देखकर रेसिपी के अनुसार माप कर ही डालें. कोई चीज ज्यादा या कम होने से स्वाद खराब हो सकता है. जैसे कि लड्डू बनाते समय घी कम डाला को वह सख्त बनेंगे और ज्यादा डालने से वह बहुत ज्यादा सॉफ्ट बन सकते हैं.

चीनी की चाशनी का सही टेक्सचर

रसगुल्ला, बर्फी, गुलाब जामुन और जलेबी जैसी मिठाइयों के लिए चाशनी जरूर बनाई जाती है. ऐसे में पहले इसे बनाने की विधि को सही से समझें. 1 तार वाली चाशनी का उपयोग गुलाब जामुन, जलेबी और इमरती और मीठी बूंदी के लिए किया जाता है, तो मिठाई चाशनी को एब्जॉर्ब कर लेती हैं. वहीं 2 तार चाशनी यूज , गुझिया, मठरी और शकर पारे में डाला जाते हीं, जो परोसते समय ऊपर चढ़ाई जाती है. 3 तार चाशनी का उपयोग बूरा, बर्फी या बताशे बनाने के लिए किया जाता है.

खोया या मावा घर पर बनाएं

अगर संभल हो तो खोया या मावा बाजार से लाने की बजाय घर पर बनाएं. यह ज्यादा ताजा और शुद्ध होता है और इससे मिठाई का स्वाद भी बेहतर होगा. दूध को धीमी आंच पर लगातार चलाते हुए गाढ़ा करें. जब तक वह मावे जैसा गाढ़ा न हो जाए, पकाते रहें. ध्यान रखें दूध कढ़ाई पर न चिपके.

ज्यादा मात्रा में न बनाएं

अगर आप पहली बार कोई मिठाई बना रहे हैं, तो कम मात्रा में बनाएं. इसका स्वाद और टेस्चर चेक करें. इससे इंग्रीडिएंट्स खराब नहीं होंगे और आप उसमें सुधार भी कर सकेंगे. मिठाई को एयरटाइट कंटेनर में रखें. मिठाई बनाते समय बर्तन और किचन की सफाई का विशेष ध्यान रखें.

अपनाएं ये टिप्स

ज्यादातर मिठाइयों धीमी आंच पर पकाई जाती हैं. जिससे कि उनका स्वाद खराब न हो. खोया या बेसन को भूनते समय आंच कम रखें, वरना यह जल सकता है. घी में तले वाली मिठाइयां जैसे कि गुलाब जामुन को धीमी आंच पर ही तलें, ताकि वो अंदर तक ठीक से पक जाए. इसके साथ ही सही बर्तन का उपयोग करें.